नई दिल्ली RNI NO. DELHIN/2010/37009

वर्षः 12

अंकः 22

सोमवार, 20-26 जून, 2022

मूल्यः 5 रु प्रति

रु 250 वार्षिक

शिक्षा के मंदिर में शिक्षिका का हुआ अपमान, चप्पलों से पीटता हुआ नजर आया प्रिंसिपल 03

गिलगिट-बालिटस्तान क्षेत्र चीन को पट्टे पर देकर बड़ी गलती करने जा रहा है पाकिस्तान 08

NCR समाचार

बाइडन ने महिलाओं के अधिकारों के संरक्षण के लिए हरसंभव प्रयास करने का संकल्प जताया 10

रोनाल्डो ने इतिहास रचा, एशियाई चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

शाहरुख खान ने सिनेमा में पूरे किए 30 साल, 'पठान' का पहला पोस्टर किया जारी 12

लोकसभा उपचुनाव में पलटी बाजी

रामपुर में भाजपा की जीत तो संगरूर में हारी 'आप'

एजेंसी

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश और पंजाब के उपचुनाव के नतीजे काफी चौंकाने वाले रहे। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश के रामपुर और पंजाब के संगरूर में राजनीतिक दलों की बाजी पलट गई। रामपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार घनश्याम लोधी ने समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान के करीबी मोहम्मद असीम राजा को परास्त कर दिया है। भाजपा के संगठन महासचिव बीएल संतोष ने घनश्याम लोधी की जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि इतिहास बनाया जा रहा है। रामपुर उपचुनाव में भाजपा ने 37,797 वोटों से जीत हासिल की। आजमगढ़ की भी जीत होने वाली है। सपा उम्मीदवार आसिम राजा ने कहा कि रामपुर में चुनावों को हथिया लिया गया। लोगों को मतदान तक नहीं करने दिया। जहां 600 वोट डाले जाने थे वहां 4 वोट डाले गए। जहां 500 वोट डाले जाने थे वहां 9 वोट डाले गए। लोग चुनाव के लिए इतने उदासीन नहीं हैं। पंजाब के संगरूर लोकसभा उपचुनाव के नतीजों में आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। यहां पर शिअद (अमृतसर) के उम्मीदवार सिमरनजीत सिंह मान ने आम आदमी पार्टी के गुरमेल सिंह को मात परास्त किया है। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी ने हार स्वीकार कर ली है और सिमरनजीत सिंह मान को जीत का बधाई दी है। सिमरनजीत सिंह मान ने जीत दर्ज करने के बाद कहा कि यह हमारी पार्टी के लिए एक बड़ी जीत है, हमने इस उपचुनाव में सभी राष्ट्रीय दलों को हराया है। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता संगरूर की खराब आर्थिक स्थिति सहित कर्ज में डूबे किसानों की स्थिति का मुद्दा उठाना होगा। हम पंजाब सरकार के साथ काम करेंगे। आपको बता दें कि इस सीट पर आम आदमी पार्टी का कब्जा था लेकिन भगवंत मान के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह सीट खाली हो गई थी। साल 2014 और 2019 में भगवंत मान ने आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर यहां से जीत दर्ज की थी। दोनों बार पार्टी की जीत का अंतर काफी ज्यादा बड़ा था।

भाजपा ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया, कोई अंतरराष्ट्रीय संस्था कराए चुनावः आजम खान

रामपुर (उत्तर प्रदेश)। रामपुर लोकसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) उम्मीदवार की पराजय के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधायक आजम खां ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भाजपा ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके रामपुर की जनता की जीत को हार में बदल दिया। आजम ने रविवार को दावा किया कि कोई अंतरराष्ट्रीय संस्था ईमानदारी से चुनाव कराए और अगर उनका उम्मीदवार हार जाए, तो वह राजनीति छोड़ देंगे। आजम ने रामपुर लोकसभा उपचुनाव में सपा प्रत्याशी आसिम राजा की भाजपा उम्मीदवार घनश्याम लोधी के हाथों 42 हजार से अधिक मतों से पराजय के बाद संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भाजपा ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके रामपुर की जनता की जीत को हार में बदल दिया। उन्होंने रामपुर में भाजपा प्रत्याशी की जीत को लोकतंत्र की हार करार देते हुए कहा बहुत अच्छी बात है, वह (भाजपा) जीत गए, लेकिन यह जीत नहीं है उनकी। इसी तरह तो उन्होंने उत्तर प्रदेश की सरकार भी बना ली है और मैं शर्म व एहसास दिलाना चाहूंगा उन तमाम ताकतों को, जो लोकतंत्र को कमजोर कर रही हैं, अपने छोटे-छोटे फायदों के लिए। आजम ने यह भी कहा कि कोई अंतरराष्ट्रीय संस्था आए और यहां चुनाव कराने की जिम्मेदारी ले। उन्होंने कहा ईमानदारी से चुनाव हो जाए। मैं कहता हूं अंतरराष्ट्रीय न्यायालय आये। वह यहां चुनाव कराए। खुले मैदान में चुनाव हो जाए। अगर हम हार गए तो राजनीति का मैदान हमेशा के लिए छोड़ देंगे।

रणजी का बादशाह बना 'मध्य प्रदेश'

मुंबई को 6 विकेट से हराकर उठाई ट्रॉफी

एजेंसी

बेंगलुरु। मध्य प्रदेश ने रविवार को पांचवें और अंतिम दिन घरेलू क्रिकेट की दिग्गज टीम मुंबई को एकतरफा फाइनल में छह विकेट से हराकर पहली बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीतकर इतिहास रचा। कोच चंद्रकांत पंडित ने इसी मैदान पर 23 साल पहले रणजी ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला गंवाया था लेकिन इस बार वह चैंपियन टीम का हिस्सा बनने में सफल रहे। अंतिम दिन मुंबई की टीम दूसरी पारी में 269 रन पर सिमट गई जिससे मध्य प्रदेश को 108 रन का लक्ष्य मिला जिसे टीम ने चार विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। सत्र में 1000 रन बनाने से सिर्फ 18 रन दूर रहे सरफराज खान (45) और युवा सुवेद पार्कर (51) ने मुंबई को हार से बचाने का प्रयास किया लेकिन कुमार कार्तिकेय (98 रन पर चार विकेट) की अगुआई में गेंदबाजों ने मध्य प्रदेश की जीत सुनिश्चित की। कोच के रूप में पंडित का यह रिकॉर्ड छठा राष्ट्रीय खिताब है। लक्ष्य का पीछा करते हुए मध्य प्रदेश ने हिमांशु मंत्री (37), शुभमन शर्मा (30) और रजत पाटीदार (नाबाद 30) की पारियों की बदौलत 29.5 ओवर में चार विकेट पर 108 रन बनाकर जीत दर्ज की। इस जीत से पंडित की पुरानी यादें ताजा हो गई जब 1999 में इसी चिन्नास्वामी स्टेडियम में उनकी अगुआई वाली मध्य प्रदेश की टीम ने पहली पारी में बढ़त के बावजूद फाइनल गंवा दिया था और पंडित के करियर का अंत निराशा के साथ हुआ। पंडित के मार्गदर्शन में विदर्भ ने भी चार ट्रॉफी (लगातार दो रणजी और ईरानी कप खिताब) जीती जबकि उसके पास कोई सुपरस्टार नहीं थे। रजत पाटीदार को छोड़कर यश दुबे, हिमांशु मंत्री, शुभम शर्मा, गौरव यादव या सारांश जैन जैसे खिलाड़ी भारतीय टीम में जगह बनाने की अभी दावेदार नहीं मौजूदा सत्र में उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इन सभी ने मिलकर 41 बार के चैंपियन मुंबई को एक और रणजी खिताब से महरूम किया। मध्य प्रदेश ने एक बार फिर साबित किया कि रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने लिए आपकी टीम में सुपर स्टार या भारतीय टीम में जगह बनाने के दावेदार होना जरूरी नहीं है। राजस्थान ने उस समय खिताब जीता जबकि ऋषिकेश कानिटकर और आकाश चोपड़ा उसके साथ थे। विदर्भ ने जब खिताब जीते तो उसके युवा खिलाड़ियों के मार्गदर्शन के लिए वसीम जाफर और गणेश सतीश मौजूद थे। मध्य प्रदेश की टीम अपने दो महत्वपूर्ण खिलाड़ियों आवेश खान और वेंकटेश अय्यर के बिना खेल रही थी लेकिन मुंबई पर भारी पर पड़ी। वर्ष 2010 के बाद से रणजी ट्रॉफी में कुछ सत्र कर्नाटक का दबदबा रहा लेकिन इसके बाद सिर्फ मुंबई ही एक खिताब जीत पाई जबकि अधिकांश खिताब राजस्थान (दो), विदर्भ (दो), सौराष्ट्र (एक) और मध्य प्रदेश (एक) जैसी टीम ने जीते जिन्हें घरेलू क्रिकेट में कमजोर माना जाता था। यह दर्शाता है कि मुंबई के शिवाजी पार्क, आजाद मैदान या क्रॉस मैदान, दिल्ली और बेंगलुरु या कोलकाता से क्रिकेट अब छोटे शहरों में भी फैल रहा है।

महाराष्ट्र में राजनीति के साथ कानूनी लड़ाई भी हुई शुरू

सावंत ने कहा- बागियों ने डिप्टी स्पीकर को हटाने का दिया नोटिस

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत लगातार करवट बदल रही है। एकनाथ शिंदे कैंप में एक और विधायक शामिल हुआ है। ऐसे में उद्धव ठाकरे की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है।

आपको बता दें कि शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने बताया कि अब राजनीतिक लड़ाई के साथ-साथ कानूनी लड़ाई भी लड़ी जा रही है। शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि महाराष्ट्र में जो राजनीतिक परिस्थिति बनी हुई है। वो अब सिर्फ राजनीतिक लड़ाई नहीं है, क़ानूनी लड़ाई भी शुरू हो गई है। पार्टी के कई विधायक असम में रह रहे हैं, उनके खिलाफ हमने क़ानूनी कार्रवाई शुरू की है। लगभग 16 विधायकों को नोटिस भेज दिया गया है। इसी बीच अरविंद सावंत ने बताया कि बागी विधायकों ने डिप्टी स्पीकर को हटाने का नोटिस दिया है। शिवसेना के वरिष्ठ वकील देवदत्त कामत ने कहा कि शिवसेना द्वारा 16 विधायकों के खिलाफ कार्यवाही शुरू की गई है। संविधान में प्रावधान के तहत यदि कोई व्यक्ति किसी पार्टी की सदस्यता छोड़ देता है तो वह अयोग्यता के लिए पात्र है। उन्होंने कहा कि शिवसेना द्वारा अलग-अलग समय पर कई बैठकें बुलाई गईं, जिनमें से किसी (बागी) ने भी भाग नहीं लिया। बागियों द्वारा भाजपा शासित राज्यों का दौरा करना, भाजपा नेताओं से मिलना और सरकार गिराने का प्रयास करना उल्लंघन है। देवदत्त कामत ने कहा कि 2-3वीं (दलबदल विरोधी कानून को पार करने के लिए) की अवधारणा केवल विलय होने पर ही लागू होती है। जब तक विधायक किसी अन्य पार्टी में विलय नहीं करते, अयोग्यता लागू होती है।

आज तक विलय नहीं हुआ, उन्होंने स्वेच्छा से सदस्यता छोड़ी है। उन्होंने कहा कि संविधान के तहत डिप्टी स्पीकर के पास स्पीकर की अनुपस्थिति में शक्ति होती है और ऐसे मामलों पर निर्णय ले सकते हैं। अविश्वास प्रस्ताव बागियों द्वारा एक अनधिकृत ईमेल के माध्यम से भेजा गया था।

पंजीकरण का अधिकार है, पंजीयन रद्द करने का अधिकार चाहता हूं : चुनाव आयोग

एजेंसी

नयी दिल्ली। भ्रष्टाचार में लिप्त गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की पहचान करने के लिए जारी 'सफाई' अभियान के बीच चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द करने की शक्ति हासिल करने के लिए नए सिरे से प्रयास शुरू किया है। चुनाव कानून निर्वाचन आयोग को लोगों के समूह को एक राजनीतिक दल के रूप में पंजीकृत करने की शक्ति प्रदान करता है, लेकिन इसे पंजीयन रद्द करने का अधिकार नहीं देता। समझा जाता है कि हाल ही में केंद्रीय विधायी सचिव के साथ बातचीत में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने राजनीतिक दलों का पंजीकरण समाप्त करनेके लिए यह अधिकार दिये जाने पर जोर दिया था। चुनाव आयोग कुछ आधारों पर किसी राजनीतिक दल का पंजीकरण रद्द करने के लिए जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत अधिकार प्रदान करने के लिए सरकार को अपना प्रतिनिधित्व देता रहा है। आयोग का मानना है कि कई राजनीतिक दल पंजीकृत हो जाते हैं, लेकिन कभी चुनाव नहीं लड़ते, ऐसे दल सिर्फ कागजों पर होते हैं। चुनाव आयोग (ईसी) का मानना है कि आयकर छूट का लाभ उठाने के लिए राजनीतिक दल बनाने की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। आयोग ने हाल ही में कुल 198 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को अपने रजिस्टर से हटा दिया था, क्योंकि 'सफाई अभियान' के दौरान इन दलों का कोई अस्तित्व नहीं पाया गया था।

राजेंद्र नगर विधानसभा उपचुनाव में आम आदमी पार्टी के दुर्गेश पाठक ने जीत हासिल की

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली की राजेंद्र नगर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) के दुर्गेश पाठक ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार राजेश भाटिया को 11 हजार से अधिक मतों के अंतर से हरा दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी रणबीर सिंह ने कहा, मतगणना के सभी 16 दौर पूरे हो चुके हैं। आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार दुर्गेश पाठक ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के राजेश भाटिया को 11 हजार से अधिक मतों के अंतर से हरा दिया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, आप के पाठक को 40,319 मत मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाटिया को 28,851 मत प्राप्त हुए। दोनों के बीच जीत का अंतर 11,468 मतों का था। उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार प्रेमलता को महज 2,014 मत प्राप्त हुए। हालांकि, मतगणना पीठ के समक्ष अभी अंतिम मतदान के आंकड़े आने बाकी हैं। इस विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए 23 जून को केवल 43.75 प्रतिशत मतदान हुआ था। उल्लेखनीय है कि उपचुनाव में कुल 14 उम्मीदवार मैदान में थे। हाल ही में राज्यसभा के लिए चुने जाने के बाद आप नेता राघव चड्ढा के इस्तीफे से यह सीट खाली हो गयी थी। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यहां सुबह आठ बजे से मतगणना जारी थी।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में झड़प, कांग्रेस अध्यक्ष समेत 19 घायल

अगरतला। कांग्रेस भवन के सामने रविवार को यहां कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थकों के बीच हुई झड़प में त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) प्रमुख बिरजीत सिन्हा सहित कम से कम 19 लोग घायल हो गए। राज्य में विधानसभा की चार सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गयी। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। गौरतलब है कि त्रिपुरा में चार विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा को तीन और कांग्रेस को एक सीट पर जीत मिली है। डाकघर चौमुहानी में स्थित कांग्रेस भवन के आसपास का पूरा क्षेत्र झड़प के बाद वीरान हो गया। कांग्रेस नेता आशीष कुमार साहा ने कहा, "कांग्रेस समर्थक अगरतला विधानसभा सीट पर विजयी उम्मीदवार सुदीप रॉय बर्मन के साथ अपराह्न एक बजे मतगणना केंद्र से कांग्रेस भवन लौट आए। उन्होंने कहा, जब हम दोपहर के भोजन की तैयारी कर रहे थे तो भाजपा समर्थकों के एक समूह ने कांग्रेस भवन पर हमला किया। त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष के सिर पर ईंटों से वार किया गया, जबकि कांग्रेस के अन्य कार्यकर्ता रोमी मियां को भाजपा समर्थकों ने चाकू मार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि युवा मोर्चा के एक नेता के नेतृत्व में भाजपा समर्थकों ने भवन पर पथराव किया और बाहर खड़ी कई मोटरसाइकिलों को नुकसान पहुंचाया। साहा ने आरोप लगाया कि जिस समय हमला हो रहा था पुलिस मूकदर्शक बनी रही। कांग्रेस समर्थकों ने पहले दिन में अगरतला नगर निगम (एएमसी) की भाजपा पार्षद शिल्पी सेन पर पत्थर फेंके थे और उस घटना ने पार्टी समर्थकों को नाराज़ कर दिया था।

जानिए कौन है संगम विहार गुर्जर चौक की लेडी डॉन

अकेली महिला ने किया पूरे मोहल्ले के नाक में दम

नमिता चौहान

संगम विहार गुर्जर चौक की सभी जनता उसी मोहल्ले में रहने वाली महिला के व्यवहार और अत्याचार से परेशान हो चुकी है। संगम विहार की इस महिला ने सभी के नाक में दम कर रखा है। उसी मोहल्ले में रहने वाले अशोक का परिवार सबसे ज्यादा दुखी है, क्योंकि उस महिला नूतन गुप्ता ने उनके परिवार और खुद अशोक को बहुत ज्यादा प्रताड़ित किया है। आपको बता दें की ये सिलसिला करीब 4 साल पहले शुरू हुआ था जब नूतन गुप्ता ने अपनी गली में चबूतरा बनवाया था। वहां के अन्य लोगों ने इसका विरोध किया और उसे रोका, क्योंकि लोगों का कहना था कि अगर बीच गली में चबूतरा बना तो उसके दोनों ही तरफ पानी जमा होने लगेगा, इससे बच्चों को भी खेलने में काफी परेशानी होगी। जैसे ही अन्य लोगों और अशोक के परिवार के लोगों ने इसका विरोध किया नूतन ने सबको आरोपी मानना शुरू कर दिया। ये घटना 2017 की है तब से नूतन ने अशोक और उनके घर में रहने वाले अन्य बड़े बुजुर्गों को अपना निशाना बना लिया। लोगों का आरोप है कि नूतन हर रात उनके घरों पर हमला करती है खासतौर पर अशोक के घर पर, कभी थाने में प्राथमिकी दर्ज करती है की अशोक ने उसके साथ गलत व्यवहार किया है। इतना ही नहीं पीड़ति के परिवार के जितने भी बुजुर्ग है उन सभी के खिलाफ कई बार थाने में बेबुनियाद रिपोर्ट लिखाई गई जिसकी वजह से करीब 80 वर्ष के बुजुर्गों को भी पुलिस देर रात उठाकर थाने ले गई थी। इतना ही नहीं लोगों ने बताया कि वो आय दिन किसी न किसी को कुछ करती ही रहती है इल्जाम लगती ही रहती है। अगर उसे गली में कोई भी आता जाता दिख जाये तो वह उसकी फोटो खींचकर थाने पहुंच जाती है और उस पर खुद से बदतमीजी करने और पताड़ति करने का आरोप लगा देती है।

कौन है नूतन गुप्ता

नूतन गुप्ता की उम्र करीब 35 वर्ष है। करीब 15 साल पहले वो अपनी बहन के पति से शादी करके संगम विहार उनके ससुराल आई थी। आरोपी नूतन जब से अपने ससुराल आई तब से उसने ससुराल वालों का जीना दूबर कर रखा था और एक एक करके उसने अपने घर के सभी लोगों को जीते जी मार डाला।

अंत में नूतन के पति ने भी उसे छोड़ दिया, फिर भी उसने अपने ससुराल को नहीं छोड़ा। इस तरह से नूतन ने अपने परिवार के साथ साथ आस पास के सभी लोगों के नाक में दम कर दिया।

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालयः
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली-62

फोनः
8888883968,
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के
स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त समाचार

PM मोदी भाजपा उम्मीदवारों को जीत की दी बधाई, जनता का जताया आभार

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश की आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव के नतीजे सामने आ चुके हैं। इन दोनों सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों को जीत मिली है। जिसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत भाजपा नेताओं ने उम्मीदवारों को जमकर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आजमगढ़ और रामपुर उपचुनाव में जीत ऐतिहासिक है। यह केंद्र और यूपी में डबल इंजन सरकार के लिए व्यापक पैमाने पर स्वीकृति और समर्थन का संकेत देता है। समर्थन के लिए लोगों का आभारी हूं। मैं हमारी पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करता हूं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा को भी जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैं त्रिपुरा के लोगों को हमारे विकास का एजेंडा में विश्वास जताने और मुख्यमंत्री माणिक साहा सहित हमारे उम्मीदवारों को उपचुनाव में जीत का आशीर्वाद देने के लिए धन्यवाद देता हूं। हमारी सरकार लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करती रहेगी। मैं कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की सराहना करता हूं।

PAK की जेल में मारे गए सरबजीत सिंह की बहन दलबीर कौर का निधन

अमृतसर। वर्ष 2013 में पाकिस्तान की जेल में साथी कैदियों द्वारा बेरहमी से पीटे जाने के बाद मारे गये सरबजीत सिंह की बहन दलबीर कौर का रविवार को यहां निधन हो गया। वह 67 वर्ष की थीं। दलबीर कौर उस समय सुर्खियों में थीं, जब उन्होंने पाकिस्तान की जेल से अपने भाई की रिहाई के लिए एक अभियान चलाया था। सरबजीत 1991 से पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बम विस्फोटों में शामिल होने के आरोप में जेल में बंद थे। परिजनों के अनुसार कौर ने शनिवार रात सीने में तेज दर्द की शिकायत की थी और उन्हें यहां एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। सरबजीत सिंह की बेटी पूनम ने बताया कि दलबीर पिछले एक साल से फेफड़ों की बीमारी से जूझ रही थीं। उन्होंने बताया कि जब उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था तो चिकित्सकों का कहना था कि उनकी हालत गंभीर है। उन्हें आईसीयू में रखा गया और कुछ देर बाद जीवन रक्षक प्रणाली (वेंटिलेटर) पर रखा गया। पूनम ने बताया कि दलबीर कौर को अस्पताल ने कुछ घंटों के बाद मृत घोषित कर दिया। पूनम ने कहा कि दलबीर का अंतिम संस्कार आज दोपहर में तरण तारण जिले में उनके पैतृक शहर भीखीविंड में किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2013 में लाहौर जेल में कैदियों द्वारा किए गए हमले के छह दिन बाद सरबजीत सिंह (49) की मौत हो गयी थी।

मुजफ्फरनगर में किसान की गोली मारकर हत्या, किसानों ने किया विरोध प्रदर्शन

मुजफ्फरनगर (उप्र)। मुजफ्फरनगर जिले के फुगाना में बस अड्डे के पास एक किसान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना को लेकर किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार घटना शनिवार की रात हुई जब अज्ञात बदमाशों ने बस अड्डे के पास किसान सत्येंद्र कुमार (42) की गोली मारकर हत्या कर दी। फुगाना के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) शरद चंद्र शर्मा ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हत्यारों की तलाश की जा रही है। इस बीच, ग्रामीणों ने घटना का विरोध किया और त्वरित कार्रवाई की मांग को लेकर फुगाना में मेरठ-करनाल मार्ग को जाम कर दिया। बाद में मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को शांत किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा सका।

द्रौपदी मुर्मू को पद की गरिमा और संविधान की कसौटी पर खरा उतरना होगा: संजय कुमार

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सत्ता में रहते हुए 2002 में प्रख्यात वैज्ञानिक ए पी जे अब्दुल कलाम को और 2017 में दलित नेता रामनाथ कोविंद को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया था और अब 2022 के राष्ट्रपति चुनाव में उसने झारखंड की पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू को उम्मीदवार बनाया है। अपने इस फैसले को वह पहली बार आदिवासी समुदाय से किसी को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बिठाने के रूप में पेश और प्रचारित कर रही है। इसके राजनीतिक निहितार्थों पर 'सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज' (सीएसडीएस) के निदेशक संजय कुमार से ''के पांच सवाल'' और उनके जवाब:- सवाल: पहली बार मौका मिला तो भाजपा ने एक मुस्लिम और दूसरी बार एक दलित को राष्ट्रपति बनाया। इस बार उसने एक आदिवासी प्रत्याशी पर दांव चला है। क्या लक्ष्य और क्या संदेश दिखता है आपको? जवाब: यह सही है कि 2002 के गोधरा दंगों के बाद भाजपा ने कलाम साहब को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया और जब रामनाथ कोविंद को उम्मीदवार बनाया गया तब दलितों के खिलाफ अत्याचार के आरोप लग रहे थे। ल

लोगों ने भाजपा की गंदी राजनीति को हराया, हमारे अच्छे कार्यों को सराहा: अरविंद

एजेंसी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को राजेंद्र नगर विधानसभा उपचुनाव में अपनी पार्टी की जीत को ''भाजपा की गंदी राजनीति की हार'' बताया। उन्होंने इसके साथ ही राष्ट्रीय राजधानी में उनकी सरकार द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करने के लिए लोगों का आभार व्यक्त किया। अधिकारियों ने बताया कि आम आदमी पार्टी (आप) के दुर्गेश पाठक ने उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार राजेश भाटिया को 11,000 से अधिक मतों से हराया। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी रणबीर सिंह ने कहा, मतगणना के सभी 16 दौर पूरे हो चुके हैं। आप उम्मीदवार दुर्गेश पाठक ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी (भाजपा के) राजेश भाटिया को 11,000 से अधिक मतों के अंतर से हराया है। केजरीवाल ने ट्वीट किया, राजेंद्र नगर के लोगों का

दिल से आभार। दिल्ली के लोगों के इस अथाह स्नेह और प्रेम का मैं आभारी हूँ। यही हमें और अधिक मेहनत एवं सेवा करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने लिखा, लोगों ने उनकी गंदी राजनीति को हराया और हमारे अच्छे काम को सराहा। शुक्रिया राजेंद्र नगर, शुक्रिया दिल्ली। आप के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी पाठक को बधाई दी और कहा कि चुनाव परिणाम बताते हैं कि केजरीवाल लोगों के दिलों में बसते हैं। उन्होंने ट्वीट किया, प्यारे भाई दुर्गेश पाठक को राजेंद्र नगर विधानसभा से विधायक चुने जाने पर बहुत-बहुत बधाई। आप के सभी कार्यकर्ता साथियों को भी जीत की बधाई। दिल्ली की जनता के दिल में अरविंद केजरीवाल जी का जलवा है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पाठक को 40,319 जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाटिया को 28,851 वोट मिले। जीत का अंतर 11,468 वोट रहा। उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी प्रेम लता को महज 2,014 वोट मिले। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने भी विजयी उम्मीदवार को बधाई देते हुए कहा कि परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि लोगों ने मुख्यमंत्री केजरीवाल द्वारा किए गए कार्यों के लिए मतदान किया। राजेंद्र नगर से आम आदमी पार्टी के विधायक राघव चड्ढा के पंजाब से राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराया गया था। चड्ढा ने भी पाठक को जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि उपचुनाव में पार्टी की जीत केजरीवाल के शासन मॉडल पर ''मुहर'' है। उन्होंने एक बार फिर प्यार और आशीर्वाद बरसाने के लिए निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को धन्यवाद दिया। चड्ढा ने ट्वीट किया, मेरे भाई दुर्गेश पाठक को शुभकामनाएं। मैं मशाल उन्हें सौंपता हूं।

केंद्र ने शिवसेना के 15 बागी विधायकों को वाई प्लस श्रेणी की सीआरपीएफ सुरक्षा प्रदान की

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने रविवार को शिवसेना के कम से कम 15 बागी विधायकों को सीआरपीएफ जवानों से लैस वाई प्लस श्रेणी का सुरक्षा घेरा प्रदान किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया जिन विधायकों को सुरक्षा मुहैया कराई गई है, उनमें रमेश बोर्नारे, मंगेश कुदलकर, संजय शिरसत, लताबाई सोनवणे, प्रकाश सुर्वे और 10 अन्य विधायक शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, महाराष्ट्र में रहने वाले इन विधायकों के परिवारों को भी सुरक्षा प्रदान की जाएगी, क्योंकि सुरक्षा घेरे के अंतर्गत गृह सुरक्षा दल भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा गृह मंत्रालय से की गई एक सिफारिश के बाद विधायकों को 'वाई प्लस' श्रेणी की सीआरपीएफ सुरक्षा प्रदान करने की मंजूरी दी गई है। सिफारिश में कहा गया था कि बागी विधायकों और उनके परिजनों को महाराष्ट्र के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य के कारण संभावित खतरों का सामना करना पड़ सकता है। अधिकारियों के अनुसार, विधायकों के महाराष्ट्र लौटने के बाद प्रत्येक पाली में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के लगभग चार से पांच कमांडो उनकी सुरक्षा करेंगे। शिवसेना के कई विधायकों ने पार्टी से विद्रोह करने वाले मंत्री एकनाथ शिंदे के प्रति अपनी वफादारी दिखाते हुए वर्तमान में गुवाहाटी में डेरा डाला हुआ है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार इस समय सियासी संकट से गुजर रही है। महाराष्ट्र विधानसभा सचिवालय ने शनिवार को शिंदे सहित शिवसेना के 16 बागी विधायकों को समन जारी कर उन शिकायतों पर 27 जून की शाम तक लिखित जवाब दाखिल करने को कहा था, जिनमें इन विधायकों को अयोग्य करार दिए जाने की मांग की गई।

केरल विधानसभा सत्र: विपक्ष उठाएगा राहुल गांधी के कार्यालय पर हमले का मुद्दा

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा का पांचवां सत्र सोमवार से शुरू होने जा रहा है और इसके हंगामेदार रहने के आसार हैं। सत्र में कांग्रेस नीत विपक्षी गठबंधन यूडीएफ सोना तस्करी मामले में आरोपी स्वप्ना सुरेश द्वारा मुख्यमंत्री पर लगाए गए सनसनीखेज आरोपों और राहुल गांधी के कार्यालय पर एसएफआई कार्यकर्ताओं के हमले को लेकर सरकार को घेरने की तैयारियों में जुटा है। मुख्य रूप से वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए अनुदान की मांगों पर चर्चा करने और उन्हें पारित करने के लिए बुलाए जा रहे एक महीने लंबे सत्र के राजनीतिक रूप से हंगामेदार रहने की उम्मीद है, क्योंकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने यह

स्पष्ट कर दिया है कि वह हालिया विवादों के खिलाफ सदन में आवाज उठाएगा। शुक्रवार को वायनाड में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के कार्यालय पर एसएफआई कार्यकर्ताओं के हमले और तोड़फोड़ से वाम सरकार को विधानसभा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। स्वप्ना सुरेश द्वारा कुछ समय पहले किए गए खुलासों को लेकर सत्तारूढ़ माकपा और मुख्यमंत्री विजयन पहले से ही मुख्य विपक्षी दल के कड़े विरोध का सामना कर रहे हैं।

जनता ने 2024 के लिए संदेश दिया: योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

लखनऊ। रामपुर और आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव के नतीजों से उत्साहित उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि इन परिणामों के जरिये जनता ने वर्ष 2024 के आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 'दूरगामी संदेश' दे दिया है। योगी ने रामपुर लोकसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी कि 42 हजार से अधिक मतों से जीत और आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार के जीत की दहलीज पर पहुंचने के बाद संवाददाताओं से बातचीत की। योगी ने कहा जनता ने इस विजयश्री के माध्यम से उत्तर प्रदेश में 2024 की विजयश्री के लिए दूरगामी संदेश भी

दिया है। आज की विजय ने यह संदेश बहुत स्पष्ट रूप से सभी के सामने प्रस्तुत किया है कि वर्ष 2024 में भाजपा उत्तर प्रदेश में प्रचंड बहुमत के साथ सभी 80 सीट पर विजय हासिल करने की ओर अग्रसर हो रही है। उन्होंने कहा कि इसके पहले उत्तर प्रदेश के पिछले विधानसभा चुनाव में दो तिहाई से अधिक सीट जीतने के बाद भाजपा ने विधान परिषद के चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ सभी सीट पर जीत हासिल की। योगी ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों और भाजपा की सबका साथ, सबका विकास, सब का प्रयास तथा सबका विश्वास की घोषित नीति पर जनता की मुहर का प्रतीक है। आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि उपचुनाव नतीजों के जरिए जनता ने एक बार फिर से प्रदेश की दम्भी, नकारात्मक सोच और अपनी विध्वंसात्मक गतिविधियों के लिए कुख्यात परिवारवादी ताकतों को एक बार फिर यह संदेश दे दिया है। योगी ने कहा कि जनता ने संदेश दिया है कि अब वह परिवारवादियों, जातिवादियों, सांप्रदायिक उन्माद को भड़काने वाले पेशेवर माफिया और आपराधिक प्रवृत्ति के तत्वों को पनाह देने वाले राजनीतिक दलों को किसी भी प्रकार से स्वीकार करने को तैयार नहीं है। गौरतलब है कि रामपुर लोकसभा सीट के उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी घनश्याम सिंह लोधी ने सपा के उम्मीदवार आसिम राजा को 42,192 मतों से हराकर यह सीट सपा से छीन ली।

वहीं, आजमगढ़ लोकसभा सीट के उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार दिनेश लाल यादव निरहुआ अपने निकटतम प्रतिद्वंदी समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव से 8,595 हजार से अधिक मतों से आगे चल रहे हैं। यह सीट सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के विधानसभा के लिए चुने जाने के बाद लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिए जाने के कारण रिक्त हुई है।

प्रमुख सामयिक मुद्दों पर जी-7 नेताओं के साथ 'सार्थक चर्चा' की उम्मीद : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

म्यूनिख (जर्मनी)। जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए जर्मनी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि वह जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा संकट, खाद्य सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबला, पर्यावरण, लैंगिक समानता और लोकतंत्र जैसे सामयिक मुद्दों पर विश्व नेताओं के साथ 'सार्थक चर्चा' होने की उम्मीद कर रहे हैं। जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज के निमंत्रण पर मोदी 26 और 27 जून को होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए म्यूनिख गए हैं। दुनिया के सात सबसे अमीर देशों के समूह जी-7 के अध्यक्ष के रूप में

जर्मनी इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। मोदी ने ट्वीट किया, ''जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए म्यूनिख पहुंचा हूं। मैं शिखर सम्मेलन के दौरान विश्व नेताओं के साथ सार्थक चर्चा होने की उम्मीद करता हूं।''म्यूनिख में आगमन पर भारतीय मूल के लोगों ने प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। बर्लिन स्थित भारतीय दूतावास ने ट्वीट किया, ''जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए म्यूनिख पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजदूत हरीश पर्वतनेनी और श्रीमति नंदिता पर्वतनेनी ने म्यूनिख हवाईअड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया।''भारतीय मिशन ने एक ट्वीट में कहा, ''भारतीय समुदाय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का म्यूनिख में गर्मजोशी से विशेष स्वागत किया।'' विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक ट्वीट में कहा, ''जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए जर्मनी पहुंचे हैं। वह जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा संकट, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, लैंगिक समानता और अन्य मुद्दों पर जी-7 देशों के नेताओं के साथ होने वाली चर्चा में भाग लेने के अलावा कई द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।''

राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी कोविड-19 संक्रमण से उबरने के बाद अस्पताल से घर लौटे

एजेंसी

मुंबई। कोविड-19 संक्रमण से उबरने के बाद महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को रविवार को यहां के एक अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कोश्यारी (80) को कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि के बाद बुधवार को दक्षिण मुंबई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। राजभवन की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, राज्यपाल चार दिनों तक अस्पताल में रहने के बाद अपने आधिकारिक आवास पर लौट आए हैं। बुधवार को एक ट्वीट में राज्यपाल ने कहा था, ''मैं कोविड-19 से संक्रमित हो गया हूं। मुझमें संक्रमण के हल्के लक्षण हैं। हालांकि, एहतियात के तौर पर मुझे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

'देश में नहीं है आप का भविष्य', कानून-व्यवस्था संभाल नहीं पा रही पार्टी: हिमाचल CM

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियां सक्रिय हो गई हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल लगातार हिमाचल प्रदेश की यात्रा कर रहे हैं।

बीते दिनों अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कुल्लू में तिरंगा यात्रा की शुरुआत की। जिसमें पार्टी को भारी समर्थन मिला। इसी बीच हिमाचल के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी मजाक बन गई है। इतने कम समय में ये हाल है। लॉ एंड ऑर्डर वो संभाल नहीं पा रहे हैं, खालिस्तान के नारे खुले आम लग रहे हैं, हत्याएं और भ्रष्टाचार हो रहा है। आम आदमी पार्टी का भविष्य पंजाब में नहीं है, पूरे देश में नहीं है और हिमाचल में तो बिल्कुल नहीं है।

इसी बीच उन्होंने नशा मुक्ति अभियान को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि नशा पूरे देश के लिए चिंता का विषय बन गया है। स्वभाविक रूप से कानूनी स्तर पर नशे से जुड़े लोगों पर कार्रवाई करने की जरूरत रहती है वो एक बात है, लेकिन उससे ज्यादा अगर समाज नशे के खिलाफ खड़ा हो तो हम जल्द सफल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसे देखते हुए हम हिमाचल प्रदेश में एक टास्क फोर्स का गठन करेंगे जिसके माध्यम से लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक किया जाएगा।

वायुसेना जरूरत पड़ने पर सीमित समय में इच्छित कार्रवाई करने में सक्षम : एयर चीफ मर्शल चौधरी

एजेंसी

नयी दिल्ली। एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने रविवार को कहा कि भारत को अस्थिर पश्चिमी और उत्तरी सीमा पर मौजूद स्थिति को ''दो मोर्चों'' के तौर पर देखना चाहिए और उसी के अनुरूप तैयारी करनी चाहिए। उन्होंने यह बात चीन और पाकिस्तान के दोहरे सैन्य खतरे से उत्पन्न होने वाली संभावित चुनौतियों का संदर्भ देते हुए कही। वायुसेना प्रमुख ने दिए विशेष साक्षात्कार में कहा, ''भविष्य में भारत पर सभी मोर्चों से हमला हो सकता है, जिसमें सैन्य गतिरोध से लेकर दुष्प्रचार और ब्लैकआउट तक शामिल है। ऐसे में भारत के सुरक्षा सिद्धांत और क्षमताओं को इन आशंकाओं का मुकाबला करने में सक्षम होना चाहिए।'' जब उनसे विशेष तौर पर पूछा गया कि क्या यूक्रेन के खिलाफ रूस की आक्रमकता चीन को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर और अधिक आक्रमक रुख अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगी तो उन्होंने कहा कि वैश्विक घटनाओं और भूराजनीतिक घटनाक्रमों से भारत-चीन संबंधों पर पड़ने वाले असर का लगातार विस्तृत तौर पर और सभी स्तरों पर आकलन किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''एक राष्ट्र के तौर पर हमें अपने मौजूदा और भविष्य के खतरों की सटीक पहचान करने की जरूरत है, ताकि उनका मुकाबला करने के लिए जरूरी क्षमता का

विकास किया जा सके।'' पूर्वी लद्दाख में सीमा पर गतिरोध के बीच चीन द्वारा एलएसी के पास तेजी से हवाई संसाधन तैनात करने के सवाल पर उन्होंने कहा, ''वायुसेना जरूरत पड़ने पर बहुत सीमित समय में इच्छित कार्रवाई कर सकती है।'' तेज हो रही भूराजनीतिक उथल-पुथल का जिक्र करते हुए वायुसेना प्रमुख ने रेखांकित किया कि भविष्य के किसी भी संघर्ष के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा के सभी तत्वों को जोड़ने की जरूरत होगी, ताकि ''ऑल ऑफ नेशन एप्रोच'' अपनाया जा सके। उन्होंने कहा, ''हमारे सामने पश्चिमी और उत्तरी सीमा पर कुछ चुनौतियां मौजूद हैं। ऐसे में यह भारत के लिए अहम है कि वह दो अस्थिर सीमाओं को ''दो आकस्मिक मोर्चों'' के तौर पर देखे और उसी के अनुसार तैयारी करे।'' वायुसेना प्रमुख ने कहा कि भारत की सैन्य अभियान योजना, क्षमता विकास और प्रशिक्षण दोनों मोर्चों पर विस्तृत तौर पर उत्पन्न होने वाले खतरों से निपटने के लिए होना चाहिए। भारत के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) बिपिन रावत और पूर्व सेनाध्यक्ष एम एम नरवणे सहित कई शीर्ष सैन्य अधिकाररियों ने उत्तरी और पश्चिमी मोर्चे पर समन्वित खतरे को लेकर चिंता जताई थी। लेकिन यह पहली बार है, जब एक सेवारत सशस्त्र बल प्रमुख ने ऐसे खतरों से निपटने के लिए विस्तृत योजना बनाने का आह्वान किया है। एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा, ''हम अल्पाकलिक अभियानों से जुड़ी तैयारियों की अहमियत को समझते हैं, जिसके लिए त्वरित योजना बनाने, तेजी से अपने संसाधनों की तैनाती करने और वांछित प्रतिक्रिया देने की जरूरत पड़ेगी।'' उन्होंने कहा, ''वायुसेना लगातार संबंधित पहलुओं पर काम कर रही है, ताकि इन चुनौतियों से निपटने के लिए विश्वसनीय बल तैयार किया जा सके।'' देश को तेजी से बदलते भू-राजनीतिक हालात और चीन द्वारा एलएसी पर दीर्घकालिक सैन्यीकरण की रणनीति के मद्देनजर वृहद सुरक्षा ढांचा बनाने की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

हाइवे सिसैया मार्ग के ईसानगर क्षेत्र भरेठा गाँव के पास रोडवेज बस व ट्रक की जोरदार भिड़ंत

पीलीभीत बस्ती में दिलदेह लेन वाला हादसा हुआ है जहां हाइवे सिसैया मार्ग के ईसानगर क्षेत्र भरेठा गाँव के पास रोडवेज बस व ट्रक की आमने सामने जोरदार भिडंत हुई। जानकारी के मुताबिक इस हदीस में 5 लोगों की मौत हुई है और 24 से ज्यादा लोग हुए घायल है। घायलों को सीएचसी खमरिया भेजा गया जहां से अतिगंभीरो को जिला अस्पताल के लिए भी रेफर किया गया है।

इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल डेवलपमेंट द्वारा महिलाओं के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच

स्वस्थ्य होगी, तभी तो सशक्त होगी नारी, स्वास्थ्य शिविर में महिलाओ की निशुल्क कराई जांच। इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल डेवलपमेंट द्वारा ग्लेनमार्क फाऊंडेशन के सहयोग से महिलाओ के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया किशनपुरा के आंगनवाड़ी केन्द्र में जिसने शारीरिक जांच के अलावा मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा हुई। यहा काफ़ी संख्या में महिलाए स्वास्थ्य जांच के लिए पहुंची। डॉक्टर अंजली गोयल ने बताया सफलता की कहानी तभी लिखी जा सकती हैं जब शरीर स्वस्थ हो। परिवार नोकरी और समाज की हर जिमेदारी को कुशलता से निभाने वाली महिलाए सेहत के पायदान पर सदेव पिछड़ी होती हैं इसलिए जरूरी है की वे अब अपनी सेहत से कोई समझौता न करे । जांच शिविर में महिलाओ को अच्छी डाइट, खान पान की सावधानियां गर्भावस्था में कैसे रखे अपनी सेहत का खयाल। किशोरियो की सही डाइट पर भी जानकारी दी गई। शिविर में सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अंजली गोयल, दांत रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अभिजीत अवस्थी, काउंसलर रंजना, हैल्थ सुपरवाइजर पिंकी वर्मा व स्वास्थ्य कार्यकर्ता श्वेता शर्मा, रीना व परमजीत सिंह उपस्तित रहे।

पुष्कर घाटी मैं पैंथर का दिखा मूवमेंट

अजमेर पुष्कर सोशल मीडिया पर शुक्रवार को एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है जिस वीडियो में गोवंश के पास पैंथर जाता साफ जाता दिखाई दे रहा है। पैंथर का यह वीडियो कब का है इसका अभी तक पता नहीं चल सका है नाही वीडियो की पुष्टि हो पाई है। लेकिन वीडियो में पुष्कर घाटी स्थित सांझी छत के पास का दिखाया जा रहा है। हालांकि इस वीडियो की विभागीय स्तर पर पुष्टि नहीं की गई। शुक्रवार दोपहर बाद से ही पैंथर का यह वीडियो वायरल हो रहा है वीडियो रात के अंधेरे का है यह वीडियो मोबाइल कैमरे से किसी वाहन चालक ने बनाया है। वीडियो में पैंथर सड़क पार कर घाटी की खाई में उतरते हुए दिखाई दे रहा है इसके पास एक गोवंश गाय भी खड़ा दिख रहा है लेकिन पैंथर ने गोवंश पर ना तो हमला किया और ना ही इसकी और देखा। इस संबंध में वन विभाग के रेंजर अश्विनी पारीक से संपर्क करने का प्रयास किया गया मगर उन्होंने उस वक्त अपना मोबाइल फोन रिसीव नहीं किया। जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि पुष्कर घाटी में कई बार लोगों ने पैंथर के मूवमेंट व सड़क पार करते हुए देखने का दावा भी किया है।

पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बचन सिंह मीणा के नेतृत्व में वाहन संघन जांच अभियान जारी

जिला धौलपुर के बाड़ी तहसील में पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस एवं पुलिस उप अधीक्षक बचन सिंह मीणा मनीष शर्मा वृत अधिकारी (C.O.) बृजेंद्र सिंह मीना कोतवाल साहब बाड़ी एवं परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग राजस्थान सरकार आदेशानुसार संघन परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग राजस्थान सरकार के द्वारा राज्य में घटित सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु (सघन सड़क सुरक्षा जांच अभियान के तहत) अभियान के दौरान पुलिस कोतवाली बाड़ी के द्वारा माता मंदिर चौकी के पास पुलिस जाब्ते के साथ यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को चेक किया, जिस पर नियमों की पालना न करने वाले लगभग 3 दर्जन से अधिक वाहनों के एमबी एक्ट 207में 12 कार्यवाही चालान। 206 में 21 कार्रवाही। 1 शीट बैल्ट, 1 हैलमेट कार्यवाही की गई। तथा लगभग ₹3500 का जुर्माना वसूल किया गया । बढती हुई सड़क दुर्घटनाओं के रोकने के क्रम में एवं यातायात नियमों के अनुपालना के क्रम में बाड़ी पुलिस कोतवाली द्वारा अभियान जारी कैलाश एवं किलेदार मीना ट्रैफिक इनचार्ज द्वारा दी गई जानकारी।

होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय भोपाल द्वारा नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया गया

मध्य प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के पूर्व सामाजिक संस्था सहारा साक्षरता एज्यूकेशनल एण्ड सोशल वेलफेयर सोयायटी, शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय भोपाल द्वारा शुक्रवार को नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया गया। संस्था में कार्यकर्ता शिवराज कुशवाहा, शिव कुमारी यादव द्वारा बस्तियों में बच्चों को नशे के दुष्प्रभाव को बताकर नशा नहीं करने की अपील की। साथ ही पिछले एक वर्ष से नशा न करने वाले बच्चों को पैन देकर पुरुस्कृत भी किया। शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों द्वारा श्याम नगर में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर नशे की बुराइयों को बताया एवं बस्ती के नागरिकों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 45 बच्चों और 60 महिला-पुरुष को जांच के पश्चात नि:शुल्क दवाई वितरित की गई। डॉक्टर राघवेंद्र शर्मा ने बच्चों से संवाद किया जिसमें नशे से हम कैसे बचें एवं अपनों को कैसे बचाए विषय पर चर्चा हुई। सामाजिक कार्यकर्ता शिवराज कुशवाहा ने बच्चों के साथ बैठक में ही नशामुक्त समाज बनाने की रणनीति भी बनाई। कार्यक्रम में आर.के.सिंह, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय विभाग, डॉ. सुनीता तोमर होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय, डॉक्टर राघवेंद्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष, मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग एवं संस्थापक सी.सी.एफ शिवराज कुशवाहा संस्थापक, सहारा साक्षरता एज्यूकेशनल एण्ड सोशल वेलफेयर सोयायटी, डॉ. शाजिया खान सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, नगर निगम भोपाल, आदि कई लोग प्रमुख रूप से शामिल रहे।

पवार व संजय रावत की बड़ी मीटिंग, बोले बागी विधायक देंगे MVA का साथ

पंकज रोकडे / एनसीआर समाचार

महाराष्ट्र शिवसेना के मंत्री एकनाथ शिंदे की बगावत के बीच वाईबी चव्हाण सेंटर में बड़ी मुलाकात हुई है। इस बैठक के दौरान सरकार के अस्तित्व पर आये संकट पर चर्चा हुई। इधर, राज्य के CM उद्धव ठाकरे ने 12 बजे बैठक बुलाई है।

इससे पहले संजय राउत ने केन्द्रीय मंत्री पर शरद पवार को धमकाने का आरोप लगाया था। साथ ही उन्होंने उन्हें महाराष्ट्र में सियासी संकट के पीछे बीजेपी का हाथ करार दिया था। संजय राउत ने यह भी कहा कि संख्या बल कागज़ में ज़्यादा हो सकती है लेकिन अब यह लड़ाई क़ानूनी लड़ाई होगी। हमारे जिन 12 लोगों ने बगावत शुरू की है उनके ख़िलाफ़ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की है जिसके लिए हमारे लोगों ने सभापति से मुलाकात की है। वहीं पार्टी के सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा में पार्टी का संख्याबल कम हुआ है, हालांकि उन्होंने उम्मीद जताई की बागी विधायक सदन में शक्ति परीक्षण के दौरान राज्य की महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार को समर्थन देंगे। राउत ने कहा कि संख्या किसी भी वक्त बदल सकती है।" उन्होंने कहा कि मुंबई लौटने के बाद ही बागी विधायकों की पार्टी के प्रति वफादारी की असली परीक्षा होगी। शिवसेना नेता ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार को "धमकाने" के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता नारायण राणे पर भी निशाना साधा हालांकि इस दौरान उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। शिवसेना से बगावत करने वाले शिंदे पार्टी के 37 विधायकों तथा नौ निर्दलीय विधायकों के साथ फिलहाल गुवाहाटी के एक होटल में हैं। राउत ने पत्रकारों से बातचीत में स्वीकार किया कि बगावत के कारण विधानसभा में पार्टी का संख्याबल कम हुआ है। उन्होंने कहा बागी गुट ने पर्याप्त संख्याबल होने का दावा किया है और लोकतंत्र संख्याबल पर चलता है। लेकिन नंबर किसी भी वक्त बदल सकते हैं। जब बागी विधायक लौटेंगे, तो बाला साहेब ठाकरे और शिवसेना के प्रति उनकी वफादारी की परीक्षा होगी।" राउत ने कहा कि यह कानूनी लड़ाई है, कुछ नियम हैं और उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देश हैं। उन्होंने कहा एमवीए एकजुट है हमें उम्मीद है कि सदन में शक्ति परीक्षण के दौरान बागी एमवीए को समर्थन देंगे।" इससे पहले उन्होंने बातचीत में कहा था कि पार्टी बागी विधायकों के मुंबई लौटने का इंतजार कर रही है।

कन्नौज में आग का गोला बनी बस, बाल-बाल बचे 70 लोग

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश के कनौज में फ़ैजाबाद से दिल्ली जा रही स्लीपर बस लखनऊ एक्सप्रेसवे से गुजरते समय आग का गोला बन गयी और आग लगते ही बस में सवार 70 यात्रियों ने चीखना शुरू कर दिया। इसके बाद बस को रोका गया और यात्रियों को बस से भर निकला गया। हालांकि कुछ यात्री खिड़की तोड़कर कूदे तो कुछ इमरजेंसी गेट से निकले। जानकारी के मुताबिक बस में आग लगने से डाउन रूट लखनऊ एक्सप्रेसवे आधे घंटे तक बंध रहा। बस में फ़ैजाबाद और गोंडा के यात्री सवार थे और वह सब दिल्ली जा रहे थे। यह हादसा रात में करीब दो बजे हुआ और बताया जा रहा है की फ़ैजाबाद से दिल्ली जा रही यह डबल डैकर बस जैसे ही कनौज के पास सौरीच से करीब 10 किलोमीटर आगे बढ़ी तो बस के एसी पाइप में चिंगारी आने लगी और इसके बाद आग की लपटे उठने लगी। इस वक़्त सभी यात्री सो रहे थे लकिन जब आग की लपटों से धुआँ उठने लगा तब सभी यात्रिओ की नींद खुल गई। ओर सभी यात्रियों को बस से बाहर ने निकाला गया। बताया जा रहा है कि यात्री खिड़कियों से कूदकर बाहर निकले थे देखते ही देखते बस के केबिन में आग लग गई और चंद मिंटो में पूरी बस ही आग का गोला बन गई। इसी दौरान आधा घंटा जाम लगा रहा। बस में आग लगने की खबर सुनते ही यूपीडा की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुँची और राहत का काम शुरू किया।

गोवा में धूम धाम से मनाया गया 'साओ जोआओ' उत्सव

एनसीआर समाचार

गोवा के बर्देज़ तालुका के सियोलिम गांव में नाव परेड में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया, जोकि साओ जोआओ उत्सव में आनंद की शुरुआत को चिह्नित करता है। सिओलिम गांव में सेंट एंथोनी चर्च के सामने नाव परेड निकाली गई। 'साओ जोआओ' उत्सव सेंट जॉन द बैपटिस्ट का पर्व है। परंपरागत रूप से, लोग इसमें कूदते हैं। यह त्योहार संत जॉन डी बैप्टिस्टा के नाम पर दिन मनाने के लिए सुबह के समय जल निकायों में डूबते हुए देखता है, जिनके बारे में माना जाता था कि उन्होंने यीशु मसीह को बपतिस्मा दिया था। यह त्योहार हर साल जून में राज्य में मानसून के मौसम की शुरुआत के रूप में मनाया जाता है। लोगों को अक्सर कृत्रिम बारिश में आनंद और नृत्य करते हुए देखा जाता है जो उत्सव में रंग भर देता है। उत्सव को एक सीढ़ी और ऊपर ले जाने के लिए, इस उत्स्व का आनंद उठाने वाले लोग इस अवसर को मनाने के लिए ताजे फल और जंगली फूलों के मुकुट पहनते हैं, जिन्हें पारंपरिक रूप से 'कोपेल' कहा जाता है। साओ जोआओ, गोवा के किसी भी अन्य त्योहार की तरह, मस्ती, रंग और परंपरा की वह मनोरम भावना है। कई गांवों के रंग-बिरंगे परिधानों में सजे लोग मिलते हैं और इस दिन को कार्निवाल की तरह मनाते हैं।

हरियाणा ने भाईचारा दिखाते हुए दिया समाज को संदेश

एनसीआर समाचार

हरियाणा के लोगों ने भाईचारे व समाज को संदेश का परिचय दिया ट्रांसपोर्टर वा ब्रोकर भाइयों ने जैसा कि तीन चार दिन से ट्रांसपोर्टर और ब्रोकर भाइयों में कुछ बिजनेस के मामले में आपसी मतभेद चल रहा था जो कि गाड़ी लोड व अनलोड का मामला था। जैसा कि 'एनसीआर समाचार' के माध्यम से पहले भी इस बारे में अवगत कराया था जो कि आज 25 जून को बड़े ही अच्छा तरीके से आपस में आमने सामने बैठकर सभी इंडियन ऑयल कार्पोरेशन टेंडर पार्टी भी मोजूद रही कुछ शर्ते थी। टेंडर पार्टी वा ब्रोकर के बीच में जिन पर तनाव बना हुआ था जो कि आज दिनांक 25 जून को उपरोक्त दोनों पार्टियों ने बैठकर बड़े ही प्यार से आमने सामने बैठकर एक दूसरे की मांग मान ली है और पूर्णत रूप से बिलकुल दोनों पार्टियां अपने काम पर फिर से आ गई है। गौरतलब की बात एक और भी है जो कि देखने में आई है मनमुटाव वा हड़ताले तो हमारे भारत में अक्सर देखने में आई है लेकिन पानीपत ब्रोकर सोसाइटी ने बाहर से आने वाली गाड़ियों के स्टाप को समझाने का कुछ अलग ही तरीका अपनाया हुआ था। जिसमें कि होटल वा पार्किंग की सुविधा और खाना खाने की सभी सुविधाएं नि शुल्क दी जा रही थी और सबसे बड़ी बात यह है कि जैसा हमारी टीम ने देखा कि दोनों पार्टियां आपस में आमने सामने बैठकर भी ऐसे बाते कर रहे थे कि जैसे कोई मन मुटाव है ही नहीं कई बार देखा गया है कि हड़तालें होती हैं तो आगजनी वा लूटपाट की घटनाएं होती हैं और बिना पैसे नहाने खाने की तो बात छोड़िए जान तक बचाने के लाले पड़ जाते है लेकिन पानीपत ब्रोकर सोसाइटी वालो का तरीका ही कुछ अलग था जो कि ये सब सुविधाए देखी गई। पानीपत ब्रोकर सोसाइटी प्रधान शेर सिंह शर्मा राहुल तोमर जी मोहित जी बाला जी ट्रांसपोर्ट सरवन कुमार यादव जी वा सभी ब्रोकर पानीपत की अगवाई में की गई व इस मौके पर ट्रांसपोर्ट टेंडर पार्टी वाजपेई जी व मोहित जी वेस्टर्न रोड़ कैरियर मुकेश जी रिटको लॉजिस्टिक श्रीवास्तव जी नरेश जी कोलकता एक्सप्रेस और भावी मैनेजर चेतन व अन्य सभी ट्रांसपोर्टरों के पदाधिकारी मौजूद रहे एक ग्रुप ने दूसरे ग्रुप को मिठाईयां बाटी व सभी ने किसी प्रकार का कोई भी मन-मुटाव ना रखने का संकल्प लिया और लिखित रूप में एक दूसरे की मांग को स्वीकार किया और हस्ते-हस्ते तुरंत प्रभाव से हड़ताल खत्म किया और एक दूसरे का फूल माला से स्वागत किया।

शिक्षा के मंदिर में शिक्षिका का हुआ अपमान, चप्पलों से पीटता हुआ नज़र आया प्रिंसिपल

एनसीआर समाचार

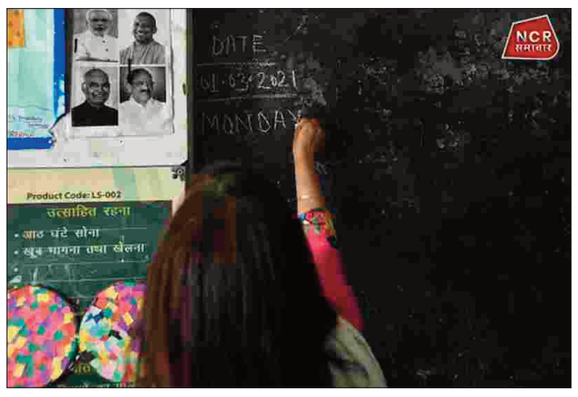

शिक्षा के मंदिर कहे जाने वाले स्कूल में ऐसी शर्मसार हरकत हुई है जिस से हर कोई हैरान है। बच्चो के सामने ही प्रिंसिपल ने एक शिक्षामित्र की चप्पलो से पिटाई कर दी। सरेआम हुई बेइज्ज़ती से आक्रोशित शिक्षामित्र ने भी प्रिंसिपल को चप्पलो से पीटना शुरू कर दिया। घटना का वीडियो किसी ने बना लिया और सोशल मीडिया पर दाल दिया जो की बहुत तेजी से वायरल हो रहा है। घटना लखीमपुर के सदर ब्लॉक में स्तिथ मेहंगूखेड़ा प्राथमिक स्कूल में हुई। प्रिंसिपल की इस कारस्तानी से शिक्षामित्र भी आक्रोशित है। तीन बजे से बीसीए दफ्तर को घेरने की कोशिश की है। बताया जा रहा यही कि लखीमपुर के सदर ब्लॉक में स्तिथ मेहंगूखेड़ा प्राथमिक स्कूल में प्रिंसिपल ने एक दिन पहले शिक्षामित्र को गैरहाजिर कर दिया था। अगले दिन जब शिक्षामित्र ने खुद को ग़ैरहाकजीर देखा तो इसकी शिकायत करने प्रिंसिपल के पास पहुँच गई। शिक्षामित्र की शिकायत सुनते ही प्रिंसिपल का गुस्सा फूटा और बच्चो के सामने ही अपनी चप्पल उतर कर शिक्षामित्र को पीटना शुरू कर दिया। प्रिंसिपल के इस अचानक रविये से स्कूल में अफरातफरी मच गयी।

लोगो ने बिच बचाव करने की कोशिश भी की। शिक्षामित्र ने गुस्से में आकर प्रिंसिपल को भी चप्पलो से पीटना शुरू कर दिया हालांकि उन्हें बाद में रोक दिया गया। पूरी घटना का वीडियो पास में खड़े एक व्यक्ति ने बना लिया और सोशल मीडिया पर दाल दिया। विडिओ तेजी से वायरल हो रहा है। इस हरकत की शिकायत अभी तक पुलिस के पास नही पहुँची है।

इस जुमे को भी जिले भर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई

विशाल श्रीवास्तव / एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश में बीते दिनों कई जिलों में शुक्रवार की नमाज के बाद हुए प्रदर्शन व उपद्रव को देखते हुए इस जुमे को भी जिले भर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। जिला प्रशासन के निर्देश पर जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट विभिन्न क्षेत्रों में तैनात रहे तो अफसर लगातार मूवमेंट करते रहे। नगर की टाटशाह जामा मस्जिद में जुमे की नमाज अदा करने के दौरान पुलिस बाहर तैनात रही। सिटी मजिस्ट्रेट और एसपी सिटी व सीओ सिटी ने विभिन्न क्षेत्रों में पैदल गश्त करते हुए सुरक्षा का जायजा लिया। डीएम नीतिश कुमार ने बताया कि सभी जगह जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात है। जिले भर में शांतिपूर्ण ढंग से जुमे की नमाज अदा की गई है। धर्मगुरुओं से लगातार संवाद बना हुआ है। एसएसपी शैलेश पांडे ने बताया कि जिले में बराबर सौहार्द बना हुआ है। उन्होंने बताया कि कानून व्यवस्था और यातायात व्यवस्था पर लगातार निगाह रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या की गंगा जमुनी तहजीब सबके लिए मिसाल है और जुमे की नमाज के दौरान जिले भर में कहीं से प्रदर्शन आदि की सूचना नहीं है।

चेन्नई में दफ्तर से घर लौट रही एक महिला की कार पर पेड़ गिरने से हुई मौत

एनसीआर समाचार

चेन्नई में एक महिला की शुक्रवार शाम उसकी कार पर पेड़ गिरने से मौत हो गई। ये घटना चेन्नई शहर के केके नगर की है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, घटना के वक्त 57 वर्षीय महिला अपने कार्यालय से घर को लौट रही थी। कर पर पेड़ के गिरते ही मौके पर ही महिला की मृत्यु हो गई व उसके साथ के अन्य दो लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। चेन्नई पुलिस ने इस दुर्घटना का मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। चेन्नई में पिछले कुछ दिनों से भारी वर्षा हो रही है और कुछ इलाकों में रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई है। इस बीच, मौसम विभाग ने अलर्ट जारीकिया था कि, चेन्नई में अगले कुछ दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश होती रहेगी। चेन्नई के साथ-साथ तमिलनाडु के अन्य हिस्सों में वर्षा का अलर्ट जारी किया गया है, क्योंकि दक्षिण-पश्चिम मानसून राज्य में बस गया है।

बडगाम पुलिस ने 53RR और 181Bn CRPF के साथ चार आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार किया

एजेंसी

जम्मू कश्मीर के श्रीनगर पुलिस ने सेना और सीआरपीएफ के साथ संयुक्त अभियान में शुक्रवार को बडगाम जिले में प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के नार्को-टेरर फंडिंग मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है और चार आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से आपत्तिजनक सामग्री, विस्फोटक, गोला-बारूद और वाहन बरामद किए गए हैं। आतंकियों की मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान यूनिस मंजूर, महबूब अहमद, इरशाद अहमद और मुजफ्फर अहमद के रूप में की गई है। बडगाम में पुलिस ने 53RR और 181Bn CRPF के साथ यूनिस मंजूर, महबूब अहमद, इरशाद अहमद गनी और मुजफ्फर अहमद के रूप में पहचाने गए चार आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आतंकवादी सहयोगी संगठन के सक्रिय आतंकवादियों और उनके गुर्गों को नशीले पदार्थों की आय वितरित करके प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को रसद सहायता प्रदान करने में शामिल थे। आगे की जांच में यह भी पता चला कि मॉड्यूल नशीले पदार्थों के संग्रह के लिए आतंकी गुर्गों के निर्देश पर काम कर रहा है और बाद में नशीले पदार्थों की आय को आतंकवादियों के बीच वितरित कर रहा है। इसके अलावा पांच वाहनों को भी जब्त किया गया है, जो पैसे या आय को सुरक्षित रखने के इरादे से नशीले पदार्थों की बिक्री की आय से खरीदे गए थे और सक्रिय आतंकवादियों या आतंकवादी गुर्गों (हैंडलर) के निर्देश पर बेचे जाने के लिए निर्धारित किए गए थे। शुरुआती पूछताछ में इन चारों ने बताया कि उन्होंने लश्कर के लिए रकम जुटाने के लिए अपना एक नार्को टेरेरिज्म माड्यूल बना रखा था। वह आतंकियों के लिए सुरक्षित ठिकानों, उनके हथियारों को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के अलावा सरहद पार से तस्करी कर लाए गए नशीले पदार्थों को कश्मीर और इसके बाहर पहुंचाते और बेचते थे। इससे उगाही का एक हिस्सा वह अपने लिए रखते थे और शेष रकम अपने हैंडलरों के निर्देश पर श्रीनगर और बड़गाम में सक्रिय लश्कर के आतंकियों तक पहुंचाते थे।

संक्षिप्त समाचार

अजमेर में एक लूट के मामलो में पुलिस ने किया1आरोपी को गिरफ्तार

अजमेर में इस बार जीआरपी थाने की पुलिस को मिली एक सफलता। इस बार लूट के मामलो में 1 आरोपी को पकड़ा जा चुका है और उसको गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन उनमें से दो आरोपी अभी भी फरार हो रखें है। एक महिला ने सोने के गहने चोरी का ये मामला पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाया था और इसका मुकदमा अभी तक चल रहा है। एक मदर स्टेशन के नजदीक ट्रैन के डिब्बे में एक लड़के ने इस इस वारदात को अंजाम दिया था। उस लुटरे ने उस औरत के गले से मंगलसूत्र को चलती ट्रैन छीन कर फरार हो गया था। उसकी उम्र कम से कम 24 या 25 साल तक की होगी अभी पुलिस इस मामले में तहक़ीक़ात कर रही है और बाक़ी आरोपियों को ढूढ़ने में जुटी है।

बैलों की तस्करी करते हुए पकडे गए तीन आरोपी, करीब 20-25 बैल पाए गए मृत

कुरावर में अग्रवाल लाज के सामने नगर के हिंदू संगठन द्वारा एक कंटेनर पकड़ा गया। जिसमें लगभग 65 से ऊपर बेल एवं गाय है और उन में से लगभग 20 से 25 मृत बताए जा रहे है। जिसमे से तीन आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। एक मौके से फरार हो गया। मौके पर पुलिस प्रशासन पहुंची और कंटेनर खाली करवाया गया।

दसवीं बोर्ड का रिजल्ट 50% से नीचे आया तो ग्रामीणों व अभिभावकों का फूटा गुस्सा

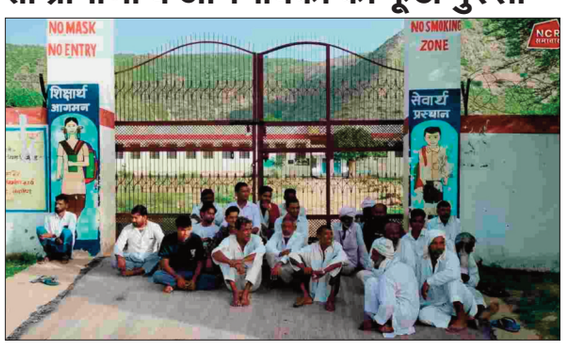

सुभाष शर्मा / एनसीआर समाचार

राजस्थान केबिनेट मंत्री टीकाराम जूली के विधानसभा क्षेत्र अलवर ग्रामीण के सिरमोली ग्राम पंचायत के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में दसवीं कक्षा के 46% रिजल्ट आने पर ग्रामीणों और अभिभावकों ने शुक्रवार सुबह विद्यालय के बाहरी गेट पर ताला लगाकर स्कूल स्टाफ के खिलाफ धरना प्रदर्शन और नारेबाजी की ग्रामीणों की मांग है कि विद्यालय का स्टाफ पढ़ाई के स्तर को बेहतर नहीं कर सका जिसकी वजह से विद्यालय में रिजल्ट 50% से भी नीचे रहा है ऐसे में विद्यालय स्टाफ की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगता है कि आखिर किस तरह की पढ़ाई विद्यालय में कराई जा रही है जो दसवीं कक्षा का रिजल्ट अति सामान्य रहा है। ग्रामीण अनवर खान का कहना है कि कुल 29 विद्यार्थियों में से 12 पास हुए है। 11 विद्यार्थी हिंदी में फेल हुए, नवी कक्षा में 57 में से 17 बच्चों को एग्जाम नहीं देने दिया गया, 2 विद्यार्थियों को परीक्षा प्रभारी नरेंद्र शर्मा ने परमिशन लेटर नहीं दिया, ग्राम वासियों व अभिभावकों ने स्कूल प्रधानाचार्य बाबूलाल मीणा सहित समस्त स्टाफ को हटाए जाने और इनके खिलाफ विभागीय जांच की मांग की है।

सियासी संकट के बीच असम पुलिस ने शिवसेना के नेता संजय भोसले को किया गिरफ्तार

महाराष्ट्र के अंदर इस बार राजनीति संकट लगातार बढ़ते जा रहे है। इस बार शिवसेना के एक नेता जिनका नाम एकनाथ शिंदे है जो महाराष्ट्र कि सरकार को बार-बार चुनौती देते जा रहे हैं उसके बाद अब दूसरी तरफ सीएम उद्धव ठाकरे मजबूर दिखाई दे रहे हैं। अब बार अब शिंदे ने मैजिक नंबर पूरा करने का भी दावा करा जा रहा है। और उन्होंने बताया कि अब उनके साथ शिवसेना के 37 छात्र उपस्थित थे। अब वह पर कभी दल-बदल कानून नहीं चल सकते है। इस बार शरद पवार ने बागी विधायकों को ख़तरे की सूचना देते हुए बताया है कि आप लोगों के लिए यह आनेवाला भविष्य अभी ठीक नहीं है। उसके बाद अब असम पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। आप कि महाराष्ट्र के राज-नीति संकट से हमारे साथ बने रहिए।

राजस्थान में बस स्टैंड पर एक गौमाता ने बछड़े को दिया जन्म

राजस्थान में राष्ट्रीय गौरक्षा समिति कामधेनु सेना संगठन के नरसाणा ग्राम मिडिया प्रभारी नारायण लाल को सुचना मिली की बिशनगढ़ ग्राम के बस स्टैंड के पास देबावास रोड़ पर एक गौमाता ने बछड़े को जन्म दिया है और गौमाता खड़ी नहीं हो पा रही है और बिमार हालात में है तो नारायण लाल ने तुरंत राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष जोगाराम मैन्सन से संपर्क कर एम्बुलेंस बुलाकर 1100 रु का गौदान कर गौमाता को इलाज हेतु आर्दश गौशाला जालोर भिजवाया इस दौरान दिनेश कुमार सोलंकी, चुनीलाल, प्रविण कुमार, सेनाराम, सहित अन्य गौभक्त एवं ग्रामीण मोजूद रहे।

बागी विधायकों के शिविरों में शामिल हुए एक और शिवसेना विधायक

एजेंसी

एक और शिवसेना विधायक दिलीप लांडे शुक्रवार को असम के गुवाहाटी होटल में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में बागी विधायकों के शिविरों में शामिल हो गए। शिंदे ने दावा किया है कि उन्हें शिवसेना के 38 विधायकों का समर्थन प्राप्त है। इस बीच, शिवसेना सांसद संजय राउत ने विश्वास व्यक्त किया कि एमवीए सरकार राज्य विधानसभा में फ्लोर टेस्ट जीतेगी। उन्होंने कहा कि बागी विधायकों ने बहुत गलत कदम उठाया है और कहा है कि एमवीए सरकार अपने पांच साल के कार्यकाल के बाकी बचे हुए वर्षों को पूरा करेगी। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार लगातार संपर्क में हैं। राउत ने पहले बागी विधायकों से मुंबई लौटने और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ अपने मुद्दों पर चर्चा करने का आग्रह किया था। उन्होंने यह भी दावा किया था कि शिवसेना ₹सभी विधायकों की

इच्छा होने पर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) से बाहर निकलने पर विचार करने के लिए तैयार हैर, लेकिन इस शर्त के साथ कि बागी विधायकों को सीधे सीएम को संदेश देना होगा। उद्धव ठाकरे और उनके साथ मुद्दों पर चर्चा करें। शिवसेना विधायक संजय शिरसत ने दावा किया कि कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) दोनों ही महाराष्ट्र से शिवसेना को राजनीतिक रूप से खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं और विधायकों ने गठबंधन सहयोगियों के दुर्भावनापूर्ण इरादों के बारे में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को सूचित करने के अनगिनत प्रयास किए। एकनाथ शिंदे शिवसेना पर अपनी पकड़ मजबूत करते दिख रहे हैं, क्योंकि उनके समर्थन करने वाले विधायकों की संख्या 50 को पार करने की उम्मीद है क्योंकि शुक्रवार को और विधायकों के गुवाहाटी पहुंचने की संभावना है। महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार में राजनीतिक संकट पार्टी के विधायकों द्वारा एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में विद्रोह में शामिल होने के बाद शुरू हुआ, जो गुवाहाटी के एक होटल में ठहरे हुए हैं। बागी विधायक जो गुवाहाटी के एक होटल में हैं और शिंदे को आगे की कार्रवाई पर निर्णय लेने के लिए अधिकृत करते हैं। विशेष रूप से, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना धड़े ने राज्य विधानसभा के उपाध्यक्ष के समक्ष एक याचिका दायर कर एकनाथ शिंदे सहित 12 बागी विधायकों की सदस्यता रद्द करने की मांग की है, जो बुधवार को हुई विधायक दल की बैठक में "भाग नहीं लेने" के लिए हैं। शिंदे के अलावा शिवसेना ने प्रकाश सुर्वे, तानाजी सावंत, महेश शिंदे, अब्दुल सत्तार, संदीप भुमारे, भरत गोगावाले, संजय शिरसत, यामिनी यादव, अनिल बाबर, बालाजी देवदास और लता चौधरी को अयोग्य ठहराने की मांग की है। इस बीच, शिवसेना समर्थकों ने बागी विधायक एकनाथ शिंदे की तस्वीर वाले पोस्टर पर काली स्याही और अंडे फेंके और नासिक में उनके खिलाफ नारे भी लगाए।

शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल का ओडिशा तट से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया

एजेंसी

नई दिल्ली: वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल का रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) और भारतीय नौसेना द्वारा ओडिशा के तट पर एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR), चांदीपुर में एक भारतीय नौसेना के जहाज से सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया गया। 24 जून, 2022 को वीएल एसआरएसएएम, एक जहाज से चलने वाली हथियार प्रणाली है, जो समुद्र-स्किमिंग लक्ष्यों सहित निकट सीमा पर विभिन्न हवाई खतरों को बेअसर करने के लिए है। प्रणाली का प्रक्षेपण एक उच्च गति वाले हवाई लक्ष्य की नकल करने वाले विमान के खिलाफ किया गया था, जो सफलतापूर्वक लगा हुआ था। आईटीआर चांदीपुर द्वारा तैनात कई ट्रैकिंग उपकरणों का उपयोग करके स्वास्थ्य मापदंडों के साथ वाहन के उड़ान पथ की निगरानी की गई। परीक्षण प्रक्षेपण की निगरानी DRDO और भारतीय नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ, भारतीय नौसेना और उद्योग को सफल उड़ान परीक्षण

के लिए बधाई दी है और कहा है कि इस प्रणाली ने एक कवच जोड़ा है जो हवाई खतरों के खिलाफ भारतीय नौसेना के जहाजों की रक्षा क्षमता को और बढ़ाएगा। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने वीएल एसआरएसएएम के सफल उड़ान परीक्षण के लिए भारतीय नौसेना और डीआरडीओ की सराहना की और कहा कि इस स्वदेशी मिसाइल प्रणाली के विकास से भारतीय नौसेना की रक्षात्मक क्षमताओं को और मजबूती मिलेगी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ जी सतीश रेड्डी ने सफल उड़ान परीक्षण में शामिल टीमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि परीक्षण ने भारतीय नौसेना के जहाजों पर स्वदेशी हथियार प्रणाली के एकीकरण को साबित कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश की विवादित संपत्तियों पर बुलडोजर कार्रवाई को 29 जून तक किया स्थगित

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के जमीयत उलेमा ए हिंद ने इस बार राज्य सरकार के हलफनामे का उत्तर देने के लिए सुप्रीम कोर्ट से मोहलत मांगी है। इस बार राज्य सरकार की तरफ से

इस मुद्दे पर यह तर्क किया गया था कि यह बुलडोजर कार्रवाई का फैसला दंगों से जुड़ा नहीं है। उत्तर प्रदेश के अंदर विवादित संपत्तियों के ऊपर बुलडोजर चलाने पर सुप्रीम कोर्ट ने दाखिल याचिका पर कार्रवाई करने के लिए 29 जून तक टाल दिया है। मगर अभी यूपी में उलमा-ए-हिंद ने बुलडोजर कार्रवाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट को चुनौती दी है। उन्होंने फिर याचिका से यह मांग की, कि उत्तर प्रदेश के अधिकारियों को यह सूचना दी जाएं कि अब राज्य में किसी भी संपत्तियों को तोड़ने से पहले उचित प्रक्रिया को पूरा करा करना अनिवार्य होगा। जमीयत उलेमा ए हिंद ने राज्य सरकार के हलफनामे को जवाब देने के लिए कोर्ट से मौहलत मांगी है।

अपराध पर नियंत्रण एवं असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए चलाये जा रहे विशेष अभियान

एनसीआर समाचार

राजस्थान: जीआरपी थाना अजमेर ने लूट का भंडाफोड़ दिया। संजय अग्रवाल पुलिस महानिरीक्षक आलोक वशिष्ठ एवं पुलिस उप महानिरीक्षक रेल राज। राजेश सिंह जी द्वारा ट्रेनों में रेल यात्रियों की सुरक्षा एवं अपराध पर नियंत्रण एवं असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत। पुलिस अधीक्षक जीआरपी अजमेर मती राशी डोगरा डूडी। अपर पुलिस अधीक्षक जीआरपी अजमेर श्रीमती योगिता मीणा के आदेशानुसार एवं अंचल अधिकारी जीआरपी अंचल अजमेर नरेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देशानुसार माणा थाना प्रभारी मनोज कुमार यू एन लकी उर्फ मोना। जिसने ट्रेन से एप्पल का आईफोन चुरा लिया। केस एक नजर में 1 लूट की घटना में एक आरोपी गिरफ्तार हुआ है। शिकायतकर्ता मती। कविता जाट निवासी बड़ा मैं तेह महू जिला इंदौर 25.4.2022 ट्रेन 19338 दिल्ली सराय रोहिल्ला - डी-1 कोच जयपुर से इंदौर के लिए इंदौर मैं यात्रा के दौरान रेलवे स्टेशन मदार के आसपास यात्रा कर रहा था। एक 25 वर्षीय लड़का मेरे सोना का मंगलसूत्र छीन कर ले गया था उसके बाद उसने मुझे धक्का देकर चला गया और ट्रेन से कूद गया। उसके साथ दो लड़के भी थे। वो भी चलती ट्रेन से कूद गए थे।13.5.2022 को आदि रिपोर्ट पर मामला दर्ज करके शोध शुरू किया गया था। शिकायतकर्ता द्वारा दिए गए विवरण के अनुसार ट्रेन में यात्रा करने वाले अन्य समूहों ने वीडियो बनाते समय और रेलवे स्टेशन जयपुर के सीसीटीवी कैमरों में संदिग्ध पाए जाने पर खोजबीन शुरू कर दी गई है। संदिग्धों के फोटो आने पर जब सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी जुटाई गई तो शिकायतकर्ता के युवक को वर्ष 2017 में जीआरपी थाना व गुजरात में लूट के मामले में गिरफ्तार पाया गया। जिसके बाद टीम ने शातिर बदमाशों की तलाश में हरियाणा भेजा गया था। जानकारी के अनुसार विश्वसनीय जानकारी के अनुसार आज दिनांक 23.6.2022 को मुखबिर खास ने थाना प्रभारी को सूचित किया कि एक युवक जिसका बायां हाथ नहीं है। एक युवक अजमेर शहर में देखा गया है। मुखबिर खास को थाना प्रभारी ने त्वरित टीम भेजी उन्हें बनाकर सूचना देने के बाद हमरा लेकर अजमेर शहर के लिए रवाना होकर दरगाह, घनमंडी, न्यू मार्केट और दौलत बाग के आसपास तलाशी ली गई है। फिर शिकायतकर्ता द्वारा दिए गए सीसीटीवी फुटेज और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर एक युवक को बजरंगद चौक के पास उसका बायां हाथ नहीं मिला। थाने में जाकर उसने अपना नाम मनीष कुमार उर्फ विक्की पुत्र उमेश सिंह जाति राजपूत आयु 24 वर्ष निवासी तारापुर थाना तारापुर जिला मुंगेर (बिहार) किरायेदार से हाल पाठक एफसीए-17, 100 फीट रोड श्याम के घर में पूछताछ करी। आरोपी से कड़ी पूछताछ चल रही है और अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। दुर्घटना की तस्वीरों को शांत करना जिसने जड़ को अनुमति दी है।

इंसानियत की सारी हदें पार, गौ माता के साथ दुष्कर्म करता हुआ पकड़ा गया अपराधी

एनसीआर समाचार

फरीदाबाद से एक बहुत ही दर्दनाक और दिल देहलाने वाली घटना सामने आयी है जहां फरीबाद के सेक्टर 2 में अग्गरवाल स्कूल के पास एक व्यक्ति गौ माता के साथ दुष्कर्म करता हुआ नजर आया है जब वह ये शर्मनाक और अश्लील हरकत कर रहा था तभी एक दूसरे व्यक्ति ने उसे ऐसा घिनोंना काम करते हुए देख लिया और उसने तुरंत पुलिस को इस घिनौने अपराध की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। अपराधी का नाम रमेश बहादुर नेपाली बताया जा रहा है। लेकिन पुलिस ने कुछ ही घंटो के बाद उस आरोपी को छोड़ दिया। जिसको लेकर फरीदाबाद के हिन्दू संगठन के लोग पुलिस थाने के आगे धरना प्रदर्शन पर बैठ गए। और लगातार वह उनसे आरोपी के खिलाफ कड़ी से कड़ी करवाई की मांग कर रहे है। आप खुद सोचिये गौ माता जिनको हिन्दू धर्म में इतना पूजा जाता है कई ऐसे त्योहार मनाये जाता है जहां गौ माता के पैर छूते है। जिस व्यक्ति ने इस घिनौनी घटना को अंजाम दिय है वो खुद हिन्दू धर्म का है। उस व्यक्ति का दिल नहीं कापा क्या उससे ऐसे करते हुए श्रम नहीं आई की जिनको हमारे धर्म में पूजा जाता है हमारे हिन्दू धर्म में इतनी एहमियत दी जाती है। वो ऐसी अश्लील हरकत कर भी कैसे सकता है। अब हिन्दू संगठन लगातार पुलिस प्रसाशन से मांग कर रही है की ऐसे लोगो को समाज में रहने का कोई हक़ नहीं है। यही ऐसे व्यक्ति को फांसी पर चड़ा देना चाहिए। आप खुद सोचिये कि किसी व्यक्ति की इंसानियत इतनी निचे कसे गिर सकती है की वो जानवरो वो भी गौ माता को प्रताड़ति करे। ऐसे व्यक्तियों में कहा से इतनी हवस आती है कि वो इंसान और जानवर में फर्क नहीं देखता। हम अपनी बहन-बेटियों को हमेशा बोलकर चलते है कि हमेशा अपने बदन को ढक कर चले किसी अनजान व्यक्ति से ज्यादा बात न करे। हमारे समाज में जब जानवर सुरक्षित नहीं है तो क्या हमारी बहन-बेतिया कैसे सुरक्षित रहेंगी।

मेडिटेशन राजयोग करने से मानसिक एवं शारीरिक रूप से होता है बदलाव

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश पोरसा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय पोरसा के मुख्य सेवा केंद्र गांधीनगर में आज यज्ञ माता मातेश्वरी जगदंबा की स्मृति दिवस पर सभी पोरसा निवासियों ने ब्रम्हाकुमारी से जुड़े हुए सदस्यों ने यज्ञ माता मातेश्वरी जगदंबा की स्मृतियों को अपने जीवन में धारण करने की प्रतिज्ञा की और कहा कि जिस प्रकार उनको सभी प्यार से मम्मा कहकर बुलाते थे मम्मा मतलब उनके नाम का अर्थ यह है कि उनके अंदर चाहे छोटा हो या बड़ा कैसा भी आ जाए सबके लिए एक मां की ममता झलकती थी। मम्मा ने अपने जीवन में बहुत त्याग और तपस्या की है परमपिता परमात्मा में अटूट विश्वास रखने वाली थी यज्ञ से बहुत नहीं था बहुत लगन थी परमात्मा के प्यार को पाने की खुशी लग्न में मगन रहा करती थी मातेश्वरी जगदंबा नाम यज्ञ से मिला बीके रेखा बहन ने मम्मा की स्मृतियों को सभी को अपने जीवन में धारण करने के लिए शपथ भी दिलाई तथा सभी ब्रह्माकुमारी बहनों और भाइयों के द्वारा 18 घंटे का लगातार राजयोग मेडिटेशन किया गया, जिसमें मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

एलओसी पर कंटीले तारों की फेंसिंग के साथ सीसीटीवी कैमरे और थर्मल सेंसर लगाए गए

एजेंसी

जम्मू कश्मीर में मच्छिल क्षेत्र कश्मीर के सबसे अधिक हिमस्खलन संभावित क्षेत्रों में से एक है। प्राकृतिक आपदाओं से चौकियों को बचाने और अन्य चौकियों से लगातार संपर्क के लिए सेना नई तकनीक लेकर आई है। अधिकारी ने बताया कि ऐसी जगह जहां हिमस्खलन का खतरा ज़्यादा है वहां चौकी के ऊपर के क्षेत्र में एरोहेड आकार में लोहे के खंभे लगाए जाते हैं। अगर कभी बर्फीला तोंदा चौकी की ओर आता भी है तो वो दो टुकड़ों में बंट जाता है। जानकारी के मुताबिक घाटी पर कुपवाड़ा जिले के करनाह सेक्टर में सेना ने शम्सबारी रेंज में एलओसी पर कंटीले तारों की फेंसिंग के साथ सीसीटीवी कैमरे और थर्मल सेंसर लगाए हैं, जो इलाके में घुसपैठ पर करीब से नजर रखते हैं 56 किमी लंबे नियंत्रण रेखा के साथ केरन सेक्टर पर 268 इन्फैंट्री ब्रिगेड के सैनिक निगरानी पर हैं जिसका मुख्यालय केरन गांव से 41 कि.मी आगे फरकियान में है। मुख्यालय पर सेना ने एक आधुनिक कंट्रोल रूम बनाया है, जहां सीसीटीवी कैमरे और सेंसर के फुटेज पर बड़ी स्क्रीन पर नजर रखी जा रही है। कंट्रोल रूम में निगरानी दल के प्रमुख मेजर रैंक के अधिकारी दीपक कुमार सिंह ने कहा, ₹नियंत्रण कक्ष उन सैनिकों द्वारा संचालित है, जिन्हें इस तकनीक में प्रशिक्षित किया गया है. घुसपैठियों की गतिविधियों पर इन तकनीकियों की मदद से नजर रखी जाती है कंट्रोल रूम में कंप्यूटर और हॉटलाइन टेलीफोन लगे हैं जो केरन सेक्टर की

रखवाली करने वाली ब्रिगेड की सभी संरचनाओं से जुड़े हुए हैं। हालांकि भारत और पाकिस्तान की सेना के बीच युद्धविराम ने घुसपैठियों पर नियंत्रित करने में मदद की है, लेकिन प्रौद्योगिकी के हस्तक्षेप ने निगरानी को और बढ़ा दिया है इस क्षेत्र में ब्रिगेड का नेतृत्व कर रहे ब्रिगेडियर तापस कुमार मिश्रा ने मीडिया को बताया, ₹हालांकि तकनीक मौजूद है और घुसपैठियों को रोकने में मदद मिल रही है इसका यह मतलब नहीं कि सेना की तैनाती कम हो गई है, लेकिन एक मजबूत आदमी और मशीन के समन्वय से घुसपैठियों को कंट्रोल करना आसान हो गया है। श्रीनगर से करीब 200 किलोमीटर दूर माच्छिल सेक्टर की एलओसी पर अग्रिम चौकी 'गौतम पोस्ट' समुद्र तल से करीब 2250 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। 90 के दशक की शुरुआत में आतंकवाद जब चरम पर था तब यह यह सेक्टर घुसपैठ के लिए सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला रूट था। यह इलाका पारम्परिक घुसपैठ के रास्तों में से एक था। आतंकवाद की शुरुआत से पहले इन इलाकों में बीएसएफ तैनात थी लेकिन 90 की शुरुआत में इनकी रखवाली का जिम्मा भारतीय सेना को सौंप दिया गया। इसके बाद से इस इलाके में घुसपैठ पर थोड़ी रोक लगी लेकिन पूरी तरह रोक नहीं लग पाई। वर्ष 2008 से अब तक इस सेक्टर में एलओसी के करीब 360 से ज्यादा आतंकी मारे जा चुके हैं और सेना के भी 75 के करीब जवान शहीद हुए हैं। करीब 730 किलोमीटर लंबी एलओसी में से 26 किमी का हिस्सा माच्छिल सेक्टर में पड़ता है। यहां पिछले 15 सालों में 1600 से ज्यादा घुसपैठ के प्रयास हुए हैं। और अब एक बार फिर से यहां से घुसपैठ का खतरा बढ़ गया है। सूत्रों के अनुसार पिछले 6 महीनों में पाकिस्तान के विभिन्न सेक्टरों से 95 आतंकी घुसपैठ करने में कामयाब हुए हैं। इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले छह महीनों में घाटी में हुई मुठभेड़ों में 120 आतंकी मारे गए जिनमें से 35 विदेशी थे। इसलिए अब सेना ने एलओसी के करीब चौकसी बढ़ा दी है। सेना के जवान दिन रात न सिर्फ पैदल पेट्रोलिंग कर रहे हैं। साथ ही थर्मल इमेजिंग डिवाइस, मूवमेंट रडार, पीटीजेड कैमरा, क्वाडकॉप्टर आदि इलक्ट्रोनिक सर्विलांस उपकरणों की मदद से पैनी नजर रखे हुए हैं। खराब मौसम में जब इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस काम न करे तो जवानों को पुराने तरीके से काम करना पड़ता है।

संक्षिप्त समाचार

भारत में फिर से बढ़ते जा रहा है कोरोना केस 24 घंटे में 17,336 केस

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार इस बार देश में बिते 24 घंटे में लगभग 17,336 केस के मामले सामने आए हैं। उसके बाद अब क्रियात्मक मरीजों की गिनतीया 88,284 तक पहुंचती जा रही है। इसके एक दिन पहले ही कोरोना के मरीज की गिनतीया 13313 तक पहुंच गई थी। इसका तात्पर्य यह है की इस बार देश के अंदर कोरोना के मरीज कम से कम चार हजार से ज्यादा मामले हो गए हैं। देश में फिर से एक बार कोरोना सब को डराने लगा है। इस बार देश कोरोना के मामले बहुत तेजी से बढ़ते जा रहा हैं उसके बाद अब स्पर्श रोग भी बहुत तेजी से बढ़ता जा रहा है। इस बार शुक्रवार को ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट आई है इस रिपोर्ट में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि इस बार 24 घंटे में 17,336 केस सामने आए हैं। जबकि उसके उसे एक दिन पहले 13313 मरीज भर्ती हुए है। इस बार एक दिन में कम से कम चार हजार केस के मामले बढ़ते जा रहे हैं।

महेंद्रगढ़ में चलाए जा रहे हैं सेल्फी विद तलैया अभियान, राजबाला ने सभी गांव वालों के साथ मिलकर पेड़ पौधे लगाए

सतीश शर्मा / एनसीआर समाचार

हरियाणा में उपायुक्त महोदय जेके आभीर जी द्वारा जिला महेंद्रगढ़ में चलाए जा रहे हैं। सेल्फी विद तलैया अभियान के तहत जल की पहल सी आर ओ टीम की तरफ से राजबाला ने सभी गांव वालों के साथ मिलकर पेड़ पौधे लगाए और बारिश में पानी के बचाव की जानकारी दी क्योंकि महेंद्रगढ़ क्षेत्र में जल स्तर बहुत नीचे जा चुका है। इसीलिए राजबाला ने सभी ग्राम वासियों को कहा हमारे क्षेत्र में जितने पेड़ पौधे लगाएंगे। तो उस बारिश का पानी धरती माता के जमीन के अंदर जाएगा और हमारे पानी का जलस्तर बढ़ेगा।

भूस्खलन से मलबे में दबे 5 महिलाएं, CM धामी ने पहुंचाया AIIMS

उत्तरकाशी जिले के नौगांव में जंगल में गई पांच महिलाएं भूस्खलन से मलबे में दब गईं, जब इस घटना की सूचना मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तक पहुंची तो उन्होंने बिना देर किए अपना सरकारी हेलीकॉप्टर उत्तरकाशी भेज दिया। घायल महिलाओं को इस हेलीकॉप्टर से एयरलिफ्ट कर एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। आपको बता दें कि पांच महिलाओं में से एक की मौत हो गई, जिसने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया, जबकि अन्य का एम्स में इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

समाज के हर व्यक्ति को सरकार की योजनाओ में किसी भी प्रकार की कोई समस्या न हो

उत्तर प्रदेश बूथ शक्तिकरण अभियान में योगी आदित्यनाथ युवा ब्रिगेड द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश चन्द्र द्विवेदी जी के नेतृत्व में ग्राम सभा मोहम्मदपुर नौगवां सोरांव प्रयागराज में पूर्व प्रधान नूर आलम जी जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ योगी आदित्यनाथ युवा ब्रिगेड और ग्राम प्रधान सूर्यकान्त उर्फ पप्पू ने पंचायत भवन में कराया जिसमें मुख्य अतिथि माननीय सांसद फूलपुर केशरी देवी पटेल जी ने कहा की समाज के प्रत्येक वर्ग को लाभ पहुंचाना ही हमारी प्राथमिकता है। समाज का हर व्यक्ति सरकार की योजनाओ में किसी भी प्रकार की कोई समस्या न हो। संचालन राष्ट्रीय महासचिव प्रकाश नारायण पाण्डेय जी ने किया कार्यक्रम में अध्यक्ष महिला मोर्चा संजू शुक्ला जी, विपुल पाण्डेय जी, मुकेश पाण्डेय जी, राजू मौर्या जी, राजेश पांडेय जी सहित सभी पदाधिकारी और शंभू नाथ पटेल जी, विजय पटेल जी, बबलू पंडित सहित गांव के सभी पुरुष और महिलाएं उपस्थित रहे।

पोलाय कला नगर परिषद में अभ्यर्थियों को विवेक के संबंध में प्रशिक्षण दिया

कालापीपल विधानसभा क्षेत्र की नगर परिषद पोलायकलां में स्थानीय निर्वाचन कार्यक्रम के पार्षद पद के अभ्यर्थियों को व्यय लेखा से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें व्यय लेखा दल के प्रभारी श्री संजय सिंह ठाकुर ने समस्त अभ्यर्थियों को व्यय लेखा संधारण एवं उनके निरीक्षण के बारे में विस्तार से बताया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बताया गया कि प्रत्येक कैंडिडेट के द्वारा इस निर्वाचन के दौरान उनके द्वारा किए जाने वाले समस्त प्रकार के व्यय का लेखा प्रस्तुत करना होगा और प्रचार की वीडियो निगरानी भी की जायेगी। निर्वाचन आयोग द्वारा व्यय की सीमा 75,000 निर्धारित की गई है। इस कार्यक्रम के दौरान व्यय लेखा दल प्रभारी श्री संजय सिंह ठाकुर के साथ उनके दल के श्री योगेश सक्सेना, श्री रसराज गुर्जर ,बने सिंह चौहान, श्री राजेश योगी एवम समस्त पार्षद पद के उम्मीदवार उपस्थित रहे।

जम्मू में गलत तरीके से खड़ी वाहनों के खिलाफ ड्राइव की शुरूआत

एजेंसी

जम्मू, 22 जून 2022: अमरनाथ जी यात्रा से पहले यातायात पुलिस सिटी जम्मू ने सल्वर में हड़ताल से मुक्त होने के लिए विशेष ड्राइव लॉन्च किया। शिव विवेक गुप्ता आईपीएस यातायात जम्मू रेंज और डॉ कोशन श्रम जेकेपीएस, एसएसपी ट्रैफिक पुलिस सिटी जम्मू टीम ने डीटीआई बस स्टैंड इन्स्प्रार चेरंजीव सिंह, डीटीआई रेसिडेन्सी रोड इन्स्प्र राकेश कुमार इसलिए घनारवव चंद और अन्य यातायात पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर एमएस फराह निश डिस्पो टाउन सिटी में शामिल किया। गलत पार्किंग नोटिस चालान / स्टिकर गलत तरीके से खड़ी किए गए वाहनों पर चढ़ गए थे। जो रेजिडेंसी रोड, इंदिरा चौक, बीसी रोड, जेपी चौक आदि पर ट्रैफ़िक के मुक्त प्रवाह के लिए रुकावट पैदा कर रहे थे।

इसके अलावा, व्यापार समुदाय के सदस्य और लोगों को रहने के लिए अनुरोध किया गया था कि वे अपने वाहन को निर्दिष्ट पार्किंग स्लॉट्स पर पार्क करने के लिए अनुरोध किया और व्यस्त सड़कों पर यातायात के मुक्त प्रवाह को रोकने के लिए बाधा का कारण बनता है जो आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले पर्यटकों / तीर्थयात्रियों और लोगों के लिए असुविधा परिणाम दे सकता है। आज चालान के साथ जनता को भी अमरनाथ जी यात्रा के आगे गलत पार्किंग के परिणामों के बारे में पता चला था। दुकानदारों और आस-पास के इलाकों में रहने वाले लोग इस ड्राइव के बारे में खुश थे और ऐसे ड्राइव को ले जाने के लिए ट्रैफिक पुलिस और को धन्यवाद दिया।

जम्मू कश्मीर में होगी दुनिया के प्रभावशाली समूह 2023 जी-20 की बैठक

एजेंसी

जम्मू में 23 जून दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के प्रभावशाली समूह जी-20 की बैठक 2023 में जम्मू कश्मीर में होगी। केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने बैठकों के समग्र समन्वय के लिए बृहस्पतिवार को पांच सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया।यह सम्मेलन एक तरह से कश्मीर मुद्दे पर भारतीय पक्ष को पूरी तरह से सही ठहराते हुए कश्मीर पर पाकिस्तान के दावों को निरस्त करेगा। इस सम्मेलन के जरिए भारत दुनिया को बताएगा कि आम कश्मीरी पूरी तरह से भारतीय मुख्यधारा का हिस्सा है जो पूरी तरह से भारतीय लोकतंत्र और भारतीय संविधान में आस्था रखता है। G-20, जिसे ग्रुप आफ ट्वेंटी भी कहा जाता है, में यूरोपीय संघ समेत 20 देश शामिल हैं। इन 20 देशों के राष्ट्रध्यक्षों की हर साल होने वाली सालाना बैठक को G-20 शिखर सम्मेलन कहा जाता है। इस सम्मेलन में सभी देशों के मुख्य विषय यानी आतंक, आर्थिक परेशानी, ग्लोबल वार्मिंग, स्वास्थ्य और अन्य जरूरी मुद्दो पर चर्चा की जाती है। पांच अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम लागू किए जाने के बाद कश्मीर में यह अपनी तरह का पहला और एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन होगा। इस सम्मेलन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए वीरवार को महाप्रशासनिक विभाग ने आवास एवं शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन कर दिया है। महाप्रशासनिक विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक समिति में परिवहन विभाग के सचिवायुक्त, हास्पिटैलिटी एवं प्रोटोकाल विभाग के प्रशासकीय सचिव, पर्यटन सचिव और संस्कृति विभाग के सचिव को बतौर सदस्य शामिल किया गया है। आवास एवं शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव को प्रदेश में जी-20 की बैठक के लिए किए जा रहे प्रबंधों के संदर्भ में विदेश मंत्रालय के साथ समन्वय बनाए रखने के लिए नोडल अधिकारी भी बनाया गया है।

महाप्रशासनिक विभाग के प्रधान सचिव मनोज द्विवेदी से जब सम्मेलन की तिथि के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह नवंबर या दिसंबर में हो सकता है। इस बीच संबंधित सूत्रों ने बताया कि भारत एक दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2023 तक जी-20 की अध्यक्षता करेगा। भारत के कार्यकाल का समापन कश्मीर में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के साथ होगा।पिछले साल सितंबर में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को जी-20 के लिए भारत का शेरपा नियुक्त किया गया था।

वाहन व्यवस्था न होने से विजयपुर अध्यापक संघ का तहसील मे हंगामा

खरवेन्द्र शर्मा / एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश श्योपुर जिले की विजयपुर तहसील में त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों मे लगी ड्यूटी में वाहन व्यवस्था न होने के चलते विजयपुर अध्यापक संघ ने किया तहसील कार्यालय मे हंगामा जिसमे तीन सेकडा अध्यापक संघ के कर्मचारियो ने हंगामा करके तहसील परिशर मे ही फर्स डाल कर बैठ गए और प्रदर्शन करने लगे।

बता दें कि श्योपुर जिले में 25 जून को प्रथम चरण में होने जा रहे हैं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। जिन्हें 48 घंटे पूर्व जिला मुख्यालय पर उपस्थित होना है विजयपुर से श्योपुर की दूरी अधिक होने के चलते अध्यापक संघ ने प्रशासनिक अधिकारियों से कहा के हमारे लिए वाहन व्यवस्था की जाए अगर वाहन व्यवस्था नहीं की जाती है तो हम पंचायत ड्यूटी मे नहीं जाएंगे, वहीं इस मामले को लेकर एसडीम का कहना है कि ऊपर से ही इस बार वाहन व्यवस्था नहीं की गई है। निजी खर्चे पर आप सभी को जाना पड़ेगा। इतना सुन विजयपुर अध्यापक संघ भड़क उठा और प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगा कर प्रदर्शन करने लगे। मध्य प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने आचार संहिता लागू की है।

जिसमें धरना प्रदर्शन पूर्णतः प्रतिबंधित है। लेकिन विजयपुर अध्यापक संघ आचार संहिता का उल्लंघन करता दिखा क्या आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई होगी या नहीं यह तो देखने वाली बात रहेगी।

ग्रामीणों ने हत्यारों को पीट- पीट कर किया अधमरा

एनसीआर समाचार

गढ़वा में जमीन विवाद का मामला अब धीरे-धीरे खुनी संघर्ष का रूप लेता जा रहा है। 22 जून को देर रात घटित जैन विवाद में अब तक तीन लोगो की मौत हो चुकी है। मामला गढ़वा सदर थाना क्षेत्र के सुखबाना गांव का है। यहाँ की अधिकांश जमीन विवादित रही है जिस पर माफियाओ की नजर रही है। 22 जून की घटित घटना में जमीन विवाद का मामला सामने आ रहा है। जहा अपराधियों ने मृतक विमल सिंह को इस जमीन विवाद से हटने की धमकी दी थी लेकिन मृतक विमल नहीं माने। अपराधियों ने उनको 24 घंटो के अंदर मारने की धमकी दी थी। अपराधी युवक को गोली मरकर भाग ही रहे थे कि ग्रामीणों ने चार अपराधियों में से दो अपराधि संतोष चंद्रवंशी और पंकज पासवान को दबोच लिया। फिर क्या ग्रामीण वालो ने लाठी डंडे से मार कर दोनों को अदमरा कर दिया। जान देखा की दोनों नहीं मरे तो दोनों अपराधियों को पथ्तर से कुचल कर मार डाला। ग्रामीणों के हत्थे चढ़े अपने साथियों को देख शेष दो अपराधी भागने में सफल रहे। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों अपराधियों के शवों को अपने कब्जे में ले कर गढ़वा सदर अस्पताल भेज दिया। गोली चलने की घटना के बाद युवक की भी मौत हो चुकी है। विवाद बढ़ता देख पुलिस भी अब सतर्क हो गई है। पुलिस अधीक्षक अंजनी झा ने कहा की घटना में दो लोगो को ग्रामीणों ने पिट-पिट कर मार डाला। पुलिस ने स्थिति पर नजर बनाई हुई है। अन्त्यपरीक्षण रूम में तीनो शवों को रखा गया है। जहा पुलिस पंचनामा कर मेडिकल टीम के नेतृत्व में उसका पोस्टमार्टम करेगी।

राज्यपाल मंगूभाई पटेल एस.ओ.एस. बालग्राम के स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश में राज्यपाल की उपस्थिति में बालग्राम के दिव्यांग बच्चों ने आशा है तो मुमकिन है का दम दिखाया। बच्चों ने इस प्रस्तुति के साथ शिव तांडव और कन्या उत्सव की दिव्य समवेत प्रस्तुतियों का प्रदर्शन किया। सांकेतिक भाषा में राष्ट्र गीत प्रस्तुत किया। राज्यपाल ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक विजेता बालग्राम के प्रतिभाशाली खिलाड़ी बालक विजय, बालिका डॉली, मणिमेघलाई और सृजनात्मक प्रतिभा की धनी मधु को सम्मानित कर, उनका मनोबल बढ़ाया। राज्यपाल ने दिव्यांग बच्चों को आत्मीयता का अहसास कराते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। राज्यपाल पटेल ने कहा कि मानव सेवा ही प्रभु सेवा है। सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। किसी की सेवा का अवसर ईश्वर की कृपा से ही मिलता है। उन्होंने कहा कि बच्चे गीली मिट्टी की तरह कोमल होते हैं। उनकी उचित देखभाल का दायित्व पालक और शिक्षक पर है। उनकी जिम्मेदारी है कि बच्चों को भेदभाव रहित वातावरण मिलें। सकारात्मकता के साथ वह समाज की मुख्यधारा में शामिल हों। उन्होंने कहा कि बच्चों में पारस्परिक सहयोग, सद्भाव और नियमितता के गुणों के साथ ही पर्यावरण, ऊर्जा, जल-संरक्षण और स्वच्छता की आदत डालने और स्वयं के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए सजग बनाने के प्रयास जरूरी हैं। राज्यपाल पटेल ने टेलीविजन के कार्यक्रम का दृष्टांत देते हुए कहा कि अनेक ऐसे दिव्यांगजन हैं, जिन्होंने शारीरिक अभावों अथवा कमजोरियों को प्रेरणा बना कर, दिव्यांगता को व्यक्तिगत विकास में सहयोगी बना लिया है। जीवन में सफलता के लिए साधन से ज्यादा सोच का होना महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि सबका विकास, साथ, विश्वास और प्रयासों से दिव्यांगजन के पुनर्वास के प्रयत्न किए जाने चाहिए। एस.ओ.एस. विलेज ऑफ इंडिया के अध्यक्ष राकेश जिन्सी ने बताया कि बालग्राम खजुरीकलाँ में स्थापित एस.ओ.एस. चिल्ड्रन विलेज पूरे विश्व में अनूठे दो गाँवों में से पहला है। उन्होंने बताया कि 1964 में भारत में स्थापना से अब तक 7,500 बच्चों की देखभाल की गई है। परिवार सशक्तिकरण कार्यक्रम में 30 हजार बच्चों की परवरिश की जा रही है।

क्लर्क को नशीला पदार्थ पिलाकर किया साथ दुष्कर्म

एनसीआर समाचार

झारखण्ड के बोकारो शहर स्थित को-ओपरेटिव कॉलोनी के एक निजी अस्पताल में काम करने वाली महिला को उसके दोस्त ने झांसे में लेकर नशीली पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया। स्थिति बिगड़ता देख उसे सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गया। निजी अस्पताल में काम करने वाली महिला को झांसे में लेकर अस्पताल के सामने लैब में काम करने वाले कसमार निवासी लखींद्र महतो ने दुष्काराम किया है। उसके बाद जब महिला की हालत ख़राब हो गई तो उसे पिंडराजोरा थाना इलाके के एनएच 23 फोरलेन में एक अस्पताल के पास छोड़ कर भाग गया। अस्पताल से जब पीड़ाता के पति को जनकारी हुई तो अस्पताल पहुँचा जहा पर अपनी पत्नी की गंभीर हालत को दखते हुए बेहतर इलाज के लिए बोक्रो जनरल अस्पताल ले गया। वहा के चिकित्सकों ने बताया की महिला के साथ दुष्कर्म किया गया। उसके बाद उसने घटना को लेकर पिंडराजोरा थाना में कसमर के खिजरा गांव उसके लखींद्र महतो पर दुष्कर्म की प्राथमिक दर्ज कराई। घटना 14 जून की है। बताया जाता है कि युवक से महिला की दोस्ती अस्पताल में आने-जाने के दौरान हो गई थी। इस बीच युवक ने महिला को भरोसे में लेकर घटना के दिन शहर के अलग-अलग बाजार में घुमाया। मौका देखते ही उसने कोल्ड-ड्रिंक में नशे का सामान मिलाकर पिला दिया। जिसके बाद ही उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। जब महिला की हालत काफी ख़राब हो गई तो अस्पताल के पास उसे सड़क किनारे छोड़कर भाग निकला। सड़क पर पड़ी महिला को लोगो ने अस्पताल पहुंचाया झगा से महिला ने अपने पति का नंबर अस्पताल वालो को दिया। और इसकी जानकारी पति को दी गई कि उसकी पत्नी सड़क दुर्घटना की शिकार हो गई है।

रेलवे ट्रैक पर शव मिलने से मची सनसनी

शिवम सिंह / एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश जखनिया में गुरुवार की भोर में जखनिया स्टेशन के पश्चिमी केबिन के अकाउंट पर कौला जखनियां के पास शव मिलने से सनसनी फैल गई। धीरे धीरे रेलवे ट्रैक पर ग्रामीणों की भीड़ लगने लगी सूचना मिलते ही तत्काल पुलिस मौके पर पहुंच गई और पुलिस ने बताया कि स्टेशन मास्टर को 3:35 बजे मालगाड़ी के ड्राइवर ने यह सूचना दी उसके बाद भुड़कुड़ा थाना प्रभारी को सूचना दिया गया। एसआई बलवंत कुमार यादव सहित कई कांस्टेबल मौके पर पहुंचे ताकि बात करने के बाद कौला जखनिया के ही किसी लड़की ने बताया कि यह विजय यादव का लड़का है उसके बाद प्रशासन ने परिवार वालों को सूचना दिया मौके पर विजय यादव सहित पूरा परिवार मृतक के शरीर पर गिर कर रोने लगे एसआई बलवंत कुमार ने बताया कि मृतक का नाम मुलायम उर्फ छोटू यादव उम्र 19 वर्ष पिता विजय यादव है विजय यादव ग्राम परसोली का रहने वाला था। काफी दिनों से जखनिया बाजार में हलवाई की दुकान कर अपना जीविकोपार्जन करता था काफी दिनों से रहते रहते जखनिया में भी अपना मकान बना लिया था मुलायम उर्फ छोटू यादव मोबाइल की दुकान पर रहता था शव पर गिरकर माता ने रोते हुए बताया कि मेरा लड़का मुलायम उर्फ छोटू यादव रात में 2:00 बजे के करीब मेरे पास फोन किया और कहा मां मुझे बचा लो काफी लोग मुझे घेर रखे हैं।

36 साल की कैप्टन मोनिका खन्ना ने 185 यात्रियों की जान बचाई

एजेंसी

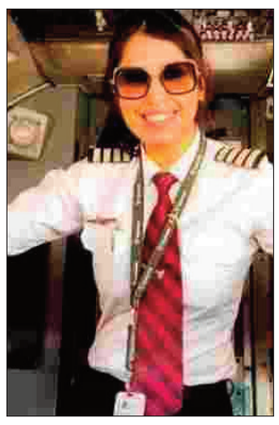

बिहार के पटना विमान हादसा में 19 जून को पटना से दिल्ली जाने वाली विमान 185 यात्रियों को जयप्रकाश नारायण एयरपोर्ट पटना उड़ने भड़ी और टेक-ऑफ के दौरान विमान के इंजन से पक्षी टकरा गया और विमान में आग लग गई, जिसके बाद लगभग 2000 फिट उंचाई के दौरान कैप्टन मोनिका खन्ना को यह आभास हुआ कि विमान में आग लग गई हैं, कुछ देर हवा में रहने के बाद विमान को इमरजेंसी सिंगल इंजन के साथ विमान को सुरक्षित पटना एयरपोर्ट पर लैंडिंग कराई गई और 185 यात्रियों समेत 191 जाने बचाईं गई। फ्लाइट एसजी 723 की पायलट इन कमांड (पी आई सी) कैप्टन मोनिका खन्ना ने आग के भनक लगते ही प्रभावित इंजन को बंद कर दी, जिससे बड़ा हादसा टल गया, स्पाइसजेट ने भी कैप्टन मोनिका खन्ना की तारीफ किया स्पाइसजेट से सूचना के दौरान कैप्टन मोनिका खन्ना और उनके साथ सेवा दे रहे फास्ट ऑफिसर बालप्रीत सिंह भाटिया ने घटना के दौरान होशियारी से काम लिया वे पुरे समय शांत रहे और विमान को 12.22 बजे सुरक्षित पटना एयरपोर्ट पर लैंडिंग कराई गई।

कार्यकर्ताओं को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पद चिन्हों पर चलकर एकजुट होकर पार्टी के लिए करना चाहिए कार्य

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश पोरसा भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल पोरसा के द्वारा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि नगर के प्रत्येक वार्ड में मनाई गई कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष राम कुमार गुप्ता ने कहा की डॉ॰ श्यामाप्रसाद मुखर्जी शिक्षाविद्, चिन्तक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे उनका जन्म 6 जुलाई 1901 कोलकाता में हुआ और उनकी मृत्यु 23 जून 1953, को श्रीनगर में हुई, भारतीय जनसंघ दल में काम किया उनकी पत्नी का नाम सुधा देवी (विवा. 1922–1933) इन्होने अपनी शिक्षा प्रेसीडेंसी युनिवर्सिटी (1921), कोलकाता विद्यापीठ से पूरा किया। माता-पिता का नाम आशुतोष मुखर्जी, जोगामाया देवी मुखर्जी था। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई, 1901 को एक संभ्रांत परिवार में हुआ था। महानता के सभी गुण उन्हें विरासत में मिले थे। उनके पिता आशुतोष बाबू अपने जमाने ख्यात शिक्षाविद् थे। डॉ. मुखर्जी ने 22 वर्ष की आयु में एमए की परीक्षा उत्तीर्ण की तथा उसी वर्ष आपका विवाह भी सुधादेवी से हुआ। उनको दो पुत्र और दो पुत्रियां हुईं। वे 24 वर्ष की आयु में कोलकाता विश्वविद्यालय सीनेट के सदस्य बने। उनका ध्यान गणित की ओर विशेष था। इसके अध्ययन के लिए वे विदेश गए तथा वहां पर लंदन मैथेमेटिकल सोसायटी ने उनको सम्मानित सदस्य बनाया। वहां से लौटने के बाद डॉ. मुखर्जी ने वकालत तथा विश्वविद्यालय की सेवा में कार्यरत हो गए। डॉ. श्यामप्रसाद मुखर्जी ने कर्मक्षेत्र के रूप में 1939 से राजनीति में भाग लिया और आजीवन इसी में लगे रहे। उन्होंने गांधीजी व कांग्रेस की नीति का विरोध किया, जिससे हिन्दुओं को हानि उठानी पड़ी थी। अगस्त 1947 को स्वतंत्र भारत के प्रथम मंत्रिमंडल में एक गैर-कांग्रेसी मंत्री के रूप में उन्होंने वित्त मंत्रालय का काम संभाला। डॉ. मुखर्जी ने चितरंजन में रेल इंजन का कारखाना, विशाखापट्टनम में जहाज बनाने का कारखाना एवं बिहार में खाद का कारखाने स्थापित करवाए। उनके सहयोग से ही हैदराबाद निजाम को भारत में विलीन होना पड़ा। अटलबिहारी वाजपेयी (तत्कालीन विदेश मंत्री), वैद्य गुरुदत्त, डॉ. बर्मन और टेकचंद आदि को लेकर आपने 8 मई 1953 को जम्मू के लिए कूच किया। सीमा प्रवेश के बाद उनको जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। 40 दिन तक डॉ. मुखर्जी जेल में बंद रहे और 23 जून 1953 को जेल में उनकी रहस्यमय ढंग से मृत्यु हो गई।

संक्षिप्त समाचार

भरतपुर में घर के ऊपर से जा रही विद्युत लाइन की चपेट में आने से दो अधेड़ महिलाएं झुलसी

डीग भरतपुर डीग उपखंड के गांव नाहरोली ठाकुर में घर के ऊपर से जा रही विद्युत लाइन की चपेट में आने दो अधेड़ महिलाएं गंभीर रूप से झुलस गई। मिली जानकारी के अनुसार करीब लज्जा पत्नि विजय उम्र 55 साल एवं सोनवती उर्फ सोना पत्नि ओमप्रकाश जाति जाट निवासीयान नाहरोली ठाकुर जो की करीब रात्रि 9:00 बजे अपने घर पर कार्य कर रही थी। तभी घर के ऊपर से गुजर रही विद्युत तार की चपेट में आने से दोनों महिलाएं गंभीर रुप से झुलस गई, जिसे ग्रामीणों की सहायता से डीग के रेफरल चिकित्सालय डीग में दाखिल कराया गया। जहां गंभीर हालात के चलते प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भरतपुर दोनों महिलाओं को रेफर कर दिया गया।

आरआरबी एनटीपीसी सीबीटी 2 उत्तर कुंजी 2022 का रिजल्ट आ गया

आरआरबी एनटीपीसी सीबीटी 2 ट्रेन 2022 में शुरू होने वाली है। इस बारे में सारी सुचना आप इस वेबसाइट पर जाकर देख सकते है।rrbcdg.gov.in, rrbkolkata.gov.in उसके बाद आप इस लिंक के जरिये इसके बारे में सभी जानकारी को भी डाउनलोड कर सकते है। रेलवे कर्मचारियों को भर्ती करने के लिए सरकार ने जो सीटो के लिए अलाउंस किया था। कल उसी आरआरबी एनटीपीसी सीबीटी 2 उत्तर कुंजी 2022 का उद्घाटन हुआ था। अभी हाल ही में जो उम्मीदवार आरआरबी एनटीपीएससी सीबीटी 2 परीक्षा के लिए त्यारी कर रहे थे। अब वो लोग आरआरबी उत्तर कुंजी को चलते हुए देख सकते हैं उसके बाद अब वह गलत मुद्दो पर अपनी ललकार भी उठा सकते हैं। आरआरबी एनटीपीसी सीबीटी 2 उत्तर कुंजी 2022 उन उम्मीदवार के लिए शुरू करी गई है। जिन छात्रो ने आरआरबी एनटीपीसी पगार, उपाधि करने की 5, 3, 2 परीक्षा दी थी। उन लोगों के लिया आरआरबी उत्तर कुंजी 2022 के उम्मीदवारों को आधिकारिक वेबसाइट rrbcdg.gov.in पर देखने के लिए ऑनलाइन रिजल्ट की सुविधा करवाई गई है। छात्र अपना उत्तर कुंजी का अपना रिजल्ट rrbcdg.gov.in यहां पर जाकर देख सकते हैं।

इंदरगढ़ बस्ती निर्मित मंदिर के पास स्ट्रीट लाइट की नहीं हो रही रिपेयरिंग

इंदरगढ़ के वार्ड प्रभारी की लापरवाही सामने आ रही है। कल इंदरगढ़ के अंदर बस्ती में निर्मित तीन प्राचीन मंदिरों के पास लगी स्ट्रीट लाइट, जोकि सालों से खराब पड़ी हुई है उस पर शासन प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है। मंदिर में आने वाले व आस पास से गुजरने वाले सभी लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पर रहा है। स्थानीय लोगों ने कई बार शासन से मदद मांगी लेकिन फिर भी कोई सुनवाई नहीं हुई। स्थानीय लोग काफी परेशान हो चुके है और यही वजह है की लोग अब शासन के विरोध में आवाज उठाने लगे है।

सहसवान क्षेत्राधिकारी सी पी सिंह व थाना प्रभारी संजीव कुमार शुक्ला ने पुलिस बल के साथ सहसवान नगर में की फुट पेट्रोलिंग

उत्तर प्रदेश बदायूं सहसवान में बुधवार के दिन को एस.पी.आर.ए सिद्धार्थ वर्मा व पुलिस क्षेत्राधिकारी चंद्रपाल सिंह व प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार शुक्ला ने फोर्स के साथ नगर में फुट पेट्रोलिंग की। साथ ही वाहन चेकिंग भी की पुलिसकर्मी कहीं भी कोई घटना ना हो जाए इसके लिए सतर्क है और बराबर डे बाय डे चेकिंग अभियान चला रही है। इस मौके पर एस पी आर ए सिद्धार्थ वर्मा व सीओ सी पी सिंह, प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार शुकला एस एस आई जगबीर सिंह, एस आई राजेश कुमार, एस आई मुकेश कुमार, एस आई अनिल, एस आई सरिता रानी, कांस्टेबल राहुल, नदीम, उमेश, पूरा पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

भगवान देवनारायण के मंदिर प्रांगण में श्रीमद भागवत ज्ञान कथा का चल रहा आयोजन

धौलपुर 22 जून जिले के बाड़ी उपखंड में स्थान श्री देव नारायण भगवान के मंदिर प्रांगण में श्रीमद भागवत कथा ज्ञन यज्ञ के तृतीय दिवस के अवसर पर वृदावन निवासी कथा वाचक आचार्य भरतलाल शास्त्री द्वारा श्रीमद भागवत कथा मे बताया गया कि मनुष्य को कथा का समय समय पर रस पान करते रहना चहिए व कथा वाचक ने शरीर की रचना के बारे मे बताया कि, हमारा शरीर पंच तत्व से मिलकर बना हुआ हैं। जल, थल, पावक, गगन,समीरा से बना हुआ है यह शरीर हमारा ही नहीं है। हमको इस शरीर पर अहंकार नहीं करना चहिए।

पश्चिम राजस्थान में हल्की बारिश से किसानों में खुशी की लहर

पश्चिम राजस्थान में कहीं कहीं हल्की बारिश, व कई जगह पर अधिक बारिश से किसानों के चेहरे पर मुस्कराहट देखने को मिल रही है। पश्चिम राजस्थान में बरसात के पानी से ही खेती की जाती है, यहां पर खेती के लिए पानी का कोई अन्य स्रोत नहीं है। इसलिए बरसात के आगमन पर किसान खुश नजर आए।

सभा संस्था का द्वितीय सामूहिक विवाह सम्मेलन 4 जुलाई को

राजस्थान कोटपुतली सैनी सभा भवन नंबर 1 में सैनी सभा संस्था के सानिध्य में पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी द्वितीय सामूहिक विवाह सम्मेलन के लिए विवाह समिति अध्यक्ष रामकुमार सैनी की अध्यक्षता में कार्यकारिणी विस्तार सामूहिक विवाह सम्मेलन की दिनांक व स्थान तय किया गया विवाह सम्मेलन की दिनांक 4 जुलाई 2022 स्थान कान्हा मैरिज गार्डन तथा कार्यकारिणी विस्तार निम्न प्रकार है संरक्षक। विरदी चंद सैनी पूर्व अध्यक्ष,हनुमान प्रसाद सैनी, नेता, श्रीराम टमाटर वाले, रमेश भगतजी सब्जी मंडी अध्यक्ष,राजेंद्र सैनी पूर्व पार्षद, रामअवतार सैनी पानवाला, ललित सैनी,सुभाष सैनी,को तथा उपाध्यक्ष बाबूलाल सैनी पूर्व अध्यक्ष,पवन कुमार सैनी सब्जी मंडी, सचिव पद पवन कुमार सैनी एडवोकेट, कोषाध्य प्रहलाद चंद सैनी.सह सचिव कृष्ण कुमार सैनी, मीडिया प्रभारी बंटी कुमार सैनी पूर्व पार्षद, महेश कुमार सैनी, विक्रम सैनी, व न्यूज़ प्रभारी महेश कुमार सैनी, बिल्लूरामसैनी को नियुक्त किया गया तथा उनको अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई उक्त मीटिंग में सैनी सभा अध्यक्ष राकेश सैनी, पूर्व अध्यक्ष विरदी चंद सैनी, सचिव योगेश सैनी, कोषाध्यक्ष रामसिंह सैनी, संरक्षक ओमप्रकाश सैनी, समाज बंधुगण संख्या में उपस्थित रहे।

रांची हिंसा में 60 से 80 राउंड फायरिंग, कई लोगों ने गंवाई थी जान

एजेंसी

10 जून को हुई रांची हिंसा के संबंध में दर्ज एक एफआईआर में बताया गया है कि, कैसे भीड़ हिंसक हो गई और बदमाशों ने पुलिस पर गोलियां चला दीं। एफआईआर के मुताबिक बदमाशों ने 60 से 80 राउंड फायरिंग की और रांची के मेन रोड स्थित हनुमान मंदिर पर चढ़ने का प्रयास किया।

एफआईआर अंचल अधिकारी अमित भगत ने दर्ज कराई है, जिन्होंने कहा कि वह गश्त कर रहे थे, जब हजारों लोगों ने नूपुर शर्मा की आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। एफआईआर में कहा गया है कि, विरोध मार्च बिना अनुमति के था। पुलिस ने भीड़ को रोकने की कोशिश की, लेकिन वे हिंसक हो गए और पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। प्राथमिकी की सामग्री में कहा गया है, ₹सुनियोजित तरीके से, बदमाश धार्मिक दंगे भड़काने और पथराव जारी रखने के लिए हनुमान मंदिर को निशाना बनाना चाहते थे।₹ प्राथमिकी के अनुसार, भीड़ ने ₹मंदिर पर चढ़ने के प्रयास₹ में पुलिस की नाकाबंदी को तोड़ा। प्राथमिकी में कहा गया, ₹इस प्रक्रिया में भीड़ और बदमाशों ने पुलिस पर गोलियां चलाईं...भीड़ में कई लोगों ने पुलिसकर्मियों के हथियार भी छीनने की कोशिश की। प्राथमिकी में आगे बताया गया है कि पुलिस द्वारा मामूली बल प्रयोग किया गया लेकिन इसने भीड़ को नहीं रोका। इसमें कहा गया है कि उपायुक्त और वरिष्ठ अधीक्षक द्वारा भी प्रयास किए जा रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने प्रदर्शनकारियों से बात करने और उन्हें शांत करने के लिए कोई नतीजा नहीं निकाला। इसके चलते प्राथमिकी में उल्लेख है, ₹नियंत्रित हवाई फायरिंग और बल प्रयोग₹ का आदेश दिया गया, जो कुछ हद तक भीड़ को तितर-बितर करने में सफल रहा। ₹पांच राउंड आंसू गैस के गोले दागे गए और कई राउंड हवाई फायरिंग की गई और फिर लाठीचार्ज किया गया... जिसके बाद भीड़ को नियंत्रित किया गया, लेकिन फिर से भीड़ जमा हो गई, पुलिस टीमों को तीन दिशाओं से घेरते हुए पथराव और फायरिंग शुरू कर दी ... मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बदमाशों ने 60-80 राउंड फायरिंग की। रांची में हिंसा के सिलसिले में 29 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, बुधवार को पुलिस को सूचित किया। शुक्रवार, 10 जून को रांची में हुई हिंसा के सिलसिले में अब तक कुल 29 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

ओमप्रकाश सैनी के नेतृत्व में हरसोरा में अवैध अतिक्रमण को हटाया गया

एनसीआर समाचार

राजस्थान बानसूर उपखंड के कस्बा हरसोरा में राजकीय चिकित्सालय के पीछे खसरा नंबर 153 व 156 गैर मुमकिन आबादी पर अवैध अतिक्रमण को उपखंड अधिकारी बानसूर के आदेश से तहसीलदार जगदीश बैरवा, विकास अधिकारी ओमप्रकाश सैनी के नेतृत्व में अतिक्रमण को हटाया गया। डीएसपी बानसूर मृत्युंजय मिश्रा, सीआई बानसूर रविन्द्र कविया व थानाधिकारी हरसोरा ताराचंद शर्मा मय पुलिस जाप्ता मौके पर तैनात रहे। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही सरपंच प्रतिनिधि रमेश अंबावत, ग्राम विकास अधिकारी संजय शर्मा व समस्त वार्ड पंच ग्राम पंचायत हरसोरा की मौजूदगी में शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। इस अतिक्रमण में अस्थाई रूप से निर्मित ढांचों को जेसीबी के द्वारा ध्वस्त किया गया। इस कार्यवाही में ग्राम पंचायत हरसोरा के द्वारा कुछ सामान भी जप्त किया गया। सरपंच प्रतिनिधि रमेश अंबावत ने बताया कि अतिक्रमणकारियों को ग्राम पंचायत हरसोरा के द्वारा एक साल में तीन बार नोटिस दिया जा चुका है लेकिन फिर भी इन लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया। इसलिए ग्राम पंचायत हरसोरा को प्रशासन की मदद से आज अतिक्रमण हटाया गया। साथ ही सरपंच प्रतिनिधि ने कहा कि जल्दी ही उक्त जमीन को पट्टा जारी कर सीएचसी अस्पताल के लिए स्वीकृत कर दिया जाएगा।

बोकारो अंतर्गत गोमिया आवास बोर्ड ने बेरहमी से 57 परिवारों को किया बेघर

एनसीआर समाचार

झारखंड के जिला बोकारो अंतर्गत गोमिया आवास बोर्ड मे 35 वर्षों से आवास में रह रहे 57 परिवारों को हाई कोर्ट झारखंड के आदेश पर प्रशासन के सहारे बेरहमी से आवास खाली कराते हुए बेघर कर दिया। बोर्ड के आवास में रहने वाले लोग विभिन्न पेशे करने वाले और गरीब है। ये लोग यहीं पर रह कर अपना जीवन यापन और बच्चों की पढ़ाई लिखाई करवाते थे। लोगों का कहना है कि हाईकोर्ट में हाउसिंग बोर्ड अपना आवास खाली कराने के लिए मुकदमा दायर किया था और यह केस मे फैसला हाउसिंग बोर्ड के पक्ष में आया है। आवास बोर्ड के आवास में रहने वाले लोग अपनी तंग हालत की वजह से माननीय उच्च न्यायालय में अपना पक्ष ठीक से नहीं रख पाए और उन्हें अपने हक से हाथ धोना पड़ा है। 57 परिवारों के साथ में बीमार बुजुर्ग एवं बच्चे भी शामिल हैं। ये लोग कहां जाएंगे और कहां रहेंगे कोई रहने का ठिकाना नहीं है। इन परिवारों के उजड़ने से इनके बच्चों का भविष्य प्रभावित होता नजर आ रहा है। इन परिवारों के पास सरकार का दिया हुआ आधार कार्ड, वोटर कार्ड, राशन कार्ड भी उपलब्ध है। स्थानीय प्रशासन हाई कोर्ट का आदेश भी नहीं दिखा रही है और बारिश के मौसम में इन्हें बेघर किया जा रहा है। अब देखना है कि गरीबोकी चिंता करने वाली सरकार इन बेघर परिवारों को कहां आवाज देकर बसाती है।

कोसली से नांगल पठानी सड़क निर्माण का कार्य बाधित

एनसीआर समाचार

हरियाणा कोसली से नांगल पठानी सड़क निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ है तथा सड़क पर रोड़े डालकर कार्य को बीच में ही छोड़ दिया है, जिससे ग्रामीण तथा वाहन चालक परेशान हो रहे हैं। सी.एम. विंडो सदस्य एवं कष्ट निवारण समिति के सदस्य अशोक पंच ने बताया कि इस सड़क का निर्माण कार्य 2018 में शुरू हुआ था। आज तक पूरा नही हुआ इस सड़क पर रोड़े डालकर कार्य को अधुरा छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि कोसली से रेवाड़ी जाने के लिए सबसे छोटा रास्ता है तथा दो रेलवे स्टेशनों को यह सड़क जोड़ती है। अशोक पंच ने बताया कि यह खेतों को जाने वाला रास्ता है। जिस कारण किसान, बच्चे, बुढे, महिलाएं सड़क पर ठोकरे खाने को मजबूर है। तीन महीने से बंद पड़ा कार्यः अशोक पंच ने बताया कि 3 माह से सड़क पर रोड़े डालकर कार्य को अधुरा छोड़ कर मार्किटिंग बोर्ड गहरी नींद सो गए है। सड़क का कार्य बंद होने से रोड़े बिखरे पड़े हैं, जिस कारण वाहन चालक तथा महिलाए इन रोड़ो पर गिर कर घायल हो जाती है। उन्होंने कहा कि किसान खेत में जाने के लिए इसी सड़क का प्रयोग करते है तथा उनकों खेतों से हरा चारा लाते समय काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। प्रशासन सोया गहरी नींदः ग्रामीण जोगिन्द्र, देवेन्द्र, लीलाराम, राजबीर, डॉ रामरवरूप, मंजूबाला, सरोज, कलावती, सुभ्रा देवी, धर्मवती, उर्मिला, अशोक पंच आदि ग्रामीणों ने बताया कि कोसली से नांगल पठानी सड़क का निर्माण कार्य अधुरा छोड़ कर प्रशासन गहरी नींद सोया गया। जिस कारण ग्रामीणों को आने जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। सी.एम. विंडो सदस्य एवं कष्ट निवारण समिति के सदस्य अशोक पंच ने कहा कि अगर प्रशासन ने 15 दिन के अंदर इस सड़क निर्माण का कार्य पूरा नही किया तो उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत सिंह चौटाला से मिल कर शिकायत की जाएगी। कार्यकारी अभियंता का कहनाः जब कोसली से नांगल पठानी सड़क निर्माण के कार्य अधुरा छोड़ने के बारे में मार्किटिंग बोर्ड के कार्यकारी अभियंता डी.पी. नैन से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि बिजली के खम्बे हटाने तथा बिल के पैसे नहीं आने के कारण यह कार्य अधुरा है।

जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में तापमान में गिरावट

एजेंसी

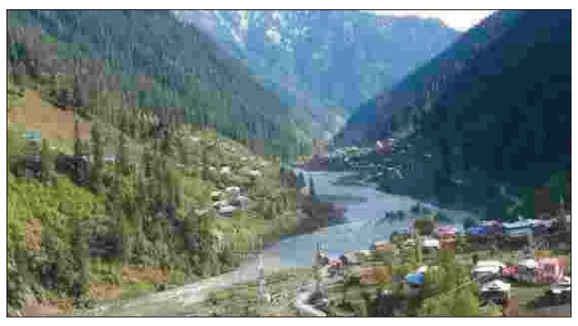

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में नदी में बुधवार को अचानक बाढ़ आ गई जिस कारण पांच लोग फंस गए। ये जानकारी अधिकारियो द्वारा दी गयी है। अधिकारियों ने कहा कि कश्मीर में भारी बारिश की वजह से घाटी के लोग बाढ़ को लेकर चिंतित हैं जबकि अमरनाथ गुफा मंदिर सहित ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी से दिन के तापमान में भारी गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि अनंतनाग जिले के संगम में जल स्तर 18.18 फुट नपा गया जो खतरे के निशान यानी 18 फुट से थोड़ा ऊपर है। मुख्य रूप से कुलगाम जिले से होकर बहने वाली वैशव धारा भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। अधिकारियों ने बताया कि सुबह 10 बजे से जलस्तर घटने लगा। ऊपरी इलाकों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश की वजह से पारा काफी लुढ़क गया है जिससे श्रीनगर में करीब 48 सालों में जून में सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया है। वही पूँछ में भी हाई अलर्ट कर दिया गया है सभी पूँछ के लोगो को जो नदी के पास रहते है उन्हें सुरक्षित जगह पर रहने की सलाह दी गयी है नदी नाले की तरफ ना जाने की भी वर्निंग लोगो को प्रशासन की तरफ से दी गई है श्रीनगर में मंगलवार को अधिकतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो साल के इस समय के सामान्य तापमान से 14.2 डिग्री कम है। श्रीनगर स्थित भारत मौसम विज्ञान विभाग के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार जून में सबसे ठंडा दिन 2015 में दर्ज किया गया था जब अधिकतम पारा 15.2 डिग्री सेल्सियस रहा था। जम्मू में मौसम केंद्र के मुताबिक किश्तवाड़ जिले में भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया गया है जिससे हवाई और सड़क यातायात बाधित हो सकता है।हालांकि राज्य आपदा मोचन बल के कर्मियों ने फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बचा लिया।

अधिकारियों ने बताया कि कुछ लोगों के फंसे होने की सूचना मिलने पर एसडीआरएफ के जवानों का एक दल मौके पर पहुंचा और बचाव अभियान चलाया गया। बता दें कि पिछले चार दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण कश्मीर में अधिकतर जलाशयों का जलस्तर बढ़ गया है और झेलम नदी बुधवार को अनंतनाग जिले के संगम में बाढ़ के खतरे के निशान को पार कर गई है।

10 वर्षों से जर्जर भवन में चल रहा है बिजली बोर्ड का कार्यालय

भवन गिरने से कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

एनसीआर समाचार

हरियाणा कोसली दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम कोसली का कार्यालय 10 वर्षों से जर्जर भवन में चल रहा है तथा कभी भी गिर सकता है। बिजली विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस भवन में 6 कमरे है, जिनकी छतों से बरसात में पानी टपकता है। जिस कारण कार्यालय से रिकॉर्ड समेत सभी कागजात पानी में भीग जाते हैं। कमरों की छतो का लेंटर टूट रहा है जिसको देखकर ऐसा लगता है कि यह भवन कभी भी गिर सकता है। इस भवन की दीवारों से बरसात में पानी टपकता है। इस कार्यालय के नीचे काम करने वाले कर्मचारियों की जिंदगी हमेशा खतरे में बनी रहती है तथा काम करते समय डर का भय भी बना रहता है। इस कार्यालय में करीब 15 कर्मचारी कार्यरत है जिनकी जान हमेश खतरे में बनी रहती है। बरसात के दिनों में कार्यालय में पानी टपकने से कार्य बाधित होता है, जिससे कर्मचारी परेशान हो जाते हैं और जब इस बारे में बिजली बोर्ड के एस.सी. एम.एल. रोहिल्ला से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि बिजली के सिविल विभाग को इसका प्रपोजल भेज रखा है तथा शीघ्र ही बिजली बोर्ड कार्यालय कोसली के भवन का निर्माण कार्य शुरू हो सकता है।

अलका लांबा ने किया मीडिया के सामने हाई वोल्टेज ड्रामा

एनसीआर समाचार

कांग्रेस नेता अलका लांबा अक्सर अपनी अजीबों गरीब हरकतों की वजह से सुर्खियों में बनी रहती है। इस बार भी उन्होंने कुछ ऐसा ही किया, जिसकी वजह से वह चर्चाओं में आ चुकी है। वह अग्निपथ योजना के मुद्दों कि बात का विरोध कर रही है और अपने गुस्से का प्रदर्शन करके आम जनता को दिखा रही है। वहीं अभी भी राहुल गांधी से प्रवर्तन निर्देशालय की पूछताछ कर जारी है। दिल्ली में अग्निपथ योजना के खिलाफ कांग्रेस नेता अलका लांबा ने जमकर हाई वोल्टेज ड्रामा किया है।अलका लांबा ने इस बार कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सड़क पर बैठकर केंद्र सरकार के खिलाफ पर्दशन किया। अलका लांबा ने पुलिसकर्मियों के समझाने पर भी उनकी बात नहीं मानी है और उस बीच सड़क पर बैठकर तमशा करना शुरू कर दिया। अलका लांबा को देखकर लग रहा था की वो आज घर से ही विरोध करने की सोचकर आई है। उनको देखकर ये पता चल रहा था। कि आज उन्हें कुछ अलग करना है। इस विरोध को करते हुए वह अपने इसी नाटकीय को हकीकत में करने में उतारु हो गई।

दिल्ली मौजपुर के एक व्यक्ति को कई अपराधों में किया गया गिरफ्तार

एनसीआर समाचार

दिल्ली पुलिस ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के मौजपुर इलाके में एक घर से एक व्यक्ति को कई अपराधों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान अल्मास खान उर्फ अल्लू उर्फ सलमान, उम्र 30 वर्ष के रूप में की गई है, जिसके खिलाफ धारा 186 (लोक सेवक को सार्वजनिक कार्यों के निर्वहन में बाधा डालना), 353 (लोक सेवक को उसके कर्तव्य के निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल) के तहत मामला दर्ज किया गया है। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 307 (हत्या का प्रयास) और पीएस जाफराबाद में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 34 (सामान्य इरादे को आगे बढ़ाने में कई व्यक्तियों द्वारा किए गए कार्य) और शस्त्र अधिनियम की धारा 25 और 27। व हत्या के दो मामले, हत्या के प्रयास के चार मामले, लोक सेवकों को सार्वजनिक कार्यों के निर्वहन में बाधा डालने, डकैती, स्नैचिंग आदि सहित 12 अन्य आपराधिक मामलों में भी शामिल पाया गया है। उस व्यक्ति की पहचान तब हुई जब पुलिस पीएस शास्त्री पार्क के क्षेत्र में बाइक जैक करने के एक संदिग्ध आरोपी के मार्ग का पता लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही थी, जिसके लिए सोमवार को धारा 392 (डकैती की सजा) और 34 (डकैती की सजा) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। डकैती के लिए सजा और आईपीसी के 34 (सामान्य इरादे को आगे बढ़ाने में कई व्यक्तियों द्वारा किए गए कार्य)। पुलिस के अनुसार पूर्वी जिले में बाइक जैकिंग की घटना हुई जिसकी प्राथमिकी मंगलवार को थाना प्रीत विहार में दर्ज की गई, जहां पाया गया कि शास्त्री पार्क से जैक की गई बाइक का इस्तेमाल प्रीत विहार घटना में किया गया था। दोनों ही घटनाओं में मोडस ऑपरेंडी एक जैसी दिख रही थी। इस पर काम करते हुए पुलिस को पता चला कि पूर्वी जिले से जैक की गई बाइक पर दुर्गापुरी चौक के पास ट्रैफिक पुलिस ने मुकदमा चलाया/जब्त कर ली। सीसीटीवी फुटेज को स्कैन करने के बाद, बाइक जैकर की पहचान स्थापित करने के लिए जानकारी को और विकसित किया गया। तकनीकी निगरानी और मानव खुफिया के माध्यम से अधिक जानकारी एकत्र की गई। देर शाम मौजपुर के शिव मंदिर मार्ग स्थित एक मकान में संदिग्ध को नोटिस किया गया। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधिकारी और कमरे में मौजूद व्यक्तियों के बीच एक संक्षिप्त हाथापाई में, एक व्यक्ति ने कर्मियों की ओर गोली चला दी, जिनकी गोली दीवार पर लगी और कर्मचारियों ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें संदिग्ध अल्लू घायल हो गया।

संक्षिप्त समाचार

गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने वार्ड क्रमांक 33 से भाजपा पार्षद

सत्यम भगत को निर्विरोध निर्वाचित होने पर माला पहना दिया और उनको मिठाई खिलाकर बधाई दी। सत्यम भगत वार्ड क्रमांक 33 से भाजपा पार्षद पद के प्रत्याशी बने थे और उनमें से जो निर्विरोध निर्वाचित हुए है। मध्यप्रदेश में इस बार आदिवासी समाज में सबसे कम उम्र में सत्यम भगत पार्षद बने है। उस मौके पर गुड्डी साहू, अतुल भूरे, चौधरी मान सिंह, कुशवाह अंकित शर्मा, कमलेश सरगया मौजूद वहां उपस्थित थे।

जनहित ट्रस्ट की बैठक फतेहाबाद कार्यालय में संपन्न हुई

हरियाणा फतेहाबाद समाज सेवी संस्था जनहित ट्रस्ट जो की लगातार समाज सेवा, भलाई, मदद के कार्य करती आ रही है। गतदिवस वाइस चेयरमैन डॉ.सुनील भारद्वाज की अध्यक्षता में फतेहाबाद में ट्रस्ट टीम की एक बैठक संपन्न हुई जिसमें चेयरमैन रमेश शाक्य, सचिव महिंद्र वर्तिया, सलाहकार फौजी सिंह मौजूद रहे और जनहित ट्रस्ट से जुड़े तमाम लोगों, गरीब परिवारों को अधिक लाभ कैसे दिया जाए इस पर गहनता से विचार विमर्श किया गया और बेरोजगारों को ट्रस्ट के माध्यम से रोजगार देने के लिए भी रणनीति बनाई गई। ट्रस्ट समाज सेवा के साथ साथ रोजगार से साधन भी उपलब्ध करवाने के लिए प्रयासरत है।

डीग मानसून से पहले नगर पालिका प्रशासन ने नहीं कराई नालियों की सफाई

मानसून आने से पहले नगर पालिका प्रशासन ने नहीं कराई नालियों की सफाई जिसकी वजह से कस्बे के कामा गेट स्थित अरविंद कॉलोनी वार्ड नंबर 4 में प्री मानसून की पहली बरसात ने नगरपालिका की पोल खोल कर रख दी है। प्री मानसून की पहली बरसात होने से मैन रास्ता अवरुद्ध हो गया है। इसकी वजह से लोगों को पानी में निकलना उनकी मजबूरी बन गया है। वार्ड नंबर 4 के पार्षद प्रतिनिधि रामेश्वर सैनी ने बताया कि कई बार मोहल्ले वासी नगर पालिका अध्यक्ष व नगर पालिका अधिशासी अधिकारी को अवगत करा चुके हैं। लेकिन किसी ने अभी तक कुछ मोहल्ले की तरफ पलट कर भी नहीं देखा। मोहल्ले वालों का कहना है की वोटों के टाइम पर लोग यहां आकर बड़े बड़े वादे करते हैं लेकिन काम निकल जाने के बाद कोई यहां की खबर लेने भी नहीं आता। मोहल्ले वासियों का कहना है कि अगर इस रास्ते को नगर पालिका प्रशासन ने अति शीघ्र सही नहीं कराया तो वह एक आंदोलन करेंगे जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। आए दिन बरसात में जलभराव के कारण पानी घरों में घुस जाता है जिसकी वजह से लोग परेशान होते हैं। पानी में गिर कर बुजुर्ग बच्चे आए दिन घायल हो जाते हैं।

अधिवक्ता पर जान लेवा हमले पर अभिभाषक संघ में भारी रोष

मनीष चिप्पा / एनसीआर समाचार

अजमेर में मंगलवार रात्रि को राजस्थान राजस्व अभिभाषक संघ अजमेर के सदस्य नरपत सिंह भांकल के साथ किसी नामचीन ढाबे के कर्मचारियों ने एक साथ मिलकर भांकल की मोटर साईकिल से चाबी निकाल कर गाली-गलोच के साथ जानलेवा हमला किया गया। जिसके चलते आज राजस्थान रेवेन्यू बार एसोसिएशनस अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह नरुका के नेतृत्व में सैकड़ो वकीलों के साथ कोतवाली थाने में धरना प्रदर्शन कर व राजस्व मंडल एवं समस्त अधीनस्थ राजस्व न्यायालयों में न्यायिक कार्य स्थगित रखने का निर्णय लिया गया। साथ ही उक्त घटनाक्रम के संबंध में कोतवाली थाना अधिकारी से मिलकर दोषियों पर जल्द से जल्द कार्यवाही की मांग की। अध्यक्ष नरुका बताया की हमारे अधिवक्ता के साथ हुईं गुंडागर्दी पर हम ठोस निर्णय लेते हुए कल गुरुवार को दोषी अतिक्रमणी व अवैध चल रहे ढाबे पर कार्यवाही हेतु अजमेर नगर निगम आयुक्त व जिला कलक्टर को ज्ञपन दिया जाएगा।

कांग्रेस नेता सम्पत लाल गर्ग ने की मुख्य सचिव निरंजन आर्य से मुलाक़ात

मनीष चिप्पा / एनसीआर समाचार

बांडनवाड़ा में आज सोजत-पाली में कांग्रेस नेता सम्पत लाल गर्ग ने अधिवक्ता चैम्बरस के शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री के सलाहकार व पूर्व मुख्य सचिव निरंजन आर्य से मुलाकात कर भिनाय क्षेत्र मुख्य समस्याओं से अवगत कराया और साथ ही ग्राम पंचायत गूढा खुर्द में 6 वर्ष से टूटे हुए एनिकट का बारिश से पूर्व निर्माण पूर्ण करवाने पर भी आभार व्यक्त किया। आर्य ने भिनाय उपखण्ड के अधिकारियो को फोन कर समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। गर्ग व राकेश बाल्दी ने आर्य को चांदी के राधे कृष्णा की मूर्ति भेट उनका स्वागत सम्मान किया।

कोटपुतली थाना में महिला सुरक्षा सखी की बैठक का आयोजन, सवाई सिंह प्रभारी की अध्यक्षता कोटपूतली थाने में हुई

राजस्थान कोटपुतली में मंगलवार को महिला सुरक्षा सखी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राजकोट सिटीजन के बारे में जानकारी देते हुए असामाजिक तत्वों की सूचना तुरन्त पुलिस को देने व अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस का सहयोग किये जाने की बात कही गई। वहीं गाँव के छोटे-मोटे एवं घरेलू विवाद व बिजली-पानी की समस्या का समाधान स्थानीय सरपंच व सीएलजी के सदस्यों एवं महिला सुरक्षा सखी के माध्यम से किये जाने के निर्देश दिये गये। साथ ही प्रत्येक घर से एक एक व्यक्ति को समय-समय पर गाँव में गश्त करने की भी बात कही गई ताकि अपराधियों पर अंकुश लगाया जा सके, कोटपूतली स्तर पर एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा महिलाओं के सम्मान के लिए- बालिका व महिलाओं को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत महसूस हो तो तुरंत पुलिस को सूचना दे-कोई भी मनचला या अपराधी महिलाओं को परेशान करता है तो तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन में सूचना दें ताकि अपराधी पर कार्रवाई हो सके। ऐसे लोगों से डरे नहीं बल्कि बेझिझक होकर सामना करें महिला उत्पीड़न व अत्याचार की रोकथाम के लिए अभियान भी चलाया जा रहा है पुलिस के द्वारा महिला सुरक्षा सखियों का हौसला अफजाई भी की व थाना एसएचओ के द्वारा महिला सुरक्षा सखियों के कार्यों की प्रशंसा की गई।

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की धरपकड़ का अभियान जारी

लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकी संगठन का किया भंडाफोड़

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों का धरपकड़ जारी है। इसी कड़ी में जम्मू-कश्मीर के बड़गाम जिले में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और लश्कर के तीन सहयोगियों को गिरफ्तार किया।इस ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद के साथ लश्कर-ए-तैयबा की आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की। इस मामले में एक चीनी पिस्तौल, दो पिस्टल मैगजीन, 21 पिस्टल, एक एके मैगजीन और 32 एके राउंड सहित आतंकी

अपराध में इस्तेमाल की गई एक बाइक भी बरामद की गई है। प्रारंभिक जाँच में पता चला है कि गिरफ्तार आतंकवादी सहयोगी आतंकवादियों हथियारों और विस्फोटक समाग्री के परिवहन में शामिल रहे है। और जिले के लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों को रसद सहायता प्रदान कर रहे थे। कानून की संबंधित धाराओं के तहत चदूरा पुलिस स्टेशन चदूरा में मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच की जा रही है।केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पुलवामा और बारामूला जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मंगलवार को मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि, आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने बारामूला जिले के सोपोर इलाके के तुलिबल गांव में घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था। आतंकवादियों के सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाने से अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों ओर से किसी के हताहत होने की अभी कोई खबर नहीं है। प्रवक्ता ने बताया कि, दूसरी मुठभेड़ दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के तुज्जान इलाके में हुई है जहां एक आतंकी को ढेर कर दिया गया है उसके संबंध में विस्तृत जानकारी अभी नहीं मिल पाई है। बता दें कि, मुठभेड़ अभी भी जारी है। बता दें कि, इससे पहले सोमवार को भी कुपवाड़ा और कुलगाम जिले में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए जा रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों में भारतीय सुरक्षा बलों ने दो पाकिस्तानी आतंकवादियों सहित चार आतंकवादियों को मार गिराया था। वहीं बीते 20 दिनों में 22 दहशतगर्दों का सफाया किया जा चुका है।

लश्कर के तीन सहयोगियों को गिरफ्तार

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों का धरपकड़ लगातार जारी है। इसी कड़ी में जम्मू-कश्मीर के बड़गाम जिले में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और लश्कर के तीन सहयोगियों को गिरफ्तार किया। इस ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद के साथ लश्कर-ए-तैयबा की आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की। इस मामले में एक चीनी पिस्तौल, दो पिस्टल मैगजीन, 21 पिस्टल, एक एके मैगजीन और 32 एके राउंड सहित आतंकी अपराध में इस्तेमाल की गई एक बाइक भी बरामद की गई है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार आतंकवादी सहयोगी आतंकवादियों, हथियारों और विस्फोटक सामग्री के परिवहन में शामिल रहे हैं और जिले के लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों को रसद सहायता प्रदान कर रहे थे। कानून की संबंधित धाराओं के तहत चदूरा पुलिस स्टेशन चदूरा में मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच की जा रही है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पुलवामा और बारामूला जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मंगलवार को मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि, आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने बारामूला जिले के सोपोर इलाके के तुलिबल गांव में घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था। आतंकवादियों के सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाने से अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों ओर से किसी के हताहत होने की अभी कोई खबर नहीं है।

कांग्रेस ने रावतपुरा महाराज के कहने पर उनके भाई को दिया टिकट

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश में चर्चित रावतपुरा महाराज की छवि भाजपा समर्थित संत की है। इसके बाद भी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने रावतपुरा महाराज रविशंकर शर्मा के कहने पर टीकमगढ़ के वार्ड क्रमांक 17 में पार्षद का टिकट बदलकर रावतपुरा महाराज के चचेरे भाई गौरव शर्मा को दे दिया है। इससे कांग्रेस में भारी रोष दिखाई दे रहा है। टीकमगढ़ नगर पालिका चुनाव में कांग्रेस ने पूर्व मंत्री यादवेन्द्र सिंह के कहने पर वार्ड क्रमांक 17 में अनिल बड़कुल को प्रत्याशी घोषित किया था। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस को यदि बहुमत मिलता तो अनिल बड़कुल नगर पालिका अध्यक्ष के प्रबल दावेदार भी थे। लेकिन अचानक रावतपुरा महाराज ने कमलनाथ से फोन पर

बात की। कमलनाथ ने रावतपुरा महाराज के कहने पर अपनी ही पार्टी के जिला उपाध्यक्ष अनिल बड़कुल का टिकट काटकर रावतपुरा महाराज के चचेरे भाई गौरव शर्मा को उम्मीदवार घोषित कर दिया है। इधर अनिल बड़कुल का टिकट कटने से कांग्रेस पार्टी और जैन समाज में भारी रोष है। पूर्व मंत्री यादवेन्द्र सिंह भी नाराज बताए जा रहे हैं। बताया जाता है यादवेन्द्र सिंह ने बड़कुल का टिकट काटने पर अपनी आपत्तिजनक प्रदेश कांग्रेस मे दर्ज करा दी है।

एक जिला एक उत्पाद पहल के तहत मेगा क्रेता-विक्रेता बैठक संपन्न

एनसीआर समाचार

टिकाऊ व्यापार को बढ़ावा देने और बाजार संपर्क बनाने की दृष्टि से, मंत्रालय के सहयोग से वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग की वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट पहल के तहत एक मेगा क्रेता-विक्रेता बैठक आयोजित की गई थी। उत्तर पूर्व क्षेत्र और इसके सार्वजनिक उपक्रमों, उत्तर पूर्वी हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम और उत्तर पूर्व क्षेत्रीय कृषि विपणन निगम लिमिटेड के विकास के लिए। यह बैठक उत्तर पूर्वी क्षेत्र के आठ राज्यों के कृषि उत्पादों पर केंद्रित थी और कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडों की उपस्थिति देखी गई। पूर्वोत्तर राज्यों में से प्रत्येक के विभिन्न जिलों के 70 से अधिक विक्रेताओं, व्यापारियों, किसानों, एग्रीगेटर्स - असम, अरुणाचल प्रदेश,

मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम - ने गुवाहाटी में बैठक में खरीदारों को अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। उत्पादों में 7% से अधिक करक्यूमिन सामग्री के साथ मेघालय की विश्व प्रसिद्ध लकडोंग हल्दी, सिक्किम से जीआई टैग की गई बड़ी इलायची और त्रिपुरा की रानी अनानास, ऑर्थोडॉक्स असम चाय, मणिपुर का काला चाखाओ चावल और बहुत कुछ शामिल हैं। इन उत्पादों को रिलायंस और आईटीसी जैसे बड़े ब्रांडों के साथ-साथ भारत में आने वाले स्टार्ट-अप का प्रतिनिधित्व करने वाले 30 से अधिक बड़े खरीदारों को दिखाया गया है। कार्यक्रम के लिए मुख्य भाषण लोक रंजन, सचिव, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय ने विभिन्न राज्य सरकारों के कृषि और बागवानी विभागों के अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों की उपस्थिति में दिया। बी. रामंजनेयुलु, निदेशक डीपीआई आईटी, मनोज कुमार दास, प्रबंध निदेशक, एनईआरएएमएसी, और ब्रिगेडियर आरके सिंह, प्रबंध निदेशक, एनईएचएचडीसी भी उपस्थित थे। पूर्वोत्तर क्षेत्र के किसानों उत्पादकों को समर्थन देने के लिए स्थापित एनईआरएएमएसी किसानों और बड़े बाजार के बीच की खाई को पाटने के लिए काम कर रहा है। इस प्रकार, ओडीओपी पहल के सहयोग से वर्तमान क्रेता-विक्रेता बैठक में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

संयुक्त प्रयासों के माध्यम से, किसानों की कमाई क्षमता में सुधार के लिए क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ उत्पादों का बड़े ब्रांडों के साथ मिलान किया जा रहा है। सभी 8 एनईआर राज्यों के खरीदारों, विक्रेताओं और राज्य सरकार के प्रतिनिधियों के बीच केंद्रित व्यापार चर्चा को भी सुगम बनाया गया। इसके अतिरिक्त, रुपये के आशय के पत्र।

ग्राम बामणवास के जीण माता मंदिर में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

एनसीआर समाचार

राजस्थान कोटपुतली में विशाल भंडारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पाई पंगत प्रसादी कोटपुतली निकटवर्ती ग्राम बामणवास स्थित श्री जीण माता मंदिर का वार्षिकोत्सव समारोह मंगलवार को बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर विशाल मेले का आयोजन हुआ। वहीं भंडारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी ग्रहण कर श्री जीण माता के दर्शन किये। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना ने शिरकत करते हुए माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान

विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कसाना ने केंद्र व राज्य सरकार पर जमकर निशाने साधे। अग्निपथ योजना पर मोदी सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए उन्होंने कहा कि देश की सेवा व रक्षा का प्रण लेने वाले किसान पुत्रों व युवाओं के हितों पर यह योजना कुठाराघात है। जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कसाना ने कहा कि मुझे हार जीत की परवाह नहीं है। लेकिन जहाँ भी युवाओं व किसानों के हितों की बात होगी, सड़कों पर उतरकर संघर्ष किया जाएगा। चाहें सरकार कोई भी मुकदमा लगा दे। इस दौरान जयराम ठेकला, लालचंद म्हासी एंड पार्टी द्वारा माता के भजनों की सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। मंदिर महंत मोहनदास जी महाराज द्वारा आशीर्वचन कहे गए। विशिष्ठ अतिथि के रूप में आरजेडी प्रदेशाध्यक्ष रामनिवास यादव, भाजपा नेता मुकेश गोयल, विहिप प्रांत उपाध्यक्ष पूरण मल भरगड़ ने भी शिरकत की। अतिथियों का ग्रामीणों व समिति सदस्यों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान पूर्व सरपंच प्रेम सराधना, लीलाराम पंच, विक्रम शर्मा, प्रकाश यादव, बंटी रावत, श्रीराम पंच, मक्खन लाल गुरुजी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

वरिष्ठ पत्रकारों को वरीयता, जेसीआई राष्ट्रीय सलाहकार समिति गठित

एनसीआर समाचार

पत्रकारों की समस्याओ पर गहनता से विचार करके उन्हे शासन प्रशासन से अवगत कराने व समस्याओ के निराकरण के प्रयास के लिए गैर मान्यताप्राप्त पत्रकारों की संस्था जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंड़िया ने राष्ट्रीय सलाहकार समिति का गठन किया है। इस समिति में कई प्रदेशो के वरिष्ठ पत्रकारों को स्थान दिया गया। ज्ञात हो कि पूर्व में घोषित राष्ट्रीय सलाहकार कमेटी का कार्यकाल पूर्ण होने पर राष्ट्रीय कमेटी की अनुशंसा पर संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग सक्सेना ने राष्ट्रीय सलाहकार कमेटी की घोषणा की। साथ ही आशा की है कि यह सलाहकार कमेटी संस्था को पत्रकारों के हितार्थ कार्य में सहयोग करेगी। साथ ही पत्रकारों के हितार्थ कार्यो मे पत्रकारों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगी।

इस कमेटी मे असम के पूर्व जस्टिस विकास कुमार जी को स्थान दिया गया है।जिससे पत्रकारों की समस्याओ पर कानूनी रूप से सहयोग मिल सके।इसी तरह से उत्तर प्रदेश में गाजीपुर जिले से वरिष्ठ पत्रकार डा0 ए के राय जी फतेहपुर से वरिष्ठ पत्रकार डा0 आर सी श्रीवास्तव जी व पीलीभीत से नीरज राज सक्सेना जी को इस समिति में शामिल किया गया है। तो वहीं झारखंड से वरिष्ठ पत्रकार अशोक कुमार झा जी को और राजस्थान से स्वतंत्र पत्रकार राजूचारण जी को जेसीआई ने अपनी राष्ट्रीय सलाहकार समिति में शामिल किया है।

जम्मू कश्मीर में तेज बारिश से जून में हुआ सर्दी का एहसास

एजेंसी

जम्मू कश्मीर में वर्ष के सबसे लंबे दिन 21 जून को गर्मी बेहाल करने वाली होती है, लेकिन इस वर्ष पूरी कश्मीर घाटी कड़ाके की ठंड की चपेट में है। जम्मू कश्मीर में मौसम ऐसा बदला कि जून के महीने में फरवरी जैसी ठंड हो गई। इन दो महीनों में वादी का तापमान अमूमन 33 डिग्री से ऊपर बना रहता है, जिससे कश्मीर में भीषण गर्मी का प्रकोप बना रहता है, लेकिन बीते चंद दिनों से पहाड़ों पर हो रहे हिमपात से तापमान में आई भारी गिरावट से समूची वादी भीषण ठंड की चपेट में आ गई है। यहां फरवरी के महीने का अहसास हो रहा है। गुलमर्ग का अधिकतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस के साथ वादी का सबसे ठंडा क्षेत्र रहा। मौसम विभाग के उपाध्यक्ष डा. मुख्तार अहमद ने कहा कि इस बार जून में हिमपात के कारण तापमान में भारी गिरावट देखने को मिला। यह असामान्य नहीं है, लेकिन ऐसा कम ही होता है। उन्होंने कहा कि 1975 में भी जून महीने में वादी के अधिकांश इलाकों में अधिकतम तापमान 14-16 डिग्री रिकार्ड किया गया था। यह तापमान यहां अमूमन फरवरी के महीने में रहता है। उन्होंने यह भी कहा कि 22 जून बुधवार दोपहर के बाद से वादी के मौसम में सुधार आना शुरू हो जाएगा और तापमान में भी सुधार आने लगेगा। उच्च पर्वतीय इलाके में रुक-रुक हिमपात और निचले क्षेत्रों में वर्षा जारी रही। मौसम के मिजाज में आए बदलाव के बीच कश्मीर के उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में रुक-रुक कर हिमपात होता रहा, जबकि घाटी के अलावा पूरे जम्मू संभाग में

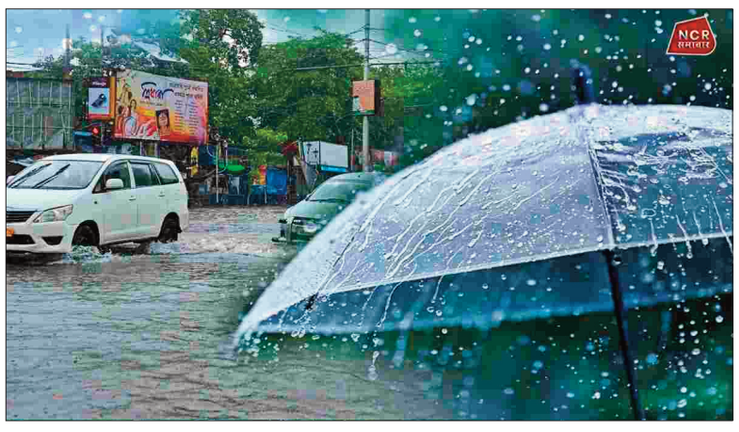

रुक-रुक बारिश होती रही। अफरवट, सोनमर्ग, पवित्र अमरनाथ गुफा समेत उच्च पर्वतीय इलाकों में ताजा हिमपात हुआ है। हिमपात और बारिश से जनजीवन भी प्रभावित रहा। मौसम विभाग ने बुधवार दोपहर तक कई स्थानों पर गरज के साथ बारिश होने की संभावना जताई है। राजोरी की कोटरंका तहसील के ढोक इलाके में बिना मौसम की बर्फबारी से चरवाहों के 20 परिवार फंस गए हैं। साथ ही जम्मू में बिजली गिरने और अत्यधिक ठंड से कई मवेशियों के मरने की भी सूचना है। वहीं, श्रीनगर में मंगलवार को छह साल में जून महीने का सबसे ठंडा दिन बीता। उच्च पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी और बारिश से कई इलाके ठंड से कांपने लगे हैं। यहां तापमान सामान्य से 17 डिग्री तक गिर गया है। इस बीच मौसम विज्ञान केंद्र ने बुधवार से मौसम में सुधार होने का पूर्वानुमान दिया है। ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में छह साल बाद मंगलवार को दिन का अधिकतम तापमान 14.0 (सामान्य से 14.3 डिग्री कम) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इससे पहले 4 जून 2015 को दिन का पारा 14.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। कश्मीर और जम्मू संभाग के उच्च पर्वतीय इलाकों में पिछले चौबीस घंटे में बारिश से पारा गिर गया है। जून माह में भी पर्वतीय इलाकों में सुबह और शाम के समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है, जिससे बचने के अलाव भी जलाए जा रहे हैं। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के उपनिदेशक डॉ. मुख्यितार अहमद के अनुसार श्रीनगर में छह साल बाद मंगलवार को जून में सबसे सर्द दिन बीता है। प्रदेश में बारिश और बर्फबारी से कई जिलों में दिन का पारा सामान्य से 14 से 16 डिग्री तक गिर गया है। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के अनुसार बुधवार को जम्मू और कश्मीर के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है, लेकिन अधिकतर मौसम साफ रहेगा। रामबन के पंथियाल क्षेत्र में देर शाम तक पहाड़ों से पत्थर गिरने का सिलसिला जारी था। राजोरी और रियासी जिला के बॉर्डर कोसर नाग पर भारी बर्फबारी हुई है। जिला उधमपुर, सांबा और कठुआ में भी बारिश हुई है। पूँछ जिला में पुरे दिन बारिश से बुरा हाल रहा सब और सभी के कामकाज ख़राब हो गए।

संपादकीय

उपचुनाव परिणाम यूपी में आगे की राजनीति की दशा-दिशा तय करेंगे

उत्तर प्रदेश की दो लोकसभा सीटों के लिए चुनाव प्रचार थमने के बाद अब लोगों की नजर 23 को मतदान और 26 जून को नतीजों पर आकर टिक गई है। कहने को तो यूपी की 80 में से मात्र दो लोकसभा सीटों आजमगढ़ और रामपुर में उप-चुनाव हो रहा है, लेकिन इन दोनों सीटों के नतीजों की गूंज दूर तक सुनाई देगी। इसीलिए इन दो लोकसभा सीटों के चुनाव ने प्रदेश में सियासी पारा गरमा दिया है। यूं तो दोनों ही सीटें समाजवादी पार्टी का गढ़ मानी जाती हैं, लेकिन बीजेपी और बहुजन समाज पार्टी यहां सेंधमारी में पूरी ताकत से लगी हैं। आजमगढ़ लोकसभा सीट, जहां से 2019 में सपा मुखिया अखिलेश यादव खुद चुनाव लड़कर संसद पहुंच चुके हैं। वह सीट अखिलेश के लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफे के बाद खाली हुई है। वहीं दूसरी रामपुर लोकसभा सीट सपा का कद्दावर मुस्लिम चेहरा माने जाने वाले आजम खान की है, जिनका इस इलाके में दबदबा माना जाता है। वह रामपुर की राजनीति के चाणक्य माने जाते हैं, जिसके ऊपर हाथ रख देते हैं उसकी चुनाव में जीत सुनिश्चित हो जाती है। 2024 में होने वाले आम चुनाव से करीब दो साल पहले हो रहे उप-चुनाव में बीजेपी ने सपा के खिलाफ अपना पूरा जोर लगा दिया है। यह चुनाव उस समय होने जा रहा है जबकि पैगंबर साहब पर बीजेपी की एक पूर्व नेत्री के विवादित बयान देने के बाद मुसलमान वोटर भड़का हुआ है। नुपूर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कई जगह हिंसा हो चुकी है, लेकिन अभी नुपूर शर्मा की गिरफ्तारी नहीं हुई है। वहीं सेना में भर्ती के लिये लाई गई 'अग्निपथ' योजना को लेकर युवाओं का गुस्सा चरम पर है। इसको लेकर कई जगह युवा सड़क पर उतर कर उपद्रव कर रहे हैं। उक्त दो मुद्दों को लेकर बीजेपी चुनाव में अपने आप को असहज महसूस कर रही है। ताजा राजनीतिक घटनाक्रम को देखें तो आजमगढ़ जिस बेल्ट में आता है, वहां से भारी संख्या में युवा सेना में जाते हैं। केंद्र सरकार की हालिया अग्निपथ योजना को लेकर देश भर में विरोध चल रहा है। ऐसे में आजमगढ़ का चुनाव बीजेपी की इस नई स्कीम को लेकर जनमत का टेस्ट भी कर देगा कि वोट देते समय लोग इस स्कीम को ध्यान में रखकर फैसला लेंगे या नहीं? आजमगढ़ लोकसक्षा क्षेत्र की बात करें तो यहां से मुलायम परिवार के ही धर्मेंद्र यादव उम्मीदवार हैं। बीजेपी ने भोजपुरी सिने स्टार दिनेश लाल यादव पर पुनः दांव लगाया है। बीएसपी ने यहां स्थानीय नेता गुड्डू जमाली को उतार कर लड़ाई को एक बार फिर दिलचस्प बना दिया है। उलेमा कौंसिल ने भी जमाली को स्थानीय नेता बताकर उनका समर्थन करने का निर्णय लिया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव को यहां से 60 फीसदी वोट मिले थे लेकिन इस बार हालात अलग हैं। पहले तो पिछली बार उम्मीदवार अखिलेश यादव थे लेकिन इस बार लोकप्रियता के पैमाने पर दिनेश लाल यादव धर्मेंद्र यादव से कहीं आगे हैं। इसके साथ ही विधान सभा चुनाव के बाद कई मुस्लिम संगठन भी समाजवादी पार्टी पर मुसलमानों का साथ नहीं देने का आरोप लगा चुके हैं। ऐसे में बसपा नेता गुड्डू जमाली सपा के लिए मुसीबत का सबब बन सकते हैं। वैसे भी मायावती विधान सभा चुनाव के बाद लगातार मुसलमानों को आगाह कर रही हैं कि वह अखिलेश यादव के बहकावे में नहीं आएं। सपा मुसलमानों को छल रही है। वैसे भी गुड्डू जमाली इलाके में लोकप्रिय नेता हैं। इसके अलावा बीजेपी के उम्मीदवार दिनेश लाल यादव यादव सपा के यादव वोटों को अपनी ओर खींच सकते हैं। सपा के लिए यह सीट प्रतिष्ठा का सवाल है तो बीजेपी के लिए भी यह रण उसकी सियासी धमक के जीतना जरूरी है। आजमगढ़ में बीजेपी नेता, समाजवादी पार्टी के खिलाफ परिवारवाद को मुद्दा बनाए हुए हैं तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनाव प्रचार के दौरान सपा नेता और यहां के निवर्तमान सांसद अखिलेश पर आजमगढ़ की जनता के साथ धोखा किए जाने का आरोप लगाते रहे। बीजेपी लगातार यह दावा करती है कि उत्तर प्रदेश में उसने परिवारवाद को खत्म कर दिया है। ऐसे में आजमगढ़ चुनाव जीतकर वह अपने इस दावे को और पुख्ता करने की कोशिश करना चाहती है। यही वजह है कि मुस्लिम-यादव बहुल इलाके में अपनी जीत तय करने के लिए पार्टी ने अपने सभी दिग्गजों को चुनाव प्रचार के मैदान में उतारा। डिप्टी सीमए केशव मौर्य से लेकर योगी आदित्यनाथ ने तो वहां रैली की ही इसके साथ ही पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सूर्य प्रताप शाही को क्षेत्र में चुनाव की कमान संभाले रहे।

इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि आजमगढ़ चुनाव को लेकर बीजेपी कितनी गंभीर है। आजमगढ़ के बाद रामपुर लोकसभा सीट की बात की जाए तो यहां से आजम खान सांसद थे और उन्होंने रामपुर से ही विधानसभा सीट जीतने के बाद लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उस समय वह जेल में थे। वहीं से चुनाव जीत गए थे, अब यह सीट खाली हुई तो आजम खान बाहर आ गए हैं। अंदाजा लगाया जा सकता है कि जो शख्स आजम खान जेल में रहकर अपना चुनाव बेहद आसानी से जीत सकता है, वह अपने क्षेत्र में खुला घूमते समय क्या कर सकता है। इसीलिए बीजेपी ने इस सीट पर पूरी तरह से अपनी नजर गड़ा रखी है। सपा का गढ़ और मुस्लिम बहुल होने के बावजूद रामपुर में बीजेपी अपनी पूरी शक्ति के साथ चुनाव लड़ रही है। बीजेपी के उम्मीदवार घनश्याम लोधी हैं, जो पहले सपा में रह चुके हैं। वह आजम खान के करीबी भी माने जाते रहे हैं। रामपुर में आजम खान की बीजेपी सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ से अदावत के चर्चे सियासी गलियारों से लेकर चौक-चौराहे तक में खूब सुनने को मिल जाते हैं। सरकार बनने के बाद से ही योगी ने आजम खान पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया था। आजम को जेल भी जाना पड़ा था। ऐसे में रामपुर की जंग इस अदावत में शक्ति प्रदर्शन का अखाड़ा भी बन सकती है। हालांकि, बीजेपी के लिए यह आसान नहीं होगा। सपा ने यहां से आजम के करीबी आसिम रजा को टिकट दिया है। आजम खान उप-चुनाव को लेकर काफी सक्रिय भी हैं और लगातार मंचों पर भाषणों के दौरान अपने रंग में लौटते नजर आ रहे हैं। बीजेपी और योगी सरकार पर वह लगातार हमलावर रहते हैं। रामपुर में बीजेपी अगर जीतती है तो इस जीत के बाद वह जोरशोर से यह प्रचारित करने की कोशिश करेगी कि सरकार बनने के बाद आजम खान पर लिए गए ऐक्शन का 'सियासी शत्रुता से कोई संबंध नहीं था। साल 2024 के चुनाव के मद्देनजर मुस्लिम वोटों के भगवा पार्टी के साथ होने के दावे का परीक्षण भी इस चुनाव में हो जाना है। बहरहाल, चुनाव प्रचार अब थम गया है। 23 जून को मतदान और 26 को मतगणना होगी।

आने वाला समय अग्निवीरों का ही है

मृत्युंजय दीक्षित

तीनों सेना प्रमुखों के बाद देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अग्निपथ योजना को पूरी तरह लागू करवाने के लिए कमर कस ली है और यह भी बता दिया गया है कि अब यह योजना वापस नहीं होगी।

सेना में भर्ती के लिए अग्निपथ योजना की घोषणा होने के बाद अचानक ही बिहार सहित कई राज्यों में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। युवाओं की इस नाराजगी को ढाल बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरोधी भी आन्दोलन में कूद पड़े और मीडिया, सोशल मीडिया पर जहर बोने के साथ-साथ सड़कों पर भी आ गए। यह वही लोग हैं जो राफेल डील के खिलाफ भी हल्ला मचा रहे थे। प्रारंभिक दौर में हुए हिंसक प्रदर्शन के बाद युवाओं व जनमानस में व्याप्त हो रहे भ्रम को दूर करने के लिए तीनों सेनाओं की ओर से साझी प्रेस वार्ता के माध्यम से सभी संभावित प्रश्नों का उत्तर देकर भ्रांतियों का निवारण किया गया। स्पष्ट भी कर दिया गया कि अब यह योजन वापस नहीं होगी और भर्ती का कार्यक्रम भी जारी कर दिया गया। जिसके परिणामस्वरूप अग्निपथ के विरोधियों द्वारा भारत बंद का जो आह्वान किया गया था वह पूरी तरह से प्रभावहीन साबित हुआ लेकिन अग्निपथ के खिलाफ वह अभी भी काम पर लगे हुए हैं और जनहित याचिकाओं के माध्यम से इसे रोकना चाहते हैं, लेकिन अब सरकार भी सतर्क हो गयी है। तीनों सेना प्रमुखों के बाद देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अग्निपथ योजना को पूरी तरह लागू करवाने के लिए कमर कस ली है और यह भी बता दिया गया है कि अब यह योजना वापस नहीं होगी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कहा है कि अगर कल की तैयारी करनी है तो हमें बदलना होगा। उन्होंने कहा कि योजना के विरोध में किसी भी प्रकार का हिंसक प्रदर्शन बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। भविष्य में हम ऐसे परिदृश्य की ओर बढ़ रहे हैं जहां अदृश्य दुश्मनों के खिलाफ संपर्क रहित युद्ध होगा और देश को एक युवा चुस्त और सुप्रशिक्षित सेना की जरूरत है। पूरा युद्ध परिक्षेत्र एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। प्रौद्योगिकी तेज गति से आगे बढ़ रही है। अग्निपथ योजना एक ऐसी योजना है जिसकी चर्चा 1989 से हो रही है। कारगिल युद्ध के समय भी इसकी आवश्यकता महसूस की गई थी। सेना द्वारा अग्निपथ योजना के विषय में दी गई विश्वसनीय सूचनाओं के कारण इस बारे में फैली अफवाहें दूर हुई हैं। सेना ने कहा है कि सेनाओं में भर्ती की प्रक्रिया पूर्ववत रहेगी और पारंपरिक रेजीमेंट व्यवस्था भी जारी रहेगी। 75 फीसदी जवानों को 4 साल की सेवा का अवसर देने वाली योजना सेना के तीनों अंगों और रक्षा मंत्रालय के साथ-साथ सरकार के विभिन्न अंगों के बीच लंबे समय के विचार-विमर्श से सामने आई है। अग्निपथ योजना भारत के युवा वर्ग के लिए सर्वोत्तम है। इस योजना से देश के जवानों का प्रोफाइल युवा हो जायेगा। देश का उद्योग जगत भी अब अग्निपथ योजना के साथ खड़ा हो गया है। कई उद्योगपतियों ने अग्निवीरों के लिए बड़ी घोषणाएं भी की हैं। दुर्भाग्य की बात है कि जो अग्निपथ योजना आज देश की तीनों सेनाओं व युवा वर्ग के लिए अनिवार्य हो गयी है, उसी योजना के खिलाफ मोदी विरोधी बिना समझे और पढ़े अपने एक तय एजेंडे के तहत समाज में अफवाहें और भ्रम पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। अग्निपथ को लेकर मोदी विरोधियों के इरादे बहुत ही खतरनाक नजर आ रहे हैं। यह वही नेता व दल हैं जो कभी सर्जिकल स्ट्राइक पर सबूत मांग रहे थे, राफेल का विरोध कर रहे थे, सीडीएस के लिए अमर्यादित टिप्पणी कर रहे थे, देश के लिए किये गए रक्षा सौदे इन्हें पसंद नहीं थे लेकिन अग्निपथ योजना आते ही ये रातों रात सेना के भक्त हो गए। नई दिल्ली में कांग्रेसी नेताओं ने जमकर जहर उगला। एक पूर्व कांग्रेस विधायक इरफान सोलंकी ने यहां तक कह डाला कि हम यह योजना किसी भी हालत में लागू नहीं होने देंगे भले ही देश खून से लथपथ हो जाये। तृणमूल कांग्रेस की नेता और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि सेना में अग्निपथ स्कीम को शुरू करके बीजेपी आरएसएस की एक सेना बनाने की कोशिश कर रही है जिसमें हथियारबंद गिरोह होंगे और चुनाव के दौरान उनके काम आएंगे। हैरानी की बात यह है कि ममता बनर्जी ने यह आरोप विधानसभा में लगाया। इसके बाद बीजेपी ने भी तुरंत ममता से माफी की मांग की और कहा कि उन्होंने सेना का अपमान किया है। कांग्रेस के जमानती नेता पी चिदंबरम ने ट्वीट किया, "यदि आप ड्राइवर, धोबी या नाई की ट्रेनिंग लेना चाहते हैं तो अग्निवीर बनें। यदि आप पकोड़े तलना सीखना चाहते हैं तो अग्निवीर बनें। अगर आप सैनिक बनना चाहते हैं तो अप्लाई न करें।" एक वीडियो में दावा किया गया कि आने वाले समय में अग्निपथ स्कीम की भर्ती प्राइवेट एजेंसी करेगी। अग्निपथ योजना के खिलाफ सबसे अधिक जहर एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी उगल रहे हैं। इसके अलावा आप नेता संजय सिंह ने कहा कि सरकार अग्निपथ स्कीम के तहत भर्ती नौजवानों को न तो सैनिक मानेगी और न उन्हें शहीद का दर्जा देगी। उप्र में समाजवादी नेता अखिलेश यादव कह रहे हैं कि सरकार ने देश के युवाओं से सेना की वर्दी पहनने का हक छीन लिया है।

यह वही अखिलेश यादव हैं जो कहते थे कि हम बीजेपी की वैक्सीन नही लगवायेंगे। बड़ी मुश्किल से जमानत पर रिहा हुए आजम खान भी जहर उगल रहे हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती भी अग्निपथ के खिलाफ बयानबाजी कर रही हैं। बिहार में चारा घोटाले के आरोपी लालू यादव के बेटे व राजद नेता तेजस्वी यादव ने तो बीस सवाल तक पूछ डाले जिनका जवाब उन्हें दे दिया गया है। अग्निपथ व अग्निवीरों को लेकर विरोधी दलों के नेताओं का ये रवैया बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण तथा युवाओं व सेना का मनोबल गिराने वाला है। पुलवामा के आतंकी हमलों में जवानों के शहीद होने के बाद जब भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तानी घुसपैठियों के खिलाफ एयर स्ट्राइक की तो कांग्रेस तथा आप पार्टी के बड़े-छोटे नेता इसका सबूत मांग रहे थे जिसका आशय था कि वायुसेना ने एयर स्ट्राइक किया ही नहीं। मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भी सबूत मांगे थे। लोकसभा चुनावों के समय कांग्रेस के नेताओं ने सेना विरोधी जो बयानबाजी की थी, उसी का परिणाम है कि आज कांग्रेस देश से विलुप्ति के कगार पर आ खड़ी हुई है। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा से लेकर रणदीप सुरजेवाला तक सभी ने सबूत मांगे यहां तक कि जब सेना ने वीडियो जारी किया तब उसको भी इन लोगों ने फर्जी कह दिया था। यही नेता कभी राफेल डील का भी विरोध कर रहे थे और किसी भी हाल में राफेल को भारत नहीं आने देना चाह रहे थे। यह वही लोग हैं जिन्होंने राफेल डील के बाद प्रधानमंत्री मोदी को चोर कह दिया था कि लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मैं भी चौकीदार का नारा देकर 2019 के लोकसभा चुनावों की पूरी तस्वीर ही बदल डाली थी। आजादी के बाद जब नेहरू जी के शासनकाल में चीन के साथ सम्बन्ध खराब हो रहे थे उस समय जनरल करियप्पा ने कहा था कि सरहद तक रसद और शस्त्रास्त्र पहुंचाने के लिए सड़कें नहीं हैं, इस पर नेहरू ने क्या कहा था यह सब कुछ उस समय के अखबारों में देखा जा सकता है। इतना ही नहीं चीन के साथ युद्ध के समय नेहरू सरकार ने कथित रूप से युद्ध में वायुसेना का प्रयोग ही नहीं किया और नतीजा क्या हुआ देश जानता है।

जम्मू-कश्मीर में आयोजित होने वाला जी-20 शिखर सम्मेलन सभी दुष्प्रचारों की हवा निकाल देगा

नीरज कुमार दुबे

जहां तक जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत की भूमिका की बात है तो आपको बता दें कि भारत 1999 में जी-20 की स्थापना के बाद से ही इसका सदस्य है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2014 से जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

कश्मीर को लेकर फैलाये जाने वाले दुष्प्रचार का वैसे तो भारत हमेशा तगड़ा जवाब देता रहा है लेकिन अब कुछ ऐसा होने जा रहा है जिसके जरिये पूरी दुनिया जम्मू-कश्मीर के विकास और यहां के लोगों की भारत भक्ति को सीधे देख सकेगी। दरअसल दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के प्रभावशाली समूह जी-20 की बैठक जम्मू-कश्मीर में होने जा रही है जिसमें इन देशों के बड़े नेताओं समेत कई बड़ी राजनीतिक, कूटनीतिक और औद्योगिक हस्तियां शामिल होंगी। हम आपको बता दें कि मोदी सरकार द्वारा अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के तहत तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य को प्राप्त विशेष दर्जे की समाप्ति और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों का स्वरूप दिये जाने के बाद केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में आयोजित होने वाला यह पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन होगा। माना जा रहा है कि जी-20 सम्मेलन का आयोजन साल 2023 के अंत में जम्मू-कश्मीर में किया जायेगा। इसके लिए तैयारी भी शुरू कर दी गयी है। केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासन ने बैठकों के समग्र समन्वय के लिए पांच सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। हम आपको बता दें कि जी-20 में भारत और यूरोपीय संघ समेत 20 देश शामिल हैं। भारत के खास मित्र देश अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, जर्मनी, रूस और जापान तो जी-20 के सदस्य हैं ही साथ ही इस समूह के अन्य सदस्यों में चीन, अर्जेंटीना, ब्राजील, कनाडा, इंडोनेशिया, इटली, मेक्सिको, सउदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया और तुर्की भी शामिल हैं। जी-20 सम्मेलन में जिन विषयों पर अक्सर चर्चा होती है उनमें आतंकवाद, आर्थिक चिंताएं, ग्लोबल वार्मिंग और स्वास्थ्य आदि प्रमुख रहते हैं। जब जम्मू-कश्मीर में दुनिया के 20 बड़े देश आतंकवाद पर चर्चा कर रहे होंगे तो निश्चित रूप से पाकिस्तान और उसके आका चीन को मिर्ची लगेगी। देखा जाये तो जम्मू-कश्मीर में जी-20 सम्मेलन का आयोजन भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत है क्योंकि जी-20 में चीन और तुर्की भी शामिल हैं जोकि कश्मीर मुद्दे को लेकर हमेशा पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाते नजर आते हैं। वैसे अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद विश्व जगत का यह पहला जम्मू-कश्मीर दौरा नहीं होगा। हम आपको याद दिला दें कि 5 अगस्त 2019 के भारत सरकार के फैसले के बाद जब पाकिस्तान ने दुनियाभर में रोना-पीटना शुरू किया था तब भारत ने कई विदेशी राजनयिकों और नेताओं को जम्मू-कश्मीर का दौरा करवा कर वहां की हकीकत दिखायी थी। भारत सरकार के इस कदम से पाकिस्तान के आरोपों की हवा निकल गयी थी। अब जब भारत में पहला जी-20 शिखर सम्मेलन होने जा रहा है तो उसके लिए आयोजन स्थल के रूप में जम्मू-कश्मीर का चयन दर्शाता है कि इस केंद्र शासित प्रदेश को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए मोदी सरकार कितना प्रयत्न कर रही है। हाल ही में जम्मू-कश्मीर में जो निवेशक सम्मेलन आयोजित किया गया था उसने भी इस केंद्र शासित प्रदेश को औद्योगिक राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त किया है। अब जी-20 शिखर सम्मेलन के आयोजन से पहले यहां बुनियादी ढांचे के और विकास तथा अन्य संबंधित परियोजनाएं मिलने से रोजगार भी बढ़ेगा और लोगों की सहुलियतें भी बढ़ेंगी। जहां तक जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत की भूमिका की बात है तो आपको बता दें कि भारत 1999 में जी-20 की स्थापना के बाद से ही इसका सदस्य है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2014 से जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। भारत एक दिसंबर 2022 से जी-20 की अध्यक्षता करेगा और 2023 में पहली बार जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन का आयोजन करेगा। माना जा रहा है कि अध्यक्ष पद पर भारत के कार्यकाल का समापन इस शिखर सम्मेलन के साथ ही होगा। जहां तक जी-20 सम्मेलन के भारत में आयोजन के संबंध में बनायी गयी समिति की बात है तो हम आपको बता दें कि एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के आवास एवं शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव समिति के अध्यक्ष होंगे। यह समिति जी-20 बैठकों के समग्र समन्वय का काम करेगी। समिति के सदस्यों में आयुक्त सचिव (परिवहन), प्रशासनिक सचिव (पर्यटन), प्रशासनिक सचिव (आतिथ्य एवं प्रोटोकॉल) और प्रशासनिक सचिव (संस्कृति) शामिल हैं। आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि इसके अलावा, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में जी-20 बैठकों की व्यवस्था के समन्वय के लिए सरकार के प्रधान सचिव (आवास और शहरी विकास विभाग) को केंद्र शासित प्रदेश स्तर के नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। बहरहाल, जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन स्थल बनने से जम्मू-कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

गिलगिट-बाल्टिस्तान क्षेत्र चीन को पट्टे पर देकर बड़ी गलती करने जा रहा है पाकिस्तान

नीरज कुमार दुबे

नकदी के संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की मदद उसका दोस्त चीन कर तो रहा है लेकिन मदद के बदले में उससे बड़ी कीमत भी वसूल रहा है। पहले ही चीन के कर्ज के जाल में बुरी तरह फंसे पाकिस्तान ने नकदी संकट को हल करने के लिए चीन से एक दिन पहले ही 2.3 मिलियन डॉलर का ऋण और ले लिया है। यह ऋण मिलने से उसकी कुछ आर्थिक दिक्कतें तो दूर हो गयी हैं लेकिन यह चिंता और बढ़ गयी है कि इतना कर्ज चुकेगा कैसे? पाकिस्तान सरकार ने इस मुद्दे पर गहरा मंथन करने के बाद कर्ज चुकाने के लिए जो तरीका खोजा है उसको लेकर बड़ा बवाल होने की संभावना है। दरअसल मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक चीन के कर्ज के जाल में बुरी तरह फंस चुका पाकिस्तान राहत पाने के लिए गिलगिट-बाल्टिस्तान क्षेत्र को चीन को सौंप सकता है। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान ने कश्मीर के जिस भाग पर अवैध कब्जा किया हुआ है उसके उत्तरी क्षेत्र को गिलगिट-बाल्टिस्तान के नाम से जाना जाता है। पाकिस्तान सरकार ने कुछ समय पहले इस क्षेत्र को अपना पांचवां प्रांत भी घोषित किया था। यदि पाकिस्तान ने यह क्षेत्र चीन को पट्टे पर दिया तो भारत के साथ उसका तनाव गंभीर स्थिति में पहुँचने की पूरी संभावना है। वैसे भी इस समय दक्षिण एशिया में अपना दबदबा बनाने और भारतीय सीमाओं के निकट पहुँचने को आतुर दिख रहा चीन गिलगिट-बाल्टिस्तान इलाके पर बहुत समय से नजरें गड़ाये है। इसके अलावा चीन पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर भी इसी क्षेत्र से गुजरता है इसलिए चीन के लिए यह क्षेत्र महत्वपूर्ण कड़ी है। दूसरी ओर, पाकिस्तान सरकार की मंशा भांपकर गिलगिट-बाल्टिस्तान के लोग भय के साये में जी रहे हैं और उनका आक्रोश भी बढ़ता जा रहा है। भले पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की यहां पर बड़ी तैनाती हो लेकिन यदि इस क्षेत्र को चीन को पट्टे पर दिया गया तो यहां बड़ा विद्रोह हो सकता है। हम आपको बता दें कि पहले ही गिलगिट-बाल्टिस्तान क्षेत्र में चल रही चीनी परियोजनाओं को लेकर स्थानीय लोग नाराज चल रहे हैं और यहां अक्सर विरोध प्रदर्शन और दंगे होते रहते हैं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक पाकिस्तान सरकार ने यह क्षेत्र चीन को पट्टे पर दिया तो लोग सड़कों पर उतर कर विरोध करने की तैयारी कर रहे हैं। जहां तक इस इलाके के वर्तमान परिदृश्य की बात है तो आपको बता दें कि गिलगिट-बाल्टिस्तान क्षेत्र के लोगों के साथ पाकिस्तान सरकार की बेरुखी और भेदभाव की वजह से ही यहां के स्थानीय प्रशासन को कम अधिकार दिये गये हैं। 20 लाख की आबादी वाले इस शिया-सुन्नी क्षेत्र के लोगों का पाकिस्तान की सरकार में भी उचित प्रतिनिधित्व नहीं है। पाकिस्तान सरकार इस इलाके के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन तो खूब करती है लेकिन इसके बदले में देती कुछ नहीं है। यही नहीं बिजली जैसी बुनियादी जरूरत से इस क्षेत्र को दूर रखा गया है। गिलगिट-बाल्टिस्तान क्षेत्र पाकिस्तान के राष्ट्रीय ग्रिड का हिस्सा नहीं है इसीलिए यहां मात्र दो घंटे ही बिजली आती है। यही नहीं किसी भी विद्युत या अन्य परियोजना पर भी इस क्षेत्र का अपना नियंत्रण नहीं है। गिलगिट-बालिटस्तान क्षेत्र के लोग बेरोजगारी, बिजली की कमी, शिक्षा का अभाव और अन्य बुनियादी सुविधाओं की बड़ी कमी के चलते पहले ही परेशान चल रहे हैं और सर्वाधिक पलायन की खबरें भी यहीं से आती हैं। इस क्षेत्र में बेहाली का क्या आलम है यह इसी से समझा जा सकता है कि पाकिस्तान में सबसे ज्यादा आत्महत्याएं इसी इलाके में होती हैं। बहरहाल, जहां तक गिलगिट-बाल्टिस्तान क्षेत्र को चीन को पट्टे पर दिये जाने के प्रस्ताव की बात है तो ऐसा करने से पाकिस्तान के सिर पर से चीनी कर्ज का बोझ भले कुछ कम हो जाये लेकिन भारत से दुश्मनी बढ़ जायेगी। भारत ने पाकिस्तान को सदैव स्पष्ट रूप से बताया है कि गिलगिट और बाल्टिस्तान क्षेत्रों सहित जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उसके अभिन्न अंग हैं। इसलिए पाकिस्तान को अपने निर्णय पर पुनर्विचार करना चाहिए कहीं पट्टे पर देने की जल्दबाजी में उसे बड़ा फटका ना लग जाये।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

मुद्रास्फीति की लगातार ऊंची दर प्रमुख चिंता का कारण: आरबीआई गवर्नर

एजेंसी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास समेत मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सभी छह सदस्यों ने लगातार बनी हुई उच्च मुद्रास्फीति पर चिंता जताई है और जोर देकर कहा कि केंद्रीय बैंक का प्रयास तय सीमा के भीतर कीमतों में वृद्धि को कम करना है। केंद्रीय बैंक के बुधवार को जारी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के ब्योरे से यह जानकारी मिली। आरबीआई की नीतिगत दर तय करने वाली समिति ने बढ़ती मुद्रास्फीति को काबू में लाने के लिये इस महीने की शुरूआत में प्रमुख नीतिगत दर में 0.50 प्रतिशत की वृद्धि के पक्ष में मतदान किया था। यह पिछले पांच सप्ताह में दूसरी वृद्धि थी। इससे पहले मई में भी रेपो दर में 0.40 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। तीन दिवसीय बैठक के ब्योरे के अनुसार, गवर्नर ने कहा कि महंगाई की ऊंची दर चिंता का कारण बनी हुई है। लेकिन आर्थिक गतिविधियों में पुनरूद्धार जारी है और इसमें गति आ रही है। मुद्रास्फीति से प्रभावी तरीके से निपटने के लिये यह समय नीतिगत दर में एक और वृद्धि के लिये उपयुक्त है। उन्होंने कहा, ''इसी के अनुसार, मैं रेपो दर में 0.50 प्रतिशत वृद्धि के पक्ष में मतदान करूंगा। यह उभरती मुद्रास्फीति-वृद्धि की स्थिति के अनुरूप है और प्रतिकूल आपूर्ति

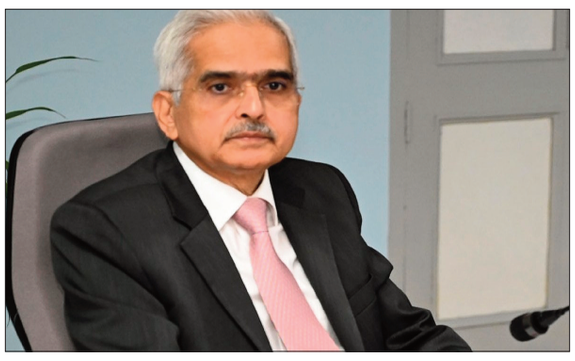

समस्याओं के प्रभावों को कम करने में मदद करेगा।'' दास ने कहा कि रेपो दर में वृद्धि मूल्य स्थिरता के प्रति आरबीआई की प्रतिबद्धता को मजबूत करेगी। केंद्रीय बैंक के लिये प्राथमिक लक्ष्य महंगाई को काबू में रखना है। यह मध्यम अवधि में सतत वृद्धि के लिये एक पूर्व शर्त है। रेपो दर को 0.50 प्रतिशत बढ़ाकर 4.9 प्रतिशत करने के साथ रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने मुद्रास्फीति अनुमान को भी संशोधित कर 6.7 प्रतिशत कर दिया है, जो पहले 5.7 प्रतिशत का था। इसके अलावा एमपीसी के सदस्य और आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा ने कहा कि वैश्विक मुद्रास्फीति संकट हाल के इतिहास में सबसे गंभीर खाद्य और ऊर्जा संकटों में से एक है जो अब दुनिया भर में सबसे कमजोर लोगों के लिए खतरा है।

उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच आपूर्ति श्रृंखला में बाधा के कारण मुद्रास्फीति बढ़ी है। आपूर्ति श्रृंखला की स्थिति से निपटने के लिए मौद्रिक नीति का इस्तेमाल किया गया और इससे निपटने का कोई अन्य विकल्प नहीं है। आरबीआई के कार्यकारी निदेशक और समिति के सदस्य राजीव रंजन ने कहा कि लंबे समय तक भू-राजनीतिक संकट और संघर्ष का कोई जल्द समाधान नहीं होने के कारण अनिश्चितताओं के बढ़ने से मुद्रास्फीति बढ़ रही है। समिति के स्वतंत्र सदस्य शशांक भिड़े ने कहा कि मार्च 2022 के बाद से जो मुद्रास्फीति का दबाव तेज हो गया है, वह वित्त वर्ष 2022-23 में चिंता का विषय बना रहेगा। यह स्थिति तब तक बनी रहेगी, जब तक अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति की स्थिति में तेजी से सुधार नहीं होता है। वहीं, रेपो दर को 4.9 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए मतदान करते हुए एमपीसी की सदस्य आशिमा गोयल ने कहा कि आगे के निर्णय आर्थिक वृद्धि और मुद्रास्फीति के परिणामों पर निर्भर करेंगे।

सरकार ने नेक्सन इलेक्ट्रिक वाहन में आग लगने की स्वतंत्र जांच के आदेश दिए

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने मुंबई में टाटा मोटर्स के नेक्सन इलेक्ट्रिक वाहन में आग लगने की घटना के स्वतंत्र जांच के आदेश दिए हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा, ''हमने नेक्सन ईवी में आग लगने की घटना की स्वतंत्र जांच के आदेश दिए हैं।'' उन्होंने बताया कि अग्नि, पर्यावरण तथा विस्फोटक सुरक्षा केंद्र (सीएफईईएस), भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) और नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल) को यह जांच करने के लिए कहा गया है। जांच के दौरान ये संस्थान उन परिस्थितियों का पता लगाएंगी, जिसके चलते आग लगी। ये संस्थान बचाव के उपाय के संबंध में सुझाव भी देंगे। टाटा मोटर्स ने कहा कि वह मुंबई में नेक्सन ईवी में आग लगने की घटना की जांच कर रही है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा, ''हाल ही में आग लगने की घटना के तथ्यों का पता लगाने के लिए एक विस्तृत जांच की जा रही है।'' इस घटना के संबंध में लोगों ने सोशल मीडिया पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। कंपनी ने कहा, ''हम अपने वाहनों और उनके उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' टाटा मोटर्स ने कहा कि लगभग चार साल में 30,000 से अधिक ईवी ने पूरे देश में 10 करोड़ किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की है और इस दौरान यह पहली घटना है।

बैंक संगठनों ने प्रस्तावित हड़ताल टाली

एजेंसी

नयी दिल्ली। बैंक कर्मचारी संगठनों ने 27 जून को होने वाली अपनी हड़ताल टाल दी है। भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के मांगों को लेकर बातचीत शुरू करने पर सहमति जताने के बाद संगठनों ने यह निर्णय किया है। ' ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कॉन्फेडरेशन (एआईबीओसी), ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉयज एसोसएशिन (आईबीईए) और नेशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ बैंक वर्कर्स (एनओबीडब्ल्यू) समेत नौ बैंक यूनियनों के संयुक्त मंच यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन (यूएफबीयू) ने पेंशन संबंधित मुद्दों और एक सप्ताह में पांच कार्य दिवस की मांग को लेकर हड़ताल पर जाने की धमकी दी थी। मुख्य श्रम आयुक्त की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद एआईबीईए के महासचिव सी एच वेंकटचलम ने बताया कि आईबीए के साथ समझौते के अनुसार, इन लंबित मुद्दों पर बातचीत एक जुलाई से शुरू होगी। इसके अलावा बैंक यूनियनों ने सभी पेंशनभोगियों के लिए नयी और संशोधित पेंशन योजना लागू करने के साथ राष्ट्रीय पेंशन योजना को हटाने तथा सभी बैंक कर्मचरियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को फिर से लागू करने की भी मांग की है।

खाद्य तेल कंपनियों ने एमआरपी 10-15 रुपये प्रति लीटर घटायी: सरकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। खाद्य सचिव सुधांशु पांडे ने बुधवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय दरों में नरमी और सरकार के समय पर हस्तक्षेप के कारण खुदरा बाजार में खाद्य तेल की कीमतें कम आने लगी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस महीने की शुरुआत से देश भर में मूंगफली के तेल को छोड़कर, डिब्बाबंद खाद्य तेलों की औसत खुदरा कीमतों में थोड़ी कमी आई है और यह 150 से 190 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच बनी हुई है। पिछले हफ्ते, खाद्य तेल कंपनियों- अडाणी विल्मर और मदर डेयरी ने विभिन्न प्रकार के खाद्य तेलों के लिए एमआरपी (अधिकतम खुदरा मूल्य) में 10-15 रुपये प्रति लीटर की कमी की। दोनों कंपनियों ने कहा कि नए एमआरपी वाला स्टॉक जल्द ही बाजार में आएगा। पांडे ने संवाददाताओं से कहा, ''सरकार के समय पर हस्तक्षेप और वैश्विक घटनाक्रम के कारण खाद्य तेलों की कीमतों में रुझान बहुत सकारात्मक है।'' उन्होंने कहा कि न केवल खाद्य तेल, खुदरा गेहूं और गेहूं के आटे की कीमतें भी स्थिर हैं, उन्होंने कहा कि घरेलू कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए नियम उपयोगी रहे हैं। खाद्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि प्रमुख खाद्य तेल ब्रांडों ने एमआरपी को चरणबद्ध तरीके से कम किया है और हाल ही में उन्होंने कीमतों में 10-15 रुपये प्रति लीटर की कटौती की है। उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, मूंगफली तेल (पैक) की औसत खुदरा कीमत 21 जून को 188.14 रुपये प्रति किलोग्राम जबकि एक जून को यह 186.43 रुपये प्रति किलोग्राम थी।

सरसों के तेल की कीमत एक जून के 183.68 रुपये प्रति किलो से मामूली गिरावट के साथ 21 जून को 180.85 रुपये प्रति किलो रह गई है। वनस्पति की कीमत 165 रुपये प्रति किलो पर अपरिवर्तित है। सोया तेल की कीमत 169.65 रुपये से मामूली घटकर 167.67 रुपये रह गई, जबकि सूरजमुखी की कीमत 193 रुपये प्रति किलो से थोड़ी घटकर 189.99 रुपये रह गई। पाम तेल का भाव एक जून के 156.52 रुपये से घटकर 21 जून को 152.52 रुपये प्रति किलो रह गया। विभागचावल, गेहूं, आटा, कुछ दाल जैसे 22 आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नजर रखता है। अडाणी विल्मर ने शनिवार को अपने खाद्य तेलों की कीमतों में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की। फॉर्च्यून रिफाइंड सूरजमुखी तेल के एक लीटर पैक की एमआरपी 220 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 210 रुपये कर दी गई है। फॉर्च्यून सोयाबीन और फॉर्च्यून कच्ची घानी (सरसों का तेल) एक लीटर पैक की एमआरपी 205 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 195 रुपये कर दी गई है। दिल्ली-एनसीआर में प्रमुख दूध आपूर्तिकर्ताओं में से एक मदर डेयरी ने पिछले हफ्ते कहा था कि उसने वैश्विक बाजारों में कीमतों में नरमी के साथ अपने खाना पकाने के तेल की कीमतों में 15 रुपये प्रति लीटर तक की कमी की है। कंपनी अपने खाद्य तेलों को धारा ब्रांड के तहत बेचती है। धारा सरसों तेल (एक लीटर पॉली पैक) की कीमत 208 रुपये से घटाकर 193 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। धारा रिफाइंड सूरजमुखी तेल (एक लीटर पॉली पैक) पहले के 235 रुपये प्रति लीटर से अब 220 रुपये में बेचा जाएगा। धारा रिफाइंड सोयाबीन तेल (एक लीटर पॉली पैक) की कीमत 209 रुपये से घटकर 194 रुपये हो जाएगी।

वीएफएस कैपिटल की पोर्टफोलियो 1,500 करोड़ रुपये तक पहुंचाने की योजना

कोलकाता। वीएफएस कैपिटल की अगले कुछ वर्षों में प्रबंधन-अधीन परिसंपत्ति (एयूएम) का आकार 803 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1,500 करोड़ रुपये तक ले जाने की योजना है और इसके लिए वह देश भर में अपनी शाखाओं की संख्या बढ़ाने जा रही है। वीएफएस कैपिटल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी कुलदीप मैती ने शुक्रवार रात को यहां एक कार्यक्रम में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वीएफएस कैपिटल अब राजस्थान में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराने जा रही है। उन्होंने कहा कि फिलहाल देश भर में कंपनी की 247 शाखाएं मौजूद हैं और इस वित्त वर्ष के अंत तक 35 नई शाखाएं खोलने की योजना है।

जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर की समय सीमा 2026 तक बढ़ी

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर लगाने की समयसीमा करीब चार साल के लिए बढ़ाकर 31 मार्च 2026 तक कर दी है। वित्त मंत्रालय द्वारा अधिसूचित माल एवं सेवा कर (उपकर की अवधि और संग्रह की अवधि) नियम, 2022 के अनुसार एक जुलाई 2022 से 31 मार्च 2026 तक क्षतिपूर्ति उपकर का आरोपण जारी रहेगा।

उपकर लगाने की समयसीमा 30 जून को ही समाप्त होने वाली थी लेकिन केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली जीएसटी परिषद ने इसकी समयसीमा को मार्च 2026 तक विस्तार देने का फैसला किया। बीते दो वित्त वर्षों में लिए गए कर्जों के पुनर्भुगतान के लिए इस समयसीमा को बढ़ाने का फैसला किया गया है। महंगी वस्तुओं और गैर जरूरी सामान पर लगने वाला क्षतिपूर्ति उपकर मार्च 2026 तक लिया जाएगा ताकि जीएसटी राजस्व में हुए नुकसान की राज्यों को भरपाई करने के लिए 2020-21, 2021-22 के दौरान लिए गए कर्जों का भुगतान हो सके। केंद्र ने उपकर संग्रह में आई गिरावट की भरपाई के लिए वित्त वर्ष 2020-21 में उधारी जुटाकर 1.1 लाख करोड़ रुपये जारी किए थे जबकि वित्त वर्ष 2021-22 में 1.59 करोड़ रुपये की उधारी ली थी। कई राज्यों ने केंद्र सरकार से क्षतिपूर्ति व्यवस्था जारी रखने की मांग करते हुए कहा था कि क्षतिपूर्ति व्यवस्था बंद होने से उन्हें राजस्व की किल्लत होने लगेगी। जीएसटी लागू होने पर राज्यों को होने वाली राजस्व क्षति की भरपाई के लिए क्षतिपूर्ति व्यवस्था लागू की गई थी। लेकिन इसे शुरू में सिर्फ पांच साल के लिए ही लागू किया जाना था जो 30 जून, 2022 को खत्म होने वाला था। केंद्र सरकारर ने राज्यों को 31 मई, 2022 तक देय जीएसटी क्षतिपूर्ति राजस्व का भुगतान कर दिया है।

रुपये में तेज उतार-चढ़ाव नहीं होने देगा केंद्रीय बैंक

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर माइकल डी पात्रा ने शुक्रवार को कहा कि रुपये में तेज उतार-चढ़ाव नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि हाल के समय में अन्य मुद्राओं की तुलना में रुपये की विनिमय दर में गिरावट सबसे कम रही है। 'वैश्विक स्तर पर संकट का प्रभाव और भारतीय अर्थव्यवस्था' विषय पर आयोजित संवाद सत्र में पात्रा ने कहा कि भारत के पास करीब 600 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है जो काफी अधिक है और यही वजह है कि रुपये की विनिमय दर में बहुत अधिक गिरावट नहीं आई। उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्री के कार्यक्रम में आरबीआई के डिप्टी गवर्नर ने कहा, ''हम इसकी (रुपये की) स्थिरता के लिए प्रयास करेंगे और यह प्रक्रिया लगातार चल रही है...।

जीएसटी परिषद की बैठक में क्षतिपूर्ति को जून के बाद भी जारी रखने पर जोर देंगे राज्य

एजेंसी

नयी दिल्ली। जीएसटी परिषद की अगले सप्ताह होने वाली बैठक काफी गर्माहट भरी रह सकती है, क्योंकि इस दौरान विपक्ष शासित राज्य राजस्व घाटे की क्षतिपूर्ति को जारी रखने की पुरजोर वकालत करेंगे। दूसरी ओर केंद्र ऐसे किसी कदम को तंग राजकोषीय स्थितियों का हवाला देते हुए रोकना चाहेगा। जीएसटी (माल एवं सेवा कर) क्षतिपूर्ति कोष में कमी को पूरा करने के लिए केंद्र ने 2020-21 में 1.1 लाख करोड़ रुपये और 2021-22 में 1.59 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया और राज्यों को जारी किया। उपकर संग्रह में कमी की वजह से ऐसा किया गया। इसके अलावा केंद्र कमी को पूरा करने के लिए कोष से नियमित जीएसटी मुआवजा भी जारी करता रहा है। एक अधिकारी ने कहा, ''केंद्र ने पिछले साल क्षतिपूर्ति उपकर संग्रह में से 7,500 करोड़ रुपये उधारी की ब्याज लागत के रूप में चुकाया, और चालू वित्त वर्ष में 14,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाना है। अगले वित्त वर्ष से मूल राशि की अदायगी शुरू होगी, जो मार्च 2026 तक जारी रहेगी।'' केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की 47वीं बैठक 28-29 जून को होगी और इसमें सभी राज्यों के वित्त मंत्री शामिल होंगे। बैठक के दौरान राज्यों के क्षतिपूर्ति तंत्र और राजस्व की स्थिति पर चर्चा होने की संभावना है। अनुमान के मुताबिक पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों को जीएसटी क्षतिपूर्ति की जरूरत नहीं है। लखनऊ में जीएसटी परिषद की 45वीं बैठक के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि राज्यों को राजस्व की कमी के लिए मुआवजे का भुगतान करने की व्यवस्था अगले साल जून में समाप्त हो जाएगी। देश में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को एक जुलाई 2017 से लागू किया गया था और राज्यों को जीएसटी के कार्यान्वयन के कारण होने वाले किसी भी राजस्व के नुकसान के एवज में पांच साल की अवधि के लिए क्षतिपूर्ति का आश्वासन दिया गया था।

कीटनाशकों पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने की जरूरत: धानुका एग्रीटेक प्रमुख

एजेंसी

नयी दिल्ली। धानुका एग्रीटेक समूह के अध्यक्ष आरजी अग्रवाल ने बुधवार को सरकार से बीज और उर्वरक जैसे कृषि कच्चा माल की तरह कीटनाशकों पर माल एवं सेवा कर मौजूदा 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने का अनुरोध किया। अग्रवाल ने सरकार से कृषि-रसायन क्षेत्र को उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत लाने और अंतरराष्ट्रीय विनिर्माण केंद्र स्थापित करने के लिए चीजें सुगम बनाने का भी आग्रह किया। अग्रवाल ने संवाददाताओं से कहा, ''फसल के नुकसान को कम करने के लिए कीटनाशक प्रमुख कृषि कच्चा माल है। कीटनाशकों पर जीएसटी को बीज और उर्वरक जैसे अन्य कृषि कच्चे माल की तरह घटाकर पांच प्रतिशत करना जरूरी है।'' उन्होंने यह भी कहा कि कृषि रसायन 'फॉर्मूलेशन' पर आयात शुल्क को मौजूदा 10 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने की आवश्यकता है। इसके अलावा, देश में जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली फसल के नुकसान को कम करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर नई कीटनाशक तकनीक का आयात करने की आवश्यकता है। फिक्की फसल संरक्षण समिति के अध्यक्ष की भी जिम्मेदारी निभा रहे अग्रवाल ने सरकार से नकली कीटनाशकों की बिक्री के खिलाफ सख्त कदम उठाने का भी आग्रह किया। किसानों को दिक्कतों से निपटने में मदद करने के लिए जमीनी स्तर पर संपर्क विस्तार करने की आवश्यकता है।

60वें जन्मदिन पर अडानी कुल संपत्ति का 8 फीसदी करेंगे दान

एजेंसी

मुंबई। दुनिया में अरबपतियों की लिस्ट में भारतीयों ने जमकर रंग बिखेरा है। बीते एक साल में न केवल भारतीय अरबपतियों की संपत्ति में जबरदस्त इजाफा हुआ है बल्कि कुछ नए अरबपति भी इस लिस्ट में शामिल हुए हैं। गौतम अडानी ने अपने नेटवर्थ में 49 बिलियन डॉलर को जोड़ कर अपना कुल नेटवर्थ 122.2 अरब डॉलर कर लिया था।

आज गौतम अडानी का 60वां जन्मदिन है। एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति, अदानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी और उनके परिवार ने उनके 60वें जन्मदिन के अवसर पर कई सामाजिक कार्यों के लिए 60,000 करोड़ रुपये दान करने का संकल्प लिया है। यह कोष अदानी फाउंडेशन द्वारा प्रशासित किया जाएगा।

60,000 करोड़ रुपये का दान

अडानी ने गुरुवार को एक साक्षात्कार में ब्लूमबर्ग को बताया कि स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए दान का प्रबंधन अदानी फाउंडेशन द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''यह भारतीय कॉर्पोरेट इतिहास में एक फाउंडेशन के लिए किए गए सबसे बड़े स्थानांतरणों में से एक है। बयान में कहा गया, ''गौतम अडानी के पिता शांतिलाल अडानी की जयंती और गौतम अडानी के 60वें जन्मदिन पर, अडाणी परिवार ने कई सामाजिक कार्यों के लिए 60,000 करोड़ रुपये का दान दिया है।'' यह भारतीय कॉरपोरेट इतिहास के सबसे बड़े दान

में से एक है और इसके साथ ही वह अजीम प्रेमजी, मार्क जुकरबर्ग और वॉरेन बफेट जैसे वैश्विक अरबपतियों की श्रेणी में शामिल हो गया है।

शुरुआती जीवन

गौतम अडानी का जन्म अहमदाबाद के रतनपोल स्थित मध्यमवर्गीय जैन परिवार में 24 जून 1962 में हुआ। इनके पिता का नाम शांतिलाल अडानी है, जो एक कपड़ा व्यापारी थे। इनकी मां का नाम शांताबेन। ये सात भाई-बहन हैं। गौतम अडानी जिनकी पत्नी का नाम है प्रीति अडानी। वो पेशे से डेंटिस्ट है लेकिन इस समय पर अडानी फाउंडेशन के चेयरपर्सन का कार्यभार संभाल रही हैं। उनकी पत्नी के नेतृत्व में अडानी फाउंडेशन शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, ग्रामीण विकास जैसे काम देखे जा रहे हैं। वो कई संगठनों के साथ मिलकर भी काम कर रही हैं। वहीं गौतम अडानी के दोनों बेटे करण और जीत अडानी अभी अपनी पढ़ाई कर रहे हैं।

अडानी और मोदी की दोस्ती

अडानी और मोदी का रिश्ता दो दशक पुराना है जब वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे। जैसा कि 2002 के हिंदू-मुस्लिम दंगों के के बाद अन्य व्यापारिक नेताओं द्वारा मोदी से मुंह मोड़ा गया तो उस दौर में पहली पीढ़ी के गुजराती उद्यमी अडानी का उन्हें समर्थन मिला। अडानी ने कुछ साल पहले ही भारत के पश्चिमी तट पर बंदरगाह स्थापित किया था। अब वह भारत की बंदरगाह क्षमता का 24 प्रतिशत नियंत्रित करता है, और हवाई अड्डों पर भी ऐसा ही होने वाला है। शेयर बाजार इस बात की प्रशंसा करता है कि कैसे अडानी ने अर्थव्यवस्था के अन्य हिस्सों में परिवहन बुनियादी ढांचे पर अपनी पकड़ बढ़ा दी है। अडानी कोयला खनन, बिजली उत्पादन और वितरण, सिटी गैस, खाद्य तेल शोधन. फसलों से लेकर डेटा तक हर चीज का भंडारण और अब सीमेंट सभी सेक्टर में अपना दबदबा बना रहे हैं।

अफगानिस्तान में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,150 हुई

एजेंसी

गायान (अफगानिस्तान)। अफगानिस्तान में शुक्रवार को सरकारी मीडिया में जारी ताजा आंकड़े के अनुसार, भीषण भूकंप के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 1,150 हो गई है। ईंट और पत्थरों से बने घर भूकंप के कारण मलबे में तब्दील हो गए हैं और मृतकों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

पहले से ही आर्थिक संकट का सामना कर रहे 3.8 करोड़ की आबादी वाले देश में लाखों बच्चों के गंभीर कुपोषण की चपेट में आने का खतरा है। इस बीच छह तीव्रता वाले भूकंप ने हजारों लोगों का आसरा छीन लिया है। सरकारी मीडिया ने बताया कि बुधवार को आए भूकंप में करीब 3,000 मकान नष्ट हो गए या बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। स्थानीय 'रेड क्रीसेंट' और 'वर्ल्ड फूड प्रोग्राम' जैसे सहायता संगठन सबसे कमजोर परिवारों को भोजन और अन्य आपातकालीन जरूरतों जैसे टेंट और सोने के लिए चटाई आदि मुहैया करा रहे हैं। सरकारी समाचार एजेंसी बख्तर के तालिबान निदेशक अब्दुल वाहिद रायन ने शुक्रवार को कहा कि पिछली रिपोर्ट के अनुसार 1,000 लोग मारे गए थे और ताजा रिपोर्ट के अनुसार मृतकों की संख्या बढ़कर 1,150 हो गई है। उन्होंने कहा कि कम से कम 1,600 लोग घायल हुए हैं। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने मरने वालों की संख्या 770 बताई है।

गायान जिले में भूकंप से कम से कम 1,000 मकान क्षतिग्रस्त हो गए। खोस्त प्रांत के स्पेरा जिले में 800 मकानों को नुकसान पहुंचा है, हालांकि आधुनिक इमारतें छह तीव्रता वाले भूकंप का सामना करने में सक्षम रहीं, लेकिन मिट्टी-ईंट के बने मकान और भूस्खलन संभावित पहाड़ ऐसे भूकंपों को और अधिक खतरनाक बनाते हैं। जर्मनी, नॉर्वे और कई अन्य देशों ने घोषणा की कि वे भूकंप प्रभावितों के लिए सहायता भेज रहे हैं, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वे केवल संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के माध्यम से काम करेंगे, तालिबान के साथ नहीं, जिसे अब तक किसी भी सरकार ने आधिकारिक तौर पर मान्यता नहीं दी है।

भोजन और अन्य आवश्यक सामग्री से भरे ट्रक पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान पहुंचे और मानवीय सहायता सामग्री से भरे विमान ईरान और कतर में उतरे। भारत ने कहा है कि उसकी सहायता सामग्री वहां मौजूद एक संयुक्त राष्ट्र एजेंसी और अफगान रेड क्रिसेंट सोसाइटी को सौंपी जाएगी।

स्पेन में घुसने के लिए मची भगदड़ में 18 प्रवासियों की मौत

एजेंसी

रबात। स्पेन में घुसने की कोशिश के दौरान देश के उत्तर अफ्रीकी एन्क्लेव मेलिला से सटी मोरक्को की सीमा पर शुक्रवार को बाड़ के पास मची भगदड़ में कम से कम 18 अफ्रीकी प्रवासियों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों पुलिसकर्मियों समेत कई अन्य घायल हो गए। मोरक्को के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुल 133 प्रवासी शुक्रवार को मोरक्को के नाडोर शहर और मेलिला के बीच की सीमा को पार करने में सफल रहे। पिछले महीने स्पेन और मोरक्को के बीच राजनयिक संबंधों में सुधार के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में लोगों के सीमा पार करने की घटना सामने आई है। मेलिला में स्पेन सरकार के कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि लगभग 2,000 लोगों ने सीमा पार करने का प्रयास किया, लेकिन कई को स्पेनिश सिविल गार्ड पुलिस और मोरक्को के सुरक्षाबलों ने बाड़ के दोनों ओर रोक दिया। मोरक्को के गृह मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि लोहे की बाड़ पर चढ़ने की कोशिश के दौरान भगदड़ मच गई, जिससे पांच प्रवासियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि लगभग 76 प्रवासी और मोरक्को के 140 सुरक्षा अधिकारी घायल हो गए। मोरक्को की आधिकारिक समाचार एजेंसी एमएपी ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि घायल प्रवासियों में से 13 की बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हो पर पहुंच गई। हालांकि, मोरक्को के मानवाधिकार संघ ने घटना में 27 लोगों की मौत होने का दावा किया है। वहीं, स्पेन के अधिकारियों ने कहा कि 49 सिविल गार्ड्स को मामूली चोटें आई हैं।

ब्रिक्स देशों को एक-दूसरे की सुरक्षा चिंताओं को समझना चाहिए: मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स ऑनलाइन शिखर सम्मेलन में कहा है कि सदस्य देशों को एक-दूसरे की सुरक्षा चिंताओं को समझना चाहिए और आतंकवादियों को नामित करने में परस्पर सहयोग प्रदान करना चाहिए। उन्होंने साथ ही इस बात पर जोर दिया कि इस संवेदनशील मुद्दे का ''राजनीतिकरण'' नहीं किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। यह टिप्पणी चीन द्वारा संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंध समिति के तहत पाकिस्तानी आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी के रूप में नामित करने के भारत और अमेरिका के संयुक्त प्रस्ताव को अवरुद्ध करने के कुछ दिनों बाद आई है। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर शुक्रवार को संपन्न हुए दो दिवसीय ब्रिक्स (ब्राजील-रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका) शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी के सुझावों और टिप्पणियों का विवरण प्रदान किया। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि ब्रिक्स सदस्य के रूप में हमें एक-दूसरे की सुरक्षा चिंताओं को समझना चाहिए और आतंकवादियों को नामित करने में आपसी समर्थन प्रदान करना चाहिए। इस संवेदनशील मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।'' बयान के मुताबिक, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने अफ्रीका, मध्य एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और हिंद-प्रशांत से लेकर कैरिबियन के साथ भारत की विकास साझेदारी पर प्रकाश डाला।

बाइडन ने महिलाओं के अधिकारों के संरक्षण के लिए हरसंभव प्रयास करने का संकल्प जताया

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने शुक्रवार को कहा कि वह उन राज्यों में गर्भपात संबंधी नियमों के मद्देनजर महिलाओं के अधिकारों के संरक्षण के लिए अपनी ''क्षमतानुसार'' हरसंभव प्रयास करेंगे, जहां इन्हें प्रतिबंधित किया जाएगा। उच्चतम न्यायालय द्वारा गर्भपात के लिए संवैधानिक सुरक्षा को खत्म करने के बाद बाइडन का यह बयान सामने आया है। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने कई साल पहले रो बनाम वेड मामले में दिए गए फैसले को पलटते हुए गर्भपात के लिए संवैधानिक संरक्षण को समाप्त कर दिया है। शुक्रवार को हुए इस घटनाक्रम से लगभग आधे राज्यों में गर्भपात पर प्रतिबंध लगने की संभावना है। बाइडन ने कहा कि राजनेताओं को उन फैसलों में हस्तक्षेप की अनुमति नहीं दी जाएगी जोकि एक महिला और उसके चिकित्सक के बीच होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अदालती फैसले को ''गलत'' करार दिया है। उन्होंने गर्भपात के लिए संवैधानिक सुरक्षा की वकालत करने वालों से अपील की कि वे केवल शांतिपूर्ण तरीके से विरोध-प्रदर्शन करें। बाइडन ने व्हाइट हाउस से संबोधित करते हुए कहा, ''आज का दिन अदालत और देश के लिए एक दुखद दिन है।'' उन्होंने कहा, ''मैं यह स्पष्ट कर दूं कि पूरे देश में महिलाओं का स्वास्थ्य और जीवन अब खतरे में है।'' बाइडन ने कहा कि अदालत ने कुछ ऐसा किया है जो पहले कभी नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि अदालत ने अमेरिकी जनता को अचानक एक संवैधानिक अधिकार से वंचित कर दिया। इस बीच, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उच्चतम न्यायालय के फैसले की सराहना की। उन्होंने 'फॉक्स न्यूज' के साथ साक्षात्कार में कहा कि यह फैसला प्रत्येक व्यक्ति के हित में है। उन्होंने कहा, ''यह फैसला संविधान का पालन और अधिकारों को बहाल करने जैसा है, जोकि बहुत पहले आ जाना चाहिए था।'' उधर, इस फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय के बाहर विरोध-प्रदर्शन की आशंका के चलते पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।

ओस्लो में गे बार में हुई गोलीबारी, 2 की मौत 14 से ज्यादा घायल

एजेंसी

नॉर्वे के ओस्लो में एक गे बार और नाइट क्लब में हुई गोलीबारी में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मीडिया ने नार्वे के अधिकारियों के हवाले से खबर दी है कि यह घटना शनिवार तड़के हुई। सीबीएस न्यूज ने ओस्लो पुलिस डिस्ट्रिक्ट के हवाले से बताया कि लंदन पब नाइट क्लब में कई गोलियां चलाई गईं। नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में एक नाइट क्लब और आसपास की सड़कों पर हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और 14 घायल हो गए। पुलिस ने संवाददाताओं को बताया कि एकमात्र अपराधी माने जाने वाले एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस प्रवक्ता टोरे बरस्टेड ने समाचार पत्र आफ्टेनपोस्टेन को बताया कि अपराध स्थल लंदन पब से एक पड़ोसी क्लब से होते हुए पास की एक गली तक फैला हुआ है जहां संदिग्ध को शूटिंग शुरू होने के कुछ मिनट बाद पकड़ा गया था। लंदन पब ओस्लो के केंद्र में एक लोकप्रिय समलैंगिक बार और नाइट क्लब है।सार्वजनिक प्रसारक एनआरके के पत्रकार ओलाव रोनेबर्ग ने बताया, मैंने देखा कि एक आदमी एक बैग के साथ आता है, उसने एक बंदूक उठाई और गोली चलाना शुरू कर दिया।यह तुरंत स्पष्ट नहीं था कि हमले का मकसद क्या था। अमेरिकी सीनेट ने गुरुवार रात को संयुक्त राज्य अमेरिका में बंदूक हिंसा को संबोधित करने के लिए एक द्विदलीय विधेयक पारित किया, जो लगभग 30 वर्षों में संघीय बंदूक सुधार का पहला बड़ा टुकड़ा है।

पाकिस्तान में थिएटर्स कंगाल, नहीं मिल रहे दर्शक, मुश्किल हो गया किराया और बिजली बिल जुटाना

एजेंसी

कराची में कुछ बची हुई सफल और सस्ती सिंगल स्क्रीन थियेटरों में एक में एक अनोखा पोस्टर चस्पा दिखा। जिसमें लिखा गया कि गुरुवार, 9 जून तक थियेटर बंद रहेगा। हालांकि उनके फेसबुक पेज पर नोटिस में बंद होने का कारण नहीं बताया गया था। लेकिन इसका कारण स्पष्ट था, लोग फिल्में देखने के लिए जा ही नहीं रहे हैं। वीकेंड में तो फिर भी थिएटर्स के अंदर लोग नजर आ जाते हैं, वीक डेज का नजारा तो सन्नाटों से भरा होता है। इसके साथ ही एक न्यूजपेपर एड के साथ बताया गया कि सिनेमा घर 10 जून को जुरासिक वर्ल्डः डोमिनियन के साथ फिर से खुल जाएगा। वैसे ये ये पहली बार नहीं था जब कैपरी सिनेमा ने अपनी विशाल सिनेमा स्क्रीन पर से पर्दा हटाया। 23 से 27 मई के बीच भी यही आलम देखने को मिला था। लेकिन ये नजारा केवल पाकिस्तान के सिंगल स्कीन्स का नहीं बल्कि मल्टीप्लेक्स भी ऐसी ही कंगाली के दौर से गुजर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो जिसकी वजह से अब उन्हें किराया और बिजली का बिल जुटाना मुश्किल हो रहा है। कहा तो ये भी जा रह है कि अगर ऐसा कुछ और वक्त तक चलता रहा तो कुछ टाइम के बाद वहां से सिनेमा का चलन ही विलुपत हो जाए। पाकिस्तान में बॉलीवुड फिल्मों के शोज बंद होने के बाद से ही फिल्मों के डिस्ट्रीब्यूटर, प्रोड्यूसर और थिएटर मालिकों के बीच एक शीत-युद्ध चल रहा था। सरकार द्वारा कोविड -19 प्रतिबंधों में ढील दिए जाने के बाद भी मल्टीप्लेक्स व्यवसाय खोलने के लिए इच्छुक नहीं थे। रिपोर्ट में एक सिनेमा मालिक ने बताया कि अगर ऐसे ही हालात रहे तो उसे अपना बिजनेस बंद करना पड़ेगा, क्योंकि खर्चे कमाई से कहीं ज्यादा भारी पड़ रहे हैं। सरकार इस ठंडे पड़ रहे सिनेमा बिजनेस को राहतों की आंच देती तो रहती है, मगर इसका बहुत असर होता नहीं दिखता। अगर मौजूदा स्थिति बनी रहती है, तो सरकार से वादा किए गए प्रोत्साहनों की कोई भी राशि फिल्मों को अपने पैरों पर वापस लाने में मदद नहीं कर सकती है।

ऑस्ट्रेलिया ने हुवाई पर पाबंदी लगाकर पहले 'हमला' किया : चीनी राजदूत

एजेंसी

कैनबरा। कैनबरा में चीनी राजदूत ने शुक्रवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया ने रिश्तों को खराब करने के लिए चार साल पहले ''पहली कार्रवाई''तब की जब तत्कालीन सरकार ने सुरक्षा चिंताओं के कारण चीनी दूरसंचार कंपनी हुवाई के देश की 5जी परियोजना में शामिल होने पर रोक लगा दी। ऑस्ट्रेलिया में तैनात चीनी राजदूत शिओ कियान ने जनवरी के बाद से पहली बारयूनिवर्सिटी टेक्नोलॉजी सिडनी में सार्वजनिक संबोधन दिया। उनके संबोधन को बार-बार मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने बाधित किया। चीनी राजदूत का यह बयान ऐसे समय आया है जब ऑस्ट्रेलियाई में पिछले महीने चुनाव के बाद नयी सरकार बनी है और बीजिंग ने रिश्तों पर जमी बर्फ को हटाने के संकेत दिए हैं। दोनों देशों के रिश्तों में वर्ष 2020 में तब खटास आ गई जब पूर्ववर्ती ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने कोविड-19 महामारी के स्रोत का पता लगाने के लिए स्वतंत्र जांच की मांग की। हालांकि, शिओ ने सरकार के 2018 के फैसले को रेखांकित किया जब हुवाई को ऑस्ट्रेलिया की 5जी परियोजना से बाहर कर दिया गया था और दावा किया कि यह दोनों देशों के रिश्तों के लिए अहम मोड़ था।

जिनपिंग का मोहरा बना नॉर्थ कोरिया, किम जोंग की हिट लिस्ट में जापान और दक्षिण कोरिया

एजेंसी

जिनपिंग सुपर पावर से सीधी टक्कर लेने से बचते हैं। उसके बजाय वह अपने दोस्त देशों की मदद से अमेरिका को उलझाए रहते हैं। किम जोंग जिनपिंग का ऐसा ही एक मोहरा है जो सुपरपावर को आंखें दिखाता है। अमेरिका के लाख मना करने पर भी किम परमाणु धमाके करता है। किम जोंग की हिट लिस्ट में जापान और दक्षिण कोरिया है। 4 जुलाई 2017 को कुसांग में किम जोंग ने अपने सबसे करीबी मिलिट्री ऑफिसर के साथ में मीटिंग किया। कुछ ही देर बाद सायरन बजा और उल्टी गिनती चालू हो गई। आग के शोलों को छोड़ती मिसाइल आसमान का सीना चीरते हुए अंतरिक्ष से बातें करने लगी। जमीन से 25 100 किलोमीटर दूरी पर यह मिसाइल गरज रही थी। फिर एक ब्लास्ट हुआ। यह नॉर्थ कोरिया का पहला इंटरकॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल टेस्ट था। जिस जगह पर ब्लास्ट हुआ वह जापान का स्पेशल इकोनामिक जोन था। गद्दी संभालने के 5 साल बाद क्यों जाऊंगा खुला ऐलान था यह कि वो अपने पिता और दादा से भी ज्यादा खूंखार हैं। अमेरिका को पता था कि नॉर्थ कोरिया के पास ना बैलेस्टिक मिसाइल कि तकनीक है न ही नेकलेस साइंटिस्ट का नेटवर्क। लेकिन फिर भी चीन प्रायोजित निकले प्रोग्राम की मदद से इन लोगों ने सफल परीक्षण कर लिया। जिसके पीछे की वजह किम जोंग की अदावत दक्षिण कोरिया से है और चीन सदियों से जापान को अपना जानी दुश्मन मानता है। जापान और दक्षिण कोरिया में गहरे रिश्ते हैं इसलिए ड्रैगन के कहने पर किम जोंग ने जापान को डराने के लिए मिसाइल छोड़ी प्रणाम एक वह दिन था और एक आज का दिन है ना जाने कितनी बार सी ऑफ जापान में किम जोंग मिसाइल दाग चुका है। 29 जून 1960 अमेरिका और जापान के बीच एक संधि हुई जिसके मुताबिक जापान पर कोई विदेश हमला करता है तो अमेरिका जंग में उतर जाएगा। इसलिए अब तक ना तो चीन और ना ही नॉर्थ कोरिया जापान पर हमले की जुर्रत कर पाया है।

तबाह हो चुके इलाकों को छोड़कर सुरक्षित ठिकानों की ओर बढ़ रही है यूक्रेन की सेना

एजेंसी

कीव। कई सप्ताह की भीषण लड़ाई के बाद यूक्रेन की सेना ने देश के पूर्वी हिस्से में तबाह हो चुके इलाकों को छोड़कर अपने गढ़ माने जाने वाले इलाकों की ओर जाना शुरू कर दिया है। यूक्रेन की सेना के एक क्षेत्रीय अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यूक्रेन के लुहांस्क क्षेत्र के प्रशासनिक केंद्र माने जाने वाले सिविएरोदोनेत्स्क शहर पर रूसी सेना की भीषण बमबारी के कारण औद्योगिक शहर के अधिकतर इलाके तबाह हो चुके हैं। रूसी हमले से पहले शहर की आबादी करीब 10 लाख थी, जो अब घटकर मात्र 10 हजार रह गयी है। बड़ी संख्या में लोग शहर से पलायन कर चुके हैं। सिविएरोदोनेत्स्क शहर के बाहरी इलाके में बने विशाल अजोत रासायनिक कारखाने की ओर लौटने से पहले यूक्रेन के सैनिकों ने रूसी सेना का डटकर मुकाबला किया। यूक्रेन के सैनिकों ने शहर के भूमिगत ठिकानों में रहकर रूसी सेना का मुकाबला किया। इन ठिकानों में करीब 500 आम लोगों ने भी शरण ली हुई

थी। हाल के दिनों में यूक्रेनी सेना को घेरने के प्रयास में रूसी सैनिकों ने सिविएरोदोनेत्स्क और पड़ोसी शहर लिसिचन्स्क के अधिकतर इलाकों पर कब्जा कर लिया है। रूस ने पूरे डोनबास क्षेत्र पर कब्जा करने के उद्देश्य से सिविएरोदोनेत्स्क और लिसिचन्स्क शहर को प्रमुख रूप से निशाना बनाया था और इन दोनों ही शहरों पर भीषण हमले हुए थे। डोनबास के लुहांस्क क्षेत्र का 95 प्रतिशत इलाका रूस के कब्जे में आ चुका है। इसके अलावा, डोनबास के दूसरे प्रांत दोनेत्स्क के आधे हिस्से पर भी रूसी सेना और अलगाववादियों का अधिकार हो चुका है।

FATF को दिखाने के लिए पाक ने 26/11 के मास्टरमाइंड साजिद मीर को हिरासत में लिया, पहले मृत घोषित किया था

एजेंसी

मुंबई में 26 नवंबर, 2008 (26/11) के आतंकवादी हमलों का मुख्य साजिशकर्ता साजिद मीर कथित तौर पर पाकिस्तान में हिरासत में ले लिया गया है। एफबीआई ने मीर को 'मोस्ट वांटेड' आतंकी घोषित किया है। इसने मीर के खिलाफ विदेशी सरकार की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की साजिश, आतंकवादियों को सामग्री सहायता प्रदान करने, अमेरिका के बाहर एक नागरिक की हत्या, सहायता और उकसाने और सार्वजनिक उपयोग के स्थानों पर बमबारी के रूप में आरोपों को सूचीबद्ध किया है। मुंबई हमलों में मारे गए 166 लोगों में छह अमेरिकी थे। एफबीआई ने मीर की गिरफ्तारी और दोषसिद्धि के लिए सूचना देने वाले के लिए $ 5 मिलियन तक का इनाम रखा है। बता दें की ये वही साजिद मीर है जिसे पाकिस्तान ने बहुत पहले मृत घोषित कर दिया गया था। पाकिस्तानी सरकार ने तो यहां तक दावा किया था कि साजिद मीर की मौत हो चुकी है। बताया जा रहा है कि साजिद मीर की हिरासत से पाकिस्तान आतंकवाद को लेकर अपने दाग लगे दामन को पाक साफ करना चाहता है। आश्चर्यजनक रूप से पाकिस्तान ने कहा है कि अपने गढ़ बहावलपुर में पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के संरक्षण का आनंद लेने वाला जैश-ए-मोहम्मद का प्रमुख मौलाना मसूद अजहर का पता नहीं चल रहा है। इस्लामाबाद का यह दावा ऐसे समय में आया है जब वह फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) की ग्रे लिस्ट से बचने की पूरी कोशिश कर रहा है। आतंकवाद रोधी निगरानी संस्था ने कहा है कि पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट से हटा दिया जाएगा यदि यह सत्यापित करने के लिए कि आतंकवाद के वित्तपोषण और मनी लॉन्ड्रिंग पर अंकुश लगाने के लिए पाकिस्तान द्वारा उठाए गए कदम 'टिकाऊ' और 'अपरिवर्तनीय' हैं या नहीं। 2020 कंट्री रिपोर्ट्स ऑन टेररिज्म में कहा गया है: ₹अफगानिस्तान को लक्षित करने वाले समूह - जिनमें अफगान तालिबान और संबद्ध एचक्यूएन, साथ ही भारत को लक्षित करने वाले समूह, जिनमें लश्कर और उसके संबद्ध फ्रंट संगठन, और जैश-ए-मोहम्मद (जेएम) ने पाकिस्तानी क्षेत्र से लगातार सक्रिय हैं। पाकिस्तान ने पिछले कुछ वर्षों में एफएटीएफ ग्रे लिस्ट से हटाने के प्रयास में आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने के कुछ प्रयास किए हैं, जो देशों द्वारा आतंकवाद के वित्तपोषण और मनी लॉन्ड्रिंग की निगरानी करता है।

पीएम मोदी ने लॉन्च की चेस ओलंपियाड की मशाल

हमारे देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं : मोदी

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंदिरा गांधी स्टेडियम में 44वें शतरंज ओलंपियाड के मशाल रिले का शुभारंभ किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि आज चेस ओलंपियाड गेम्स के लिए पहली टॉर्च रिले भारत से शुरू हो रही है। इस साल पहली बार भारत चेस ओलंपियाड गेम्स की मेजबानी भी करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि एक खेल, अपने जन्मस्थान से निकलकर पूरी दुनिया में अपनी छाप छोड़ रहा है, अनेक देशों के लिए एक पैशन बन गया है। मोदी ने कहा कि भारत से सदियों पहले चतुरंग के रूप में इस स्पोर्ट्स की मशाल पूरी दुनिया में गई थी। आज शतरंज की पहली ओलंपियाड मशाल भी भारत से निकल रही है। मोदी ने कहा कि आज जब भारत अपनी आजादी के 75वें

वर्ष का पर्व, अमृत महोत्सव मना रहा है, तो ये चेस ओलंपियाड मशाल भी देश के 75 शहरों में जाएगी। उन्होंने कहा कि एफआईडीई ने ये भी तय किया है कि प्रत्येक शतरंज ओलंपियाड खेल के लिए मशाल रिले भारत से ही शुरू हुआ करेगी। ये सम्मान न केवल भारत का सम्मान है, बल्कि शतरंज की इस गौरवशाली विरासत का भी सम्मान है। मैं इसके लिए एफआईडीई और इसके सभी सदस्यों का अभिनंदन करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि Analytical और problem solving brains के लिए हमारे पूर्वजों ने चतुरंग या शतरंज जैसे खेलों का आविष्कार किया। भारत से होते हुए शतरंज,दुनिया के अनेक देशों तक पहुंचा और खूब लोकप्रिय हुआ। आज स्कूलों में चेस युवाओं के लिए, बच्चों के लिए एक एजुकेशन टूल के रूप में इस्तेमाल हो रहा है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते 7-8 वर्षों में शतरंज में अपना प्रदर्शन लगातार बेहतर किया है। 41वें चेस ओलंपियाड में भारत ने ब्रॉन्ज के रूप में अपना पहला मैडल जीता था। 2020 और 21 के वर्चुअल चेस ओलंपियाड में भारत ने गोल्ड और ब्रॉन्ज भी जीता है। उन्होंने कहा कि इस बार अब तक की तुलना में हमारे सबसे ज्यादा खिलाड़ी चेस ओलंपियाड में भाग ले रहे हैं, मुझे आशा है कि इस बार भारत मेडल्स के नए रिकॉर्ड बनाएगा। मोदी ने कहा कि जैसे शतरंज के हर मोहरे की अपनी यूनिक ताकत होती है, उसकी यूनिक क्षमता होती है। अगर आपने एक मोहरे को लेकर सही चाल चल दी, उसकी ताकत का सही इस्तेमाल कर लिया तो वो सबसे शक्तिशाली बन जाता है। चेसबोर्ड की यही खासियत हमें जीवन का बड़ा संदेश देती है। सही सपोर्ट और सही माहौल दिया जाए तो कमजोर से कमजोर के लिए भी कोई लक्ष्य असंभव नहीं होता। प्रधानमंत्री ने कहा कि शतरंज के खेल की एक और बड़ी खासियत होती है- दूरदृष्टि। शतरंज हमें बताता है कि शॉर्ट टर्म सक्सेस के बजाय दूर की सोच रखने वालों को ही असली कामयाबी मिलती है। उन्होंने कहा कि अगर मैं आज भारत की स्पोर्ट्स पॉलिसी की बात करूं तो खेल के क्षेत्र में TOPS यानी टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम और खेलो इंडिया जैसी योजनाएं इसी सोच के साथ काम कर रही हैं। और इसके नतीजे भी हम लगातार देख रहे हैं। मोदी ने कहा कि हमारे देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है।

भारतीय महिला टीम ने अमेरिका को हराया, हासिल किया तीसरा स्थान

एजेंसी

रोटरडम। भारतीय महिला हॉकी टीम ने दो चरण के मुकाबले के दूसरे एकतरफा मैच में अमेरिका को बुधवार को यहां 4-0 से हराकर एफआईएच प्रो लीग में अपने पदार्पण सत्र में तीसरा स्थान हासिल किया। भारतीय टीम ने मंगलवार को पहले मैच में अमेरिका को 4-2 से हराया था।

भारत की ओर से वंदना कटारिया (39वें और 54वें मिनट) ने दो गोल दागे जबकि सोनिका (54वें) और संगीता कुमारी (58वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। अर्जेन्टीना की टीम पहले ही खिताब अपने नाम कर चुकी है जबकि नीदरलैंड की टीम दूसरे स्थान पर रही। अमेरिका ने दूसरे ही मिनट में मैच का पहला मौका बनाया लेकिन एलिजाबेथ यीगर के दमदार शॉट को भारतीय कप्तान और गोलकीपर सविता ने नाकाम कर दिया। शर्मिला देवी ने इसके बाद गोल करने का स्वर्णिम मौका गंवाया जब वह काफी करीब से अमेरिकी गोलकीपर को छकाने में नाकाम रहीं। सलीमा टेटे ने दाएं छोर से कई मौके बनाए लेकिन पहले क्वार्टर में कोई गोल नहीं हुआ। भारत ने दूसरे क्वार्टर में 23वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन यह बर्बाद हो गया। भारत को इसके बाद दो और पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन टीम गोल नहीं कर सकी जिससे मध्यांतर तक स्कोर 0-0 रहा। मध्यांतर के बाद पेनल्टी कॉर्नर पर नवनीत कौर के शॉट को अमेरिकी गोलकीपर केल्सी बिंग ने रोक दिया। भारत ने 39वें मिनट में बढ़त बनाई जब पांचवें पेनल्टी कॉर्नर पर गुरजीत कौर की फ्लिक को वंदना ने गोल की राह दिखाई। नवनीत ने इसके बाद बेहद आसान मौका गंवाया।

खत्म हुआ 30 साल का इंतजार, श्रीलंका ने जीता ऑस्ट्रेलिया से वनडे सीरीज

एजेंसी

कोलंबो। पिछले कई महीनों से अपने सबसे खराब आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका को तब जश्न मनाने का मौका मिला जब उसकी क्रिकेट टीम ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में आखिरी गेंद पर चार रन से जीत दर्ज करके पांच मैचों की श्रृंखला में 3-1 से अजेय बढ़त हासिल की। श्रीलंका की टीम पहले बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किये जाने के बाद चरित असलंका (110) के शतक और धनंजय डिसिल्वा (60) के साथ उनकी 101 रन की साझेदारी के बावजूद 49 ओवर में 258 रन पर आउट हो गयी। दासुन शनाका की अगुवाई वाली टीम ने हालांकि अपने इस स्कोर का अच्छी तरह से बचाव किया और आस्ट्रेलिया को 254 रन पर आउट कर दिया। आस्ट्रेलिया की तरफ से सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने 99 रन बनाये जबकि पैट कमिन्स ने 35 रन का योगदान दिया। अन्य बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाये। श्रीलंका के लिये धनंजय डिसिल्वा, चमिका करुणारत्ने और जैफ्री वंडारसे ने दो-दो विकेट लिये। आस्ट्रेलिया को आखिरी ओवर में 19 रन चाहिए थे, जिसे शनाका स्वयं करने के लिये आये। दसवें नंबर के बल्लेबाज मैथ्यू कुहनेमैन (15) ने तीन चौके लगाये, जिससे आस्ट्रेलिया को श्रृंखला को जीवंत रखने के लिये अंतिम गेंद पर पांच रन की जरूरत थी। लेकिन कुहनेमैन धीमी गति की गेंद को हवा में उछाल गये और कवर में असलंका को कैच दे बैठे।

नीदरलैंड को कड़ी टक्कर देने के बावजूद शूटआउट में हारा भारत

एजेंसी

रोटरडम। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग के दो चरण के शुरुआती मुकाबले में नीदरलैंड को शनिवार को कड़ी टक्कर दी लेकिन नियमित समय में मैच के 2-2 की बराबरी पर छूटने के बाद शूटआउट में उसे 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही भारतीय टीम को अब खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए दूसरी टीमों पर निर्भर रहना होगा। इस मैच से भारत को एक अंक मिला जिससे 15 मुकाबलों के बाद उनके नाम 30 अंक है। उसका एक मैच बचा हुआ है। तालिका में शीर्ष पर काबिज नीदरलैंड के नाम 13 मैचों में 33 अंक है जबकि ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम 14 मैचों में 31 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। नीदरलैंड के तीन जबकि बेल्जियम के दो मैच बचे हुये

हैं। भारतीय टीम ने दोनों गोल पिछड़ने के बाद किये। टीम के लिए दिलप्रीत सिंह ने 22वें मिनट में पहला गोल किया जबकि हरमनप्रीत सिंह ने हूटर बजने से कुछ सेकंड पहले बराबरी का गोल दागा। भारत और नीदरलैंड की टीमों ने हर विभाग में पूरे 60 मिनट के खेल में एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी। भारतीय टीम शुरुआती दो क्वार्टर में गेंद को अपने पास अधिक समय तक रखने में सफल रही लेकिन नीदरलैंड को शुरुआत से ही आक्रामक खेल और जवाबी हमला करने का फायदा हुआ। यह मुकाबला दो शानदार गोलकीपरों के बीच भी था जिसमें पीआर श्रीजेश और पिरमिन ब्लाक ने कई बेहतरीन बचाव किये। डर्क डी विल्डर के बनाये मौके पर तिजमेन रेयेंग ने भारतीय रक्षापंक्ति को छकाते हुए गोल में बदल दिया जिससे नीदरलैंड की टीम ने 10वें मिनट में अपना खोला। भारत ने इसके बाद जवाबी हमाल कर दो पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन घरेलू टीम ने दोनों प्रयासों को विफल कर दिया। भारतीय टीम ने दूसरे क्वार्टर में बराबरी की। मैच के 22वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने वरूण कुमार के पास पर सर्कल से शानदार मैदानी गोल दागा। इसके बाद तीसरे क्वार्टर में भी दोनों टीम के बीच कांटे का मुकाबला हुआ। दोनों टीमों की अग्रिम पंक्ति के बनाये मौको को रक्षापंक्ति ने विफल कर दिया। मैच के आखिरी क्वार्टर में 47 मिनट में कोएन बिजेन के मैदानी गोल से नीदरलैंड ने बढ़त कायम कर ली। टीम मैच को जीतने की ओर बढ़ रही थी लेकिन आखिरी 23 सेकंड के खेल में भारत ने तीन पेनल्टी कार्नर हासिल किये। हरमनप्रीत ने आखिरी पेनल्टी कार्नर को गोल में बदल कर स्कोर को 2-2 से बराबर कर दिया। लेकिन शूट-आउट में, भारतीयों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा।

एशियाई ट्रैक साइकिलिंग के चौथे दिन भारत को कोई पदक नहीं

एजेंसी

नयी दिल्ली। विश्व जूनियर चैंपियन और एशियाई रिकॉर्ड धारक रोनाल्डो सिंह ने मंगलवार को यहां एशियाई ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप के चौथे दिन पुरुषों की स्प्रिंट स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह पक्की की लेकिन भारतीय खिलाड़ी दिन की छह में से एक भी स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने में नाकाम रहे। सोमवार को एक किलोमीटर टाइम ट्रायल स्पर्धा में देश का पहला अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने वाले रोनाल्डो ने मंगलवार को लगातार दो स्प्रिंट में कोरिया के जी वन पार्क को शिकस्त दी। अब सेमीफाइनल में उनके सामने कजाकिस्तान के एंड्री चुगे की चुनौती होगी। रोनाल्डो ने कहा, '' कल मेरे लिए एक बड़ा दिन है क्योंकि मैं अपनी पसंदीदा स्पर्धा में से एक में प्रदर्शन करूंगा, मैं भारत के लिए पदक जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हूं। इससे मुझे आगामी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए मेरी तैयारियों के बारे में भी पता चलेगा। प्रतियोगिता के चौथे दिन हालांकि छह फाइनल में कोई भी भारतीय साइकिल चालक पोडियम तक नहीं पहुंच सका। भारतीय राइडर एसो एक बार फिर पुरुषों के स्प्रिंट के अपने क्वार्टर फाइनल स्पर्धा को जीतने में नाकाम रहे। चुगे से हारकर , इस टूर्नामेंट में खाली हाथ रहे। हरशवीर सिंह शेखोन ने 30,000 मीटर की रेस में कोरिया के प्रतिद्वंद्वी यूरो किम और जापान के नाओकी कोजिमा को अच्छी टक्कर दी लेकिन 43 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे।

फीफा विश्व कप में देखने को मिलेगा भारत बनाम ब्राजील मैच

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत फीफा विश्व कप में ब्राजील से भिड़ेगा लेकिन ऐसा विश्व फुटबॉल संचालन संस्था के सीनियर वर्ग के मुख्य टूर्नामेंट में नहीं बल्कि महिलाओं के अंडर-17 टूर्नामेंट में होगा। मेजबान भारत को आगामी अंडर-17 फीफा महिला विश्व कप के लिये शुक्रवार को ज्यूरिख में हुए ड्रा में फुटबॉल 'पावरहाउस' ब्राजील, मोरक्को और अमेरिका के साथ मुश्किल ग्रुप ए में रखा गया है। देश 11 से 30 अक्टूबर तक तीन स्थलों पर टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। चार ग्रुप में कुल 16 टीमें टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी जिसके मुकाबले भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में, गोवा के पंडित जवाहरलाल नहेरू स्टेडियम में और नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम

में खेले जायेंगे। मेजबान देश होने के नाते स्वतः क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका के खिलाफ 11 अक्टूबर (मंगलवार) को भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में करेगी। दूसरा मैच मोरक्को के खिलाफ 14 अक्टूबर (शुक्रवार) को इसी स्थल पर खेला जायेगा। मेजबान टीम का अंतिम ग्रुप चरण मैच ब्राजील के खिलाफ 17 अक्टूबर (सोमवार) को होगा। भारत को विश्व कप के 2020 चरण की मेजबानी करनी थी लेकिन कोविड-19 महामारी के चलते टूर्नामेंट रद्द कर दिया गया था। 2018 चरण के फाइनल में मेक्सिको को हराने वाले गत चैम्पियन स्पेन को ग्रुप सी में कोलंबिया, चीन और मेक्सिको के साथ रखा गया है। ग्रुप बी में जर्मनी, नाईजीरिया, चिली और न्यूजीलैंड शामिल हैं जबकि ग्रुप डी में जापान, तंजानिया, कनाडा और फ्रांस को रखा गया है। उत्तर कोरिया टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे सफल टीम है जिसने 2008 और 2016 में ट्राफी जीती है जबकि जापान, दक्षिण कोरिया और फ्रांस ने एक एक बार खिताब जीते हैं। मेजबान मोली कमिता ने आधिकारिक ड्रा प्रस्तुत किया। भारत दूसरी बार फीफा टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है, जिसने 2017 में अंडर-17 पुरूष विश्व कप का आयोजन किया था।

रोनाल्डो ने इतिहास रचा, एशियाई चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने

एजेंसी

नयी दिल्ली। रोनाल्डो सिंह ने बुधवार को यहां एशियाई ट्रैक चैम्पियनशिप के अंतिम दिन सीनियर वर्ग की स्प्रिंट स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहकर इतिहास रच दिया, वह महाद्वीपीय टूर्नामेंट में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय साइकिलिस्ट बन गये। रोनाल्डो की उपलब्धि महाद्वीपीय चैम्पियनशिप में किसी भारतीय साइकिलिस्ट का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। बुधवार को उन्होंने जापान के अनुभवी राइडर केंटो यामासाकी को कड़ी चुनौती दी लेकिन दूसरा स्थान ही हासिल कर सके। यामासाकी ने लगातार रेस में रोनाल्डो को पछाड़ कर पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल किया। कजाखस्तान के आंद्रे चुगे ने स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। भारतीय साइकिलिंग महासंघ के चेयरमैन ओंकार सिंह ने पीटीआई से कहा,

''यह (रोनाल्डो का रजत) एशियाई चैम्पियनशिप में किसी भारतीय का पहला रजत पदक था। किसी भारतीय ने हमारे इतिहस में स्वर्ण पदक नहीं जीता है इसलिये उनका रजत पदक जीतना किसी भारतीय का महाद्वीपीय चैम्पियनशिप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। ''सिंह एशियाई साइकिलिंग परिसंघ के महासचिव भी हैं। रोनाल्डो का यह चैम्पियनशिप में तीसरा पदक था। उन्होंने इससे पहले 1 किमी टाइम ट्रायल और टीम स्प्रिंट स्पर्धा में कांस्य पदक जीते थे। सुबह रोनाल्डो ने सेमीफाइनल में कजाखस्तान के आंद्रे चुगे को पछाड़ा था। यह भारतीय पहली रेस में हार गया था लेकिन वापसी करते हुए अगली दो रेस जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। रोनाल्डो ने कहा, ''मेरे दिमाग में स्वर्ण पदक था, लेकिन फिर भी मैं खुश हूं क्योंकि यह मेरा पहला रजत पदक है। यह मेरे करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। प्रत्येक टूर्नामेंट में मेरी तकनीक में सुधार हुआ है, यह सबसे अहम है।'' मंगलवार को विश्व जूनियर चैम्पियन और एशियाई रिकॉर्डधारी रोनाल्डो ने 200 मीटर फ्लाइंग टाइम ट्रायल में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था और पुरूष एलीट स्प्रिंट रेस स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनायी थी। घरेलू टीम ने अंतिम दिन एक रजत और दो कांस्य पदक जीते। भारतीय जूनियर साइकिलिस्ट बिरजीत युमनाम ने 15 किमी प्वाइंट रेस में 23 अंक से कांस्य पदक जीता। कोरिया के सुंगयिओन ली ने 24 अंक से रजत और उज्बेकिस्तान के फारूख बोबोशेरोव ने स्वर्ण पदक हासिल किया। छायानिका गोगोई दिन में हैरान करने वाली साइकिलिस्ट रहीं। इस 19 वर्षीय साइकिलिस्ट ने 10 किमी महिला स्क्रैच रेस फाइनल में कजाखस्तान की पदक की दावेदार रिनाटा सुल्तानोवा को पछाड़कर कांस्य पदक से भारत का खाता खोला। योयूरी किम ने स्वर्ण और जापान की किये फुरूयामा ने रजत पदक प्राप्त किया। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के वेलोड्रोम में एशियाई जूनियर और पैरा चैम्पियनशिप भी इसके साथ ही आयोजित की गयी थी। अंतिम दिन 10 फाइनल में कुछ साइकिल भी टकरायी। जापान 18 स्वर्ण, सात रजत और दो कांस्य से संयुक्त पदक तालिका में शीर्ष पर रहा। वर्ल्ड क्लास फील्ड में भारतीय साइकिलिंग टीम 23 पदक (दो स्वर्ण, छह रजत और 15 कांस्य) से पांचवें स्थान पर रही। कोरिया 12 स्वर्ण, 14 रजत और तीन कांस्य पदक जीतकर दूसरे स्थान पर रहा जबकि कजाखस्तान ने चार स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य से तीसरा स्थान हासिल किया।

पूर्ण फिटनेस हासिल करने में नाकाम रानी को भारत की महिला हॉकी विश्व कप टीम में जगह नहीं

एजेंसी

नयी दिल्ली। पूर्ण फिटनेस हासिल करने में नाकाम करिश्माई स्ट्राइकर और पूर्व कप्तान रानी रामपाल को मंगलवार को हॉकी इंडिया द्वारा घोषित भारत की 18 सदस्यीय महिला हॉकी टीम में जगह नहीं मिली जो अगले महीने एफआईएच विश्व कप में हिस्सा लेगी। गोलकीपर सविता पूनिया भारतीय टीम की अगुआई करेंगी। तोक्यो 2020 ओलंपिक में भारतीय टीम के चौथे स्थान पर रहने के दौरान टीम की कप्तान रही रानी को पैर की मांसपेशियों की चोट से उबरने के बाद बेल्जियम और नीदरलैंड के खिलाफ हाल में एफआईएच प्रो लीग मुकाबलों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था। वह चोट के कारण तोक्यो खेलों के बाद से बाहर थी। टीम की हिस्सा होने के बावजूद रानी प्रो लीग के यूरोपीय चरण के दौरान शुरुआती चार मैच में नहीं खेली जिसे उनकी फिटनेस को लेकर सवाल उठने लगे और अंततः उन्होंने विश्व कप के लिए जाने वाली टीम में जगह गंवा दी। रानी को जगह नहीं मिलने के बाद टीम में और कोई

हैरानी भरा नाम नहीं है और भारत ने परखे हुए खिलाड़ियों को मौका दिया है। हाल के एफआईएच प्रो लीग मुकाबलों में भारतीय टीम का हिस्सा रही डिफेंडर इशिका चौधरी और अक्षता अबासो ढेकाले, मिडफील्डर बलजीत कौर और स्ट्राइकर संगीता कुमारी को भी टीम में जगह नहीं मिली है। नीदरलैंड और स्पेन एक से 17 जुलाई तक विश्व कप की संयुक्त मेजबानी करेंगे। दीप ग्रेस एक्का टीम की उप कप्तान बनी रहेंगी। भारत को पूल बी में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और चीन के साथ रखा गया है। टीम अपना पहला मैच तीन जुलाई को इंग्लैंड से खेलेगी जिसके खिलाफ उसने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक का मुकाबला गंवाया था। लंदन में पिछले विश्व कप में भारतीय टीम को क्वार्टर फाइनल में आयरलैंड के खिलाफ शूट आउट में हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय कोच यानेक शॉपमैन ने कहा, ''हमने विश्व कप के लिए सर्वश्रेष्ठ टीम चुकी है। यह अनुभवी और युवा प्रतिभा का मिश्रण है जिन्होंने एफआईएच प्रो लीग में शीर्ष टीम के खिलाफ मौका मिलने पर शानदार प्रदर्शन किया।'' उन्होंने कहा, ''चोट से पूरी तरह उबर पाने में नाकाम रही रानी के अलावा तोक्यो ओलंपिक अभियान का हिस्सा रही सभी खिलाड़ियों को टीम में जगह मिली है जबकि ज्योति और सोनिका को भी शामिल किया गया है जिन्होंने मौका मिलने पर अच्छा प्रदर्शन किया।''पूल बी के मुकाबले स्पेन में खेले जाएंगे।

टीम इस प्रकार हैः **गोलकीपरः** सविता (कप्तान), बिचु देवी खरीबाम। **डिफेंडरः** दीप ग्रेस एक्का, गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता। **मिडफील्डरः** निशा, सुशीला चानू पुखरामबम, मोनिका, नेहा, ज्योति, नवजोत कौर, सोनिका, सलीमा टेटे। **फॉरवर्डः** वंदना कटारिया, लालरेम्सियामी, नवनीत कौर, शर्मिला देवी। **वैकल्पिक खिलाड़ीः** अक्षता अबासो ढेकाले, संगीता कुमारी।

तोक्यो खेल अब तक का सबसे खर्चीला ओलंपिक

एजेंसी

तोक्यो। कोरोना वायरस महामारी के कारण एक साल के विलंब से हुए तोक्यो खेल अब तक के सबसे महंगे ओलंपिक साबित हुए हैं जिसमें 2013 में मेजबानी के मिलने के समय लगाए गए अनुमान से लगभग दोगुना खर्च हुआ है। तोक्यो खेलों के आयोजन में लगभग 1.42 ट्रिलियन येन (लगभग 8.19 खरब रुपये) खर्च हुए। तोक्यो ओलंपिक अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी बैठक की जिसमें इन खेलों के जुड़े खर्च के अंतिम विवरण को रखा गया। इस आयोजन समिति को इस महीने के आखिर में खत्म कर दिया जायेगा। डॉलर और जापान की मुद्रा येन के बीच विनिमय दर में हालिया उतार-चढ़ाव के कारण हालांकि लागत की गणना करना चुनौतीपूर्ण है। पिछले साल जब खेलों का आयोजन शुरू हुआ था तब एक डॉलर लगभग 110 येन के बराबर था जबकि सोमवार को यह 135 येन के करीब रहा। यह येन के मुकाबले डॉलर का लगभग 25 वर्षों में उच्चतम स्तर है। जब ये खेल संपन्न हुए थे तब आयोजकों ने इसमें 15.4 बिलियन डॉलर (लगभग 12 खरब रुपये) के खर्च होने का अनुमान लगाया था। इसके चार महीने के बाद आयोजकों ने कहा कि इसकी कुल लागत 13.6 बिलियन डॉलर (लगभग 10.61 खरब रूपये) है। उन्होंने कहा कि प्रशंसकों के स्टेडियम में नहीं होने से इसमें बड़ी बचत हुई है। सुरक्षा लागत, स्थल रखरखाव आदि पर खर्च कम हुए।

शाहरुख खान ने सिनेमा में पूरे किए 30 साल, 'पठान' का पहला पोस्टर किया जारी

मुंबई। अभिनेता शाहरुख खान ने फिल्म उद्योग में अपने 30 साल पूरे कर लिए हैं और इस अवसर पर उन्होंने अपनी बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म 'पठान' का पहला पोस्टर जारी किया। सोशल मीडिया पर जारी फिल्म के पोस्टर में 56 वर्षीय अभिनेता लंबे बालों और दाढ़ी के साथ हाथ में बंदूक लिए नज़र आ रहे हैं। खान ने ट्विटर पर लिखा, ''30 साल और अभी गिनती रूकेगी नहीं, क्योंकि आपका प्यार और मुस्कान अनंत है। यह पठान के साथ जारी रहेगी। 25 जनवरी, 2023 को यश राज फिल्म्स के 50 साल के सफर का जश्न 'पठान' के साथ मनाएं। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज़ होगी।'' फिल्म का निर्देशन 'वॉर' और 'बैंग बैंग' से मशहूर सिद्धार्थ आनंद ने किया है। फिल्म में अभिनेता जॉन अब्राहम और अभिनेत्री दीपिका पादुकोण भी हैं। अभिनेता अब्राहम ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर खान का पहली झलक साझा की और हिंदी फिल्म उद्योग में अभिनेता के 30 साल पूरे होने पर उन्हें बधाई दी। जॉन ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ''दुनिया भर में लाखों दिलों को जीतने के 30 साल।

वास्तव में आपके जैसा कोई नहीं है। पठान के रूप में शाहरुख खान का स्वागत है। यह पठान की पहली झलक है।'' खान ने अपने अभिनय की शुरुआत टेलीविजन कार्यक्रम 'फौजी' और 'सर्कस' से की थी। उन्होंने दिव्या भारती और अभिनेता ऋषि कपूर के साथ 1992 में 'दीवाना' से फिल्मों में कदम रखा था। इसके बाद 'चमत्कार', 'राजू बन गया जेंटलमैन' और 'कभी हां कभी ना' जैसी फिल्में के जरिए अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके अभिनेता ने 'बाजीगर', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कभी खुशी कभी गम', 'देवदास', 'स्वदेस', 'चक दे! इंडिया' और 'माई नेम इज खान' जैसी सुपरहिट फिल्में कीं। 'पठान' के निर्देशक आनंद ने एक बयान में कहा, ''आज शाहरुख खान का दिन है और हमें दुनिया को यह बताने की जरूरत है। यह टीम 'पठान' का शाहरुख को अनगिनत यादों और मुस्कुराहट के लिए धन्यवाद कहने का तरीका है। 'पठान' से शाहरुख खान की झलक को सबसे छिपा कर रखा गया था। दुनिया भर के प्रशंसक लंबे समय से उनकी झलक देखने की मांग कर रहे थे और हमारे पास इसे दिखाने के लिए इससे बेहतर दिन नहीं हो सकता था।'' यश राज फिल्म्स द्वारा निर्मित, पठान खान की आखिरी रिलीज़ जीरो (2018) के पांच साल बाद 25 जनवरी, 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अभिनेता को 2023 में दो और फिल्मों - दक्षिण भारतीय फिल्म निर्माता एटली की एक्शन-मनोरंजक 'जवान' और राजकुमार हिरानी निर्देशित 'डंकी' में भी देखा जाएगा। 'जवान' फिल्म दो जून, 2023 को और 'डंकी' दिसंबर 2023 में रिलीज़ होगी। इस फिल्म जिसमें अभिनेत्री तापसी पन्नू भी हैं।

प्रियंका ने लॉन्च लिया होमवेयर लाइन

सिनेमा जगत में आए दिन कुछ न कुछ दिलचस्प होता रहता है। फैन्स को अपने फेवरेट सितारों की निजी ज़िंदगी के बारे में दिलचस्पी रहती है, सेलेब्रिटीज़ भी सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस से जुड़े रहते हैं। हाल ही में कुछ फेमस सेलेब्स के वीडियोज़ सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा अब एक बिजनेसवुमेन भी बन गई हैं। एक्ट्रेस ने पिछले साल न्यूयॉर्क में सोना नाम का रेस्टोरेंट खोला है। अब अपने ब्रांड को आगे बढ़ाते हुए प्रियंका ने सोना होम नाम का होमवेयर लाइन शुरू किया है। प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने इस नए वेंचर की जानकारी देते हुए एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में प्रियंका सोना होम के को फाउंडर मनीष गोयल के साथ होमवेयर की चीजों को दिखाती हुई नजर आ रही हैं।

आलिया से शादी के बाद रणबीर ने क्यों कहा, मेरे जीवन में दाल-चावल और अचार, सब कुछ है

जब-जब 2022 के सबसे यादगार पलों की बात होगी, तो उसमें रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के शादी का जिक्र जरूर आएगा। रणबीर कपूर भी आलिया भट्ट से शादी करके बेहद खुश हैं। इसके साथ ही इस साल रणबीर कपूर की एक के बाद एक दो फिल्में भी रिलीज हो रही हैं। यही कारण है कि रणबीर कपूर साफ तौर पर साल 2022 को बेहद यादगार बता रहे हैं। रणबीर कपूर ने कहा कि साल 2022 उनके लिए बेहद यादगार साबित हो रहा है। उन्होंने इस वर्ष आलिया भट्ट से शादी की है और बैक टू बैक उनकी दो फिल्में भी रिलीज होने वाली है। जब रणबीर से पूछा गया कि क्या उनकी दो फिल्में शमशेरा और ब्रह्मास्त्र : पार्ट वन शिवा उनके प्रशंसकों के लिए शादी का तोहफा हैं, तो रणबीर ने सवाल के जवाब में यह बातें कही। कही। इस दौरान रणबीर कपूर ने 2013 में आई अपनी फिल्म ''ये जवानी है दीवानी'' को भी याद किया और उसके एक डायलॉग को भी बोला। उन्होंने फिल्म के डायलॉग का उल्लेख करते हुए कहा मैं अपनी फिल्मों में कहा करता था कि शादी आपके मरने तक 50 साल के लिए दाल चावल की तरह है। अरे लाइफ में थोड़ा बहुत कीमा पाव, तंगड़ी कबाब, हक्का नूडल्स भी होना चाहिए ना। लेकिन, जिंदगी में अपने

अनुभवों के बाद मैं कह सकता हूं कि दाल-चावल सबसे अच्छा है। आलिया के साथ मेरी जिंदगी सबसे अच्छी है। मेरे जीवन में दाल चावल है तड़का, अचार और प्याज के साथ, इसमें सब कुछ है। इसलिए, मैं कहूंगा कि मुझे आलिया से बेहतर जीवनसाथी नहीं मिल सकता था। कपूर खानदान से निकले इस बेहतरीन एक्टर ने कहा कि मुझे अब बहुत काम करना है, पहले मैं अपने लिए काम कर रहा था, अब मैं अपना परिवार बनाना चाहता हूं और अपने परिवार के लिए काम करना चाहता हूं। रणबीर ने अपनी बहुप्रतीक्षित पीरियड एक्शन फिल्म शमशेरा के ट्रेलर के रिलीज होने के अवसर पर यह बातें कहीं। फिल्म में रणबीर अंग्रेजों से आजादी के लिए लड़ने वालेएक डकैत के रूप में नजर आएंगे। शमशेरा का निर्देशन करण मल्होत्रा ने किया है।

सिनेमा को लेकर उत्तर बनाम दक्षिण की बहस करना व्यर्थ : आर माधवन

मुंबई। अभिनेता आर माधवन का कहना है कि सिनेमा को लेकर उत्तर बनाम दक्षिण की बहस में पड़ना व्यर्थ है क्योंकि फिल्म उद्योग में चीजें लगातार बदल रही हैं और कोई भी यह अनुमान नहीं लगा सकता कि किसी फिल्म को दर्शकों की कैसी प्रतिक्रिया मिलेगी। वर्ष 2022 में अब तक केवल तीन हिंदी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार किया है और सफल साबित हुई हैं, जिसमें 'गंगूबाई काठियावाड़ी', 'द कश्मीर फाइल्स' और 'भूल भुलैया 2' शामिल हैं, जबकि एस एस राजामौली की तेलुगु फिल्म 'आरआरआर', कन्नड़ एक्शन फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' और अभिनेता अल्लू अर्जुन की तेलुगु फिल्म 'पुष्पा' ने उत्तर भारत में बॉक्स ऑफिस पर कारोबार करने के नए रिकॉर्ड बनाए हैं। माधवन ने अपनी फिल्म रॉकेटरी : द नम्बी इफेक्ट के प्रचार के दौरान एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह विश्लेषण करना व्यर्थ है कि दक्षिण की फिल्में हिंदी भाषी क्षेत्रों में अच्छा कारोबार क्यों कर रही हैं। माधवन (52) ने कहा, सिनेमा को लेकर उत्तर बनाम दक्षिण की बहस में पड़ना और उसका विश्लेषण करना व्यर्थ है। अगर आपको लगता है कि सफल होने का कोई एक नियम है, तो फिल्म जगत में हर दिन परिदृश्य बदलता रहता है और आप पर सब कुछ गंवा देने का खतरा होता है। मुझे उम्मीद है कि आने वाले वर्षों और दिनों में कई अन्य फिल्में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगी और नये मानक स्थापित होंगे। मुझे नहीं लगता कि हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि किसी फिल्म को दर्शकों की कैसी प्रतिक्रिया मिलेगी। माधवन का मानना है कि उत्तर भारत में दक्षिण की फिल्मों की लोकप्रियता का मतलब यह नहीं है कि हिंदी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हैं। अभिनेता ने कहा कि 'बाहुबली , आरआरआर , केजीएफ और पुष्पा ऐसी फिल्में हैं जिन्होंने हिंदी फिल्मों से ज्यादा कमाई की है क्योंकि इन फिल्मों में काम करने वाले कलाकारों के प्रशंसक पूरे भारत में हैं। अभिनेता का मानना है कि कोविड-19 महामारी ने दर्शकों के फिल्म देखने के नजरिए और तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। माधवन ने कहा कि 'आरआरआर' और 'पुष्पा' जैसी दक्षिण की फिल्मों की सफलता का श्रेय एनटीआर जूनियर, राम चरण, अल्लू अर्जुन जैसे अभिनेताओं की प्रतिबद्धता और उनकी कड़ी मेहनत को भी दिया जाना चाहिए। माधवन ने रॉकेटरी : द नम्बी इफेक्ट में अभिनय करने के अलावा इसका निर्देशन भी किया है और फिल्म की पटकथा भी लिखी है। यह फिल्म भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के पूर्व वैज्ञानिक और एयरोस्पेस इंजीनियर नम्बी नारायणन के जीवन पर आधारित है, जिन पर जासूसी का झूठा आरोप लगाया गया था। रॉकेटरी : द नम्बी इफेक्ट एक जुलाई को कई भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भोजपुरी एक्ट्रेस और डांसर नम्रता मल्ला अपनी बोल्डनेस के लिए जानी जाती हैं। नम्रता अपनी बोल्ड तस्वीरों और वीडियो से आए दिन सोशल मीडिया पर आग लगाती रहती हैं। एक्ट्रेस अक्सर अपने हॉट लुक के कारण सुर्खियों में रहती हैं। नम्रता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अक्सर अपनी हॉट फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। हाल ही में नम्रता ने एक सिजलिंग वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर की है जिसे देखकर फैंस बेकाबू हो रहे हैं। इन फोटोज़ को देखकर सोशल मीडिया पर तहलका मच गया है। नम्रता ने इस बार बोल्डनेस की सारी हदें पार कर दी हैं। आपको बता दें कि एक्ट्रेस ने पानी में भीगते हुए दो मर्दों के साथ फोटोशूट करवाया है। इन तस्वीरों में नम्रता ग्रे कलर का बिकिनी टॉप और गोल्डन कलर के शॉर्ट्स पहने हैं। नम्रता के साथ दो मॉडल भी हैं, जो उनके बदन को चूमते हुए नजर आ रहे हैं। नम्रता ने कैप्शन में लिखा- #anglagadere #bollywood। अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए नम्रता ने लाइट मेकअप किया है और बालों को ओपन ही रखा है। नम्रता की ये तस्वीरें देखकर फैंस के पसीने छूट रहे हैं। फैंस इस पोस्ट पर जमकर लाइक और कमेंट कर रहे हैं। एक फैन ने कमेंट किया, इंडिया की सबसे हॉट मॉडल। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, कंट्रोल कैसे करें। फैंस नम्रता की इन तस्वीरों पर हॉट और सेक्सी जैसे कमेंट भी कर रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स ने इन फोटोज़ पर हार्ट और फायर वाले इमोजी की लाइन लगा दी है। आपको बता दें कि नम्रता भोजपुरी सिनेमा की सबसे बोल्ड एक्ट्रेसेज में से एक हैं। उन्होंने खेसारी लाल यादव के साथ दो घूंट गाने में काम किया है। यह गाना सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था।

नम्रता मल्ला ने नहाते हुए शेयर किया सबसे बोल्ड फोटोशूट, वीडियो देख फैंस बोले - 'अब कंट्रोल कैसे करें?'

ईशा गुप्ता ने रिवीलिंग गाउन में दिखाई अपनी कर्वी बॉडी

फिल्म 'जन्नत 2' से अपना फिल्मी करियर शुरू करने वाली ईशा गुप्ता आज बॉलीवुड की सबसे हॉट अभिनेत्रियों में शुमार है। एक्ट्रेस की सोशल मीडिया पर उनकी तगड़ी फैन फॉलोविंग है। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अक्सर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में ईशा गुप्ता ने हॉट फोटोज से एक बार फिर इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। ईशा की यह तस्वीरें इतनी हॉट हैं कि लोग इन्हें जूम कर के देखने पर मजबूर हो गए हैं। ईशा ने अपने इंस्टाग्राम पर लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की है। इस फोटो में ईशा ब्लैक कलर की रिवीलिंग आउटफिट में नजर आ रही हैं। इस गाउन में कट्स लगे हुए हैं। ईशा इस ड्रेस में अपना हॉट फिगर फ्लैट करती नजर आ रही हैं। ईशा ने अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए न्यूड मेकअप किया है और बालों को खुला रखा है। एक्ट्रेस ने इस पोस्ट के साथ एक खुशखबरी अपने फैंस के साथ शेयर की है। ईशा ने पोस्ट के जरिए बताया कि उन्हें मोस्ट डिजायरेबल विलेन के अवार्ड से नवाजा गया है। ईशा की ये तस्वीरें पोस्ट करते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। सोशल मीडिया यूजर्स को ईशा का यह बोल्ड अंदाज काफी पसंद आ रहा है। ईशा के फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक और कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'कहीं आग लग रही है क्या।' वहीं, एक अन्य फैन ने लिखा, 'सबसे ज्यादा हॉट।' लोगों ने ईशा की इन तस्वीरों पर फायर और हार्ट वाले इमोजी की लाइन लगा दी है। वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री ईशा गुप्ता हाल ही में वेब सीरीज आश्रम 3 में नजर आयी थीं। इस सीरीज में अभिनेत्री ने बॉबी देओल के साथ हद से ज्यादा बोल्ड सीन दिए थे। ईशा ने अपने इन बोल्ड सीन की वजह से सोशल मीडिया पर जमकर सुर्खियां भी बटोरी थीं। इसके अलावा इस सीरीज में उनके अभिनय को काफी सराहा भी गया था।

अनुराग कश्यप की बेटी आलिया कश्यप ने बिकिनी में बढ़ाया पारा

बॉलीवुड के मशहूर स्टारकिड्स में फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप की लाड़ली बेटी आलिया कश्यप का नाम भी शुमार है। आलिया कश्यप सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और तीन लाख से ज्यादा लोग उन्हें फॉलो भी करते हैं। 21 वर्षीय आलिया को घूमने का बड़ा शौक है और वह जब भी किसी ट्रिप में जाती हैं वहां से अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती हैं। इसी कड़ी को जारी रखते हुए उन्होंने बीते दिन अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की। तस्वीरों में आलिया हद से ज्यादा हॉट लग रही हैं और उन्हें देखकर अच्छे-अच्छों का हाल बेहाल हो गया है। आलिया कश्यप इन दिनों अपने बॉयफ्रेंड शेन ग्रेगोइरे (Shane Gregoire) के साथ क्रोएशिया में छुट्टियाँ मना रही हैं। क्रोएशिया की ट्रिप से आलिया ने दो अलग-अलग पोस्ट के जरिये अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की।

ग्रीन बिकिनी पहनकर हिना खान ने पानी में लगाई आग

हिना खान टीवी जगत टॉप एक्ट्रेसेस में से एक हैं। हिना ने ना केवल छोटे पर्दे पर, बल्कि बॉलीवुड में भी अपनी पहचान बनाई है। हिना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वे अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी हॉट और बोल्ड फोटोज़ और वीडियोज़ शेयर करती रहती हैं। सोशल मीडिया पर हिना के लाखों फॉलोवर्स हैं जो एक्ट्रेस की एक झलक पाने को बेताब रहते हैं। हिना की हर एक फोटो और वीडियो पर हजारों लोग लाइक और कमेंट करते हैं। हाल ही में हिना खान ने अपने कुछ बेहद हॉट तस्वीरें शेयर की हैं। इन फोटोस को देखकर हिना के फैंस आउट ऑफ कंट्रोल हो रहे हैं। आपको बता दें कि हिना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में हिना बीच पर ग्रीन कलर की मोनोकिनी पहने दिखाई दे रही हैं। उनकी ड्रेस में कमर पर कट भी है। इस आउटफिट में हिना अपनी टोंड बॉडी फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। हिना ने मिनिमल मेकअप, गोल्डन नेकलेस और सन ग्लासेस के साथ अपने इस लुक को कंप्लीट किया। इस आउटफिट के साथ हिना ने एक प्रिंटेड श्रग भी लिया है, जो उनके लुक और और भी ज्यादा स्टाइलिश बना रहा है। हिना ने कैमरे के सामने अलग अलग पोज़ दिए हैं। हिना के फैंस उनके इस लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं। लोग उनकी तस्वीरों पर लाइक और कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, हाय गर्मी। वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा, अब पता चला इतनी गर्मी क्यों हो रही है।

आवश्यक सूचना

आप सभी को यह सूचित किया जाता है कि क्राइम कण्ट्रोल एंड रिफॉर्म ऑर्गनाइजेशन (C.R.O) से जुड़े सभी सदस्यों की मान्यता को तत्काल समाप्त कर दिया गया है। अगर कोई भी सदस्य क्राइम कण्ट्रोल एंड रिफॉर्म ऑर्गनाइजेशन (C.R.O) द्वारा दिए गए सदस्यता कार्ड से किसी भी तरह के कार्य करने का विचार कर रहें है तो सावधान हो जाइए, अब आपका कार्ड मान्य नहीं है। अगर आप चाहते है की आपकी सदस्यता को दोबारा से मान्य कर दिया जाए, तो इसके लिए आप सभी सदस्यों को अपना 'पुलिस वेरिफिकेशन' संस्था के हेड ऑफिस में भेजना होगा अन्यथा आप सभी सदस्य भविष्य में कभी भी क्राइम कण्ट्रोल एंड रिफॉर्म ऑर्गनाइजेशन द्वारा दी गई अपनी सदस्यता का उपयोग नहीं कर पाएंगे।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक एवं RNI No. DELHIHIN/2010/37009 संपादक मो हनीफ द्वारा अरावली प्रिंटर्स -WA30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली से मुद्रित करवाकर, जी-12/276 , संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोन:8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा।